नई दिल्ली । मंगलवार , 21 अप्रैल, 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष नवमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :105 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल फुटबॉल: मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को ...
@ विचार पर्यावरणीय गिरावट से खाद्य असुरक्षा तक...
@ व्यापार वैश्विक बाजारो से मिले-जुले संकेतो के बीच शेयर...

‘हवा में थमी सांसें, विमान में यात्रियों का डर से सामना’

हैदराबाद से हुबली जा रही Fly-91 एयरलाइन की एक फ्लाइट खराब मौसम के चलते 2 घंटे हवा में ही चक्कर काटती रही

एजेंसी ■ हैदराबाद

हैदराबाद से हुबली जा रही Fly-91 एयरलाइन की एक फ्लाइट रविवार को खराब मौसम के चलते 2 घंटे हवा में ही चक्कर काटती रही।

खराब मौसम की वजह से प्लेन में सवार पैसेंजर्स को तेज झटके महसूस हुए, जिससे वे घबरा गए। सोशल मीडिया में वायरल VIDEO में पैसेंजर रोते हुए और हाथ जोड़कर प्रार्थना करते दिख रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक लो कास्ट एयरलाइन Fly-91 की फ्लाइट रविवार दोपहर 3 बजे हैदराबाद से रवाना हुई थी। इसे शाम करीब 4:30 बजे हुबली पहुंचना था, लेकिन वहां खराब मौसम के कारण यह लैंड नहीं हो पाई। आखिरकार इसे बेंगलुरु डाइवर्ट किया गया, जहां 6:30 बजे फ्लाइट लैंड हुई।

वीडियो में ‘ओह माईगॉड’ जैसी आवाजें सुनाई देती हैं। एक यात्री कहते सुनाई देता है कि पायलट से कहो बेंगलुरु ले चलें... या बेलगाम ही ले चलो।

वहीं दूसरे लोग एक-दूसरे को दिलासा देते हुए कहते हैं- रो मत, कुछ नहीं होगा।

पायलट को यात्रियों से कहते सुना गया कि हम होल्ड पर हैं, कृपया धैर्य रखें और निर्देशों का पालन करें।

एयरलाइन ने कहा- कोई तकनीकी खराबी नहीं

Fly 91 एयरलाइन ने बताया कि फ्लाइट में कोई तकनीकी खराबी नहीं थी। डायवर्जन केवल खराब मौसम की वजह से किया गया।

एयरलाइन के मुताबिक, हुबली के ऊपर विमान को होल्ड करना और बाद में बेंगलुरु भेजना तय सुरक्षा प्रक्रिया का हिस्सा है। कंपनी ने कहा कि तकनीकी खराबी की खबरें गलत और बेबुनियाद हैं। सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि खराब मौसम के कारण मुंबई से कोल्हापुर जाने वाली एक अन्य फ्लाइट को भी गोवा डायवर्ट करना पड़ा।

संक्षिप्त खबर

सीबीआई ने रिलायंस कम्युनिकेशंस मामले में दो वरिष्ठ अधिकारियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली । केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अनिल डी. अंबानी के नियंत्रण वाली कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड से जुड़े दो वरिष्ठ अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए अधिकारियों के नाम डी. विश्वनाथ और अनिल कालिया बताए गए हैं। यह कार्रवाई बैंक धोखाधड़ी से जुड़े एक मामले की जांच के दौरान की गई है।

सीबीआई के अनुसार, यह मामला भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड और उससे जुड़े अन्य लोगों को बैंक द्वारा बड़ी मात्रा में ऋण सुविधाएं दी गई थीं, लेकिन इनका दुरुपयोग किया गया। आरोप है कि इस कथित धोखाधड़ी के कारण बैंक को लगभग 2929.05 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इसके अलावा, 17 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों को मिलाकर कुल करीब 19,694.33 करोड़ रुपए का नुकसान होने की बात भी सामने आई है।

राजस्थान की रिफाइनरी में लगी आग , स्थगित हुआ पीएम मोदी का उद्घाटन कार्यक्रम

एजेंसी ■ जयपुर

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि एचआरआरएल रिफाइनरी के क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू) के पास आग लगने की घटना के चलते 21 अप्रैल 2026 को होने वाला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रिफाइनरी के उद्घाटन का कार्यक्रम फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। मंत्रालय ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

मंत्रालय ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में कहा कि इस घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है और जरूरी सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। उद्घाटन के लिए नई तारीख जल्द घोषित की जाएगी।

बताया जा रहा है कि सोमवार को राजस्थान के बाड़मेर जिले स्थित पचपदरा रिफाइनरी में अचानक आग लगने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। यह घटना उद्घाटन से ठीक एक दिन पहले हुई, जिससे अधिकारियों में चिंता बढ़ गई, क्योंकि रिफाइनरी कार्यक्रम स्थल से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, आग बुझाने के लिए करीब 20 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। इमरजेंसी टीमों और रिफाइनरी के कर्मचारियों ने मिलकर इनबिल्ट सिस्टम की मदद से आग पर काबू पाया। पुलिस कंट्रोल रूम के अधिकारियों के मुताबिक, लगातार प्रयासों के बाद स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में आ गई।

मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने इस घटना को ‘मामूली’ बताया और कहा कि आग को सफलतापूर्वक बुझा दिया गया है। यह घटना उस समय हुई, जब राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उद्घाटन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए वहां पहुंचने वाले थे।

हालांकि, इस घटना से किसी बड़े नुकसान या बाधा की सूचना नहीं है, लेकिन आग लगने के सही कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और जांच जारी है।

गौरतलब है कि यह रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स भारत की ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक विकास के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

यह परियोजना हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और राजस्थान सरकार के संयुक्त उद्यम के रूप में विकसित की गई है, जिसमें 79,450 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया गया है।

करीब 9 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष क्षमता वाली यह परियोजना देश के सबसे बड़े ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट्स में से एक है। इसे आधुनिक तकनीक से लैस रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल उत्पादन के एकीकृत केंद्र के रूप में विकसित किया गया है।

ऊधमपुर बस हादसे में 21 लोगों की मौत, 61 घायल

केंद्र और राज्य सरकार ने किया मुआवजे का ऐलान

एजेंसी ■ जम्मू

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर बस हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। इसकी पुष्टि केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को की। साथ ही बताया कि जरूरतमंदों को हर संभव मदद दी जा रही है।

केंद्रीय राज्यमंत्री और कठुआ-उधमपुर से लोकसभा के सांसद जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया, ‘अब तक 21 लोगों की मौत हुई है और 61 घायल हैं। घायलों को ऊधमपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज में एयरलिफ्ट किया जा रहा है। मेरी गहरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।

उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को हर संभव सहायता दी जा रही है, और साथ ही बताया , ‘मेरा कार्यालय लगातार संपर्क में है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ‘जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में हुआ सड़क हादसा अत्यंत दुखद है। इस हादसे में अपना जीवन गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। स्थानीय प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में पूरी तत्परता से लगा हुआ है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

दूसरी तरफ, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ‘हालांकि किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता से उधमपुर की दुखद सड़क दुर्घटना में हुई अपूरणीय जानमाल की क्षति की भरपाई नहीं की जा सकती, फिर भी तत्काल राहत के रूप में मुख्यमंत्री राहत कोष से तत्काल सहायता की घोषणा की गई है। प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को 1 लाख रुपए और मामूली रूप से घायलों को 25,000 रुपए दिए जाएंगे।

इसके साथ ही केंद्र सरकार ने बस हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपए और घायलों को 50,000 रुपए की आर्थिक मदद देने की घोषणा की।

यह हादसा सोमवार सुबह जम्मू-कश्मीर के ऊधमपुर जिले में उस वक्त हुआ जब बस रामनगर से ऊधमपुर शहर की ओर आ रही थी। इससे पहले, अतिरिक्त उपायुक्त (ऊधमपुर) प्रेम सिंह ने बताया कि कुछ घायलों को ऊधमपुर शहर के सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य का इलाज रामनगर में चल रहा है।

अधिकारी ने कहा, ‘अभी हमारी प्राथमिकता घायलों को बचाना और उन्हें हर संभव चिकित्सीय सहायता प्रदान करना है।’ अधिकारियों ने बताया कि हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

ईरान से पाकिस्तान में साइन होगी डील: ट्रंप

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान के साथ डील पाकिस्तान में साइन होगी। उन्होंने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि समझौता हो सकता है।

इससे पहले न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने बताया था कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत अमेरिकी डेलिगेशन बातचीत के लिए इस्लामाबाद रवाना हो गया है ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के साथ बातचीत करने जा रहा है और उन्हें उम्मीद है कि इस बार कोई ‘गेम’ नहीं खेला जाएगा। इस बीच पाकिस्तान और ईरान के बीच कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने ईरानी राजदूत रेजा अमीरी मोगदम से मुलाकात की, जिसमें अमेरिका के साथ संभावित वार्ता और क्षेत्रीय तनाव कम करने के मुद्दे पर चर्चा हुई। होर्मुज में बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान में दोनों देशों के बीच दूसरी दौर की बातचीत होगी या नहीं, इसे लेकर सस्पेंस बना हुआ है। ईरान ने कहा कि अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी सीजफायर के समझौते का उल्लंघन है और अमेरिका की धमकी भरी भाषा से हालात और खराब हो रहे हैं।

इन परिस्थितियों में बातचीत की उम्मीद बहुत कम है।

भारत और कोरिया का 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार 50 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने है लक्ष्य : पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की। बैठक के बाद दोनों देशों के नेताओं ने अपना संबोधन दिया। दोनों देशों के बीच एमओयू एक्सचेंज हुए। इसके साथ ही दोनों देशों ने व्यापार, संस्कृति और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और कोरिया का द्विपक्षीय व्यापार आज 27 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। 2030 तक इसे 50 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लिए हमने आज कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए पीएम मोदी ने कहा, ‘राष्ट्रपति ली, दोनों देशों के डेलिगेट्स और मीडिया के साथियों! नमस्कार। पहली भारत यात्रा पर प्रेसिडेंट ली का स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। राष्ट्रपति

ली का जीवन संघर्ष, सेवा और समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है। हर चुनौती में उनके भीतर जन सेवा के संकल्प को और सशक्त किया है। भले ही यह उनकी पहली भारत यात्रा हो लेकिन भारत के प्रति उनकी आत्मीयता हमारी पहली मुलाकात से ही स्पष्ट रही है।

पीएम मोदी ने कहा, ‘आठ वर्ष बाद कोरिया के राष्ट्रपति की भारत यात्रा अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतांत्रिक मूल्य, मार्केट इकोनॉमी और कानून को लेकर सम्मान हम दोनों देशों के डीएनए में है। हिंद प्रशांत क्षेत्र में भी हमारा कॉमन आउटपुट है। इन सबके आधार पर पिछले एक दशक में हमारे संबंध अधिक गतिशील और व्यापक हुए हैं। उनकी यात्रा से हम इस भरोसेमंद साझेदारी को भविष्य की साझेदारी में बदलने जा रहे हैं। हम चिप से लेकर चिप्स, टैलेंट से लेकर तकनीक, पर्यावरण से लेकर ऊर्जा हर क्षेत्र में सहयोग के नए अवसरों को साकार करेंगे और साथ मिलकर दोनों देशों के विकास और समृद्धि सुनिश्चित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ‘भारत और कोरिया का द्विपक्षीय व्यापार आज 27 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। 2030 तक इसे 50 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लिए हमने आज कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

दोनों देशों के बीच फाइनेंशियल फ्लो को सुगम बनाने के लिए हमने भारत-कोरिया फाइनेंशियल फोरम की शुरुआत की है। सहयोग को बल देने के लिए हमने एक इंडस्ट्रियल कॉपरेशन कमेटी का गठन किया है। क्रिटिकल टेक्नोलॉजी और सप्लाई चेन में सहयोग बढ़ाने के लिए इकोनॉमिक सिक्योरिटी डायलॉग शुरू कर रहे हैं।

हम कोरिया की कंपनी खासकर एसएमई की भारत में एंट्री सहज करने के लिए कोरियन इंडस्ट्रियल टाउनशिप भी स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा, ‘अगले एक वर्ष के अंदर हम भारत-कोरिया ट्रेड समझौते को अपग्रेड भी करेंगे। एआई, सेमिकंडक्टर और आईटी में साझेदारी और गहरा करने के लिए हम इंडिया-कोरिया डिजिटल ब्रिज लॉन्च कर रहे हैं।

जेईई मेन रिजल्ट जारी, आरुष सिंघल बने टॉपर, 26 स्टूडेंट्स ने हासिल किया 100 पर्सेंटाइल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जेईई मेन 2026 सेशन 2 रिजल्ट 20 अप्रैल को जारी कर दिया गया है। एनटीए द्वारा नतीजे जारी किये जाने के साथ ही टॉपर्स लिस्ट भी जारी कर दी गई है। चंडीगढ़ के आरुष सिंघल ने देशभर में ऑल इंडिया रैंक हासिल करके टॉप किया है। आपको बता दें कि जेईई मेन सेशन 2 रिजल्ट jeemain.nta.nic.in पर जारी किया गया है। छात्र तुरंत एप्लीकेशन नंबर, पासवर्ड एवं दिया गया कैप्चा कोड दर्ज करके अपना स्कोरकार्ड डाउनलोड कर सकते हैं।

एनटीए द्वारा दोनों सेशन को मिलाकर टॉपर लिस्ट जारी की गई है। कुल 26 स्टूडेंट्स ने 100 पर्सेंटाइल हासिल किया है। पहले सेशन में 12 वहीं दूसरे सेशन में 14 छात्रों ने 100 पर्सेंटाइल हासिल किया है।

केजरीवाल को झटका, जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने आबकारी नीति केस की सुनवाई से हटने की मांग वाली याचिका खारिज की

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा दायर उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कथित दिल्ली आबकारी नीति मामले से संबंधित मामलों की सुनवाई से खुद को अलग करने की मांग की थी।

न्यायमूर्ति शर्मा ने निर्णय सुनाते हुए कहा कि आवेदन की सुनवाई किए बिना खुद को सुनवाई से अलग करना आसान रास्ता होता, लेकिन उन्होंने संस्थागत अखंडता के हित में मामले की योग्यता के आधार पर निर्णय लेना चुना।

उन्होंने कहा कि जब मैंने फैसला लिखना शुरू किया तो न्यायालय में सन्नाटा छा गया। उन्होंने आगे कहा कि उनके समक्ष मुद्दा केवल एक कानूनी प्रश्न नहीं था, बल्कि एक ऐसा मुद्दा था जो न्यायाधीश और संस्था दोनों को 'परीक्षण' पर रखता था।

दिल्ली हाईकोर्ट ने इस बात को दोहराते हुए कहा कि जब तक ठोस सबूतों से खंडन न हो जाए, न्यायाधीश की निष्पक्षता को मान लिया जाता है और किसी वादी की महज आशंका या व्यक्तिगत धारणा के आधार पर न्यायाधीश को मामले से अलग नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि किसी वादी को ऐसी स्थिति उत्पन्न करने की अनुमति नहीं दी जा सकती, जिससे न्यायिक प्रक्रिया का स्तर गिरे। झूठ, चाहे अदालत में या सोशल मीडिया पर, हजार बार दोहराया जाए, सच नहीं बनता।

केजरीवाल द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए न्यायाधीश ने कहा कि पक्षपात के दावों को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है, जिनमें अधिवक्ता परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी या उनके परिवार के सदस्यों की पेशेवर व्यस्तता से संबंधित आरोप भी शामिल हैं।

न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि ये घटनाएं राजनीतिक नहीं थीं। केवल इसलिए कि मुझे व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था, इस आधार पर मुझ पर राजनीतिक पूर्वाग्रह का आरोप नहीं लगाया जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि उनके रिश्तेदारों को सरकारी वकील के रूप में नियुक्त किए जाने और इस मामले के बीच कोई संबंध स्थापित नहीं हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनके पूर्व आदेशों को रद्द किए जाने के आरोपों का जवाब देते हुए न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि उनके निर्णयों के विरुद्ध कोई प्रतिकूल निष्कर्ष दर्ज नहीं किया गया था। मनीष सिसोदिया और संजय सिंह सहित आम आदमी पार्टी के नेताओं से जुड़े मामलों का जिक्र करते हुए न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई राहत उनके मामले की योग्यता पर दिए गए तर्क को रद्द करने के बराबर नहीं है।

केजरीवाल और राघव चड्ढा समेत आम आदमी पार्टी के नेताओं से जुड़े पिछले मामलों का हवाला देते हुए ।

दिल्ली हाईकोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि पहले के चरणों में उनके पक्ष में अंतरिम राहत दी गई थी और उस समय पक्षपात का कोई आरोप नहीं लगाया गया था।

न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि जब कोई आदेश किसी के पक्ष में होता है तो बिना किसी आपत्ति के स्वीकार की गई न्यायिक प्रक्रिया पर उनके विरुद्ध जाने पर आपत्ति नहीं की जा सकती।

न्यायाधीश ने चेतावनी दी कि इस तरह के आधारों पर न्यायाधीश को हटाने से गहरे संवैधानिक परिणाम हो सकते हैं और न्यायपालिका में जनता का विश्वास कम हो सकता है।

सरकार ने 25 लाख टन गेहूं के निर्यात को दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गेहूं के निर्यात के लिए अतिरिक्त 25 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) की मंजूरी दे दी है। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस फैसले का उद्देश्य किसानों को बेहतर दाम दिलाना और देश के बाजार में स्थिरता बनाए रखना है।

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा सोमवार को जारी बयान में कहा गया है कि यह निर्णय उत्पादन, उपलब्ध भंडार और कीमतों के रुझान की विस्तृत समीक्षा के बाद लिया गया है।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा 10 मार्च 2026 को जारी दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, 2025-26 के लिए गेहूं उत्पादन 1,202 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) होने का अनुमान है। बयान में कहा गया है कि अच्छे उत्पादन और पर्याप्त भंडार को देखते हुए अतिरिक्त निर्यात की अनुमति देना उचित समझा गया है।

इससे पहले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने जनवरी 2026 में 5 एलएमटी गेहूं उत्पादों के निर्यात को मंजूरी दी थी। इसके बाद फरवरी 2026 में 5 एलएमटी गेहूं उत्पादों और 25 एलएमटी गेहूं के निर्यात को मंजूरी दी गई थी।

ताजा मंजूरी के साथ अब कुल 50 एलएमटी गेहूं और 10 एलएमटी गेहूं उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी जा चुकी है।

रबी 2026 सीजन में गेहूं की खेती का क्षेत्र बढ़कर लगभग 334.17 लाख हेक्टेयर हो गया है, जो पिछले साल 328.04 लाख हेक्टेयर था। यह बढ़ोतरी किसानों के भरोसे को दर्शाती है, जिसे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और मजबूत खरीद व्यवस्था का समर्थन मिला है।

एनएफआर ने वित्त वर्ष 2025-26 में ट्रैक आधुनिकीकरण और सुरक्षा में नए कीर्तिमान स्थापित किए

गुवाहाटी । पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान ट्रैक आधुनिकीकरण, रखरखाव और सुरक्षा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं और अपने इतिहास में कई नए रिकॉर्ड बनाए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को घोषणा की कि ये उपलब्धियां परिचालन दक्षता, यात्री सुरक्षा और बुनियादी ढांचे की विश्वसनीयता बढ़ाने के प्रति एनएफआर की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

पुर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि 2024-25 की तीसरी तिमाही के दौरान फ्लैश बट वेल्ड के परीक्षण के लिए 'फेज्ड एरे अल्ट्रासोनिक टेस्टिंग' की शुरुआत के साथ एक बड़ा तकनीकी मील का पत्थर हासिल किया गया था। इस पहल को आगे बढ़ाते हुए, 2025-26 के दौरान कुल 53,544 वेल्डों का परीक्षण किया गया, जिससे उन्नत निरीक्षण तकनीकों के माध्यम से ट्रैक सुरक्षा और विश्वसनीयता को काफी मजबूती मिली है।

शर्मा ने कहा कि एनएफआर ने ट्रैक नवीनीकरण में अब तक की सबसे अधिक प्रगति दर्ज की है और 2025-26 के दौरान 457 'कम्पलीट ट्रैक रिन्यूअल' इकाइयों को पूरा किया है। यह पिछले वर्ष की 343.08 इकाइयों की उपलब्धि की तुलना में 33.07 प्रतिशत की वृद्धि है। इसके अतिरिक्त, 449.42 ट्रैक किलोमीटर का रेल नवीनीकरण पूरा किया गया, जो जोन के इतिहास में एक और रिकॉर्ड है। स्लीपर नवीनीकरण भी 465.02 ट्रैक किलोमीटर तक पहुंच गया है, जो 502 के वार्षिक लक्ष्य की दिशा में ठोस प्रगति को दर्शाता है।

ट्रैक संरचना को और मजबूत करने के लिए, वर्ष के दौरान रिकॉर्ड 9.57 लाख घन मीटर गिट्टी (बैलास्ट) की आपूर्ति की गई, जो पिछले वर्ष के 9.01 लाख घन मीटर से 6 प्रतिशत अधिक है। इस सुधार ने ट्रेनों की बेहतर सवारी गुणवत्ता और समग्र ट्रैक स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ट्रैक फिटिंग नवीनीकरण ने भी उम्मीदों को पीछे छोड़ते हुए 205 किमी के लक्ष्य के मुकाबले 299.61 किमी की प्रगति हासिल की, जो लक्ष्य से 46.15 प्रतिशत अधिक है।

इस बीच, 4,312 पॉइंटों की टेंपिंग की गई, जो 4,150 के वार्षिक लक्ष्य से 3.9 प्रतिशत अधिक है, जिससे ट्रेनों का सुचारू संचालन सुनिश्चित हुआ है और रखरखाव की आवश्यकताओं में कमी आई है।

शर्मा के अनुसार, 39 स्टेशनों पर लूप लाइन की गति को 15 किमी प्रति घंटे से बढ़ाकर 30 किमी प्रति घंटा करने से परिचालन दक्षता में और सुधार हुआ है। इसके अतिरिक्त, 258 टर्नआउट्स की डीप स्क्रीनिंग का काम पूरा किया गया, जिसने वार्षिक लक्ष्य को 47.43 प्रतिशत से पीछे छोड़ दिया।

ट्रैक सुरक्षा निगरानी के क्षेत्र में, अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन परीक्षण ने 20,212.61 किमी के विस्तृत क्षेत्र को कवर किया।

मई से बंगाल में सेवा, सुशासन और विकास के नए अध्याय का शुभारंभ होगाः सीएम रेखा गुप्ता

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के प्रचार का भाजपा शासित राज्यों की मुख्यमंत्रियों ने मोर्चा संभाल लिया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सोमवार को भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार करने के लिए कोलकाता पहुंचीं।

एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने रेखा गुप्ता का जोरदार स्वागत किया। मीडिया से बातचीत में रेखा गुप्ता ने कहा कि बंगाल में वाद-विवाद और अराजकता का दौर बहुत जल्द खत्म होने वाला है।

उन्होंने कहा कि बहुत जल्द यहां की जनता बंगाल में नया सवेरा देखेगी। वर्षों से भय के माहौल में जनता जीने को मजबूर थी। बंगाल की जनता दुखी थी। अब जनता के समर्थन और वोट से बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी।

सीएम रेखा गुप्ता ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बंगाल की जनता अब इस कुशासन से मुक्ति चाहती है। बंगाल के विकास और उज्जवल भविष्य के लिए जनता ने टीएमसी के कुशासन और भय को नकार कर भाजपा के भरोसे को चुनने का संकल्प ले लिया है।सीएम रेखा गुप्ता ने एक्स पोस्ट में लिखा कि कोलकाता एयरपोर्ट पर कार्यकर्ता साथियों का उत्साह, ऊर्जा और विश्वास स्पष्ट संकेत दे रहा है कि बंगाल में परिवर्तन तय है, ममता दीदी की विदाई तय है। इस मई से बंगाल में सेवा, सुशासन और विकास के नए अध्याय का शुभारंभ होगा।

दूसरी ओर, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने दावा किया कि इस बार बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

उन्होंने एसआईआर का जिक्र करते हुए कहा कि इस प्रक्रिया का मतलब सिर्फ इतना है कि वोटर लिस्ट को साफ-सुथरा किया जाए। जो लोग गुजर चुके हैं, जिनके नाम दो जगहों पर हैं, उन्हें वोटर लिस्ट से क्यों न हटाया जाए? ऐसे लोग वोट क्यों देंगे?

उन्होंने कहा कि जो लोग बांग्लादेश से आए हैं, वे वोट क्यों देंगे, इसलिए एसआईआर में सभी को सहयोग करना चाहिए।

हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि टीएमसी के गुंडों को अभी जितना हमला करना है, कर सकते हैं। 4 मई की शाम को वे कहां जाएंगे, यह उन्हें भी पता है। इसलिए गुंडों को अभी ही सरेंडर कर देना चाहिए, और इस बार यह तय है कि भाजपा की सरकार ही बनेगी।

तेलंगानाः आवारा कुत्तों के हमले में तीन साल की मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के पेद्दापल्ली जिले में सोमवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां आवारा कुत्तों के झुंड ने एक तीन साल की बच्ची को नोच-नोच कर मार डाला। यह दर्दनाक घटना सुल्तानाबाद मंडल के कतनापल्ली गांव में हुई, जब बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी।

बताया गया है कि आवारा कुत्तों ने अचानक बच्ची पर हमला कर दिया और उसे गर्दन से पकड़कर पास के खेतों में खींच ले गए। स्थानीय निवासी जब तक मौके पर पहुंचते और कुत्तों को भगाते, तब तक मासूम बच्ची ने गंभीर चोटों के कारण दम तोड़ दिया था। मृत बच्ची की पहचान दिव्या बेहरा के रूप में हुई है; उसके माता-पिता ओडिशा के प्रवासी मजदूर हैं और इलाके के एक ईंट भट्ठे में काम करते हैं।

इस घटना के बाद स्थानीय निवासियों और नागरिकों में भारी आक्रोश है। लोगों ने नगर पालिकाओं और संबंधित अधिकारियों से आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरे को नियंत्रित करने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। गौरतलब है कि यह घटना राजन्ना सिरसिला जिले में एक सात साल के लड़के की मौत के एक हफ्ते के भीतर ही हुई है। इससे पहले, 1 अप्रैल को आदित्य नाम का एक बच्चा अपने घर के सामने खेलते समय कुत्तों का शिकार हुआ था। कुत्तों से बचने की कोशिश में वह गिर गया था, जिससे उसके सिर में गंभीर आंतरिक चोट आई और मस्तिष्क में खून का थक्का जम गया। हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान 16 अप्रैल को उसकी मौत हो गई थी।

तेलंगाना में पिछले कुछ वर्षों में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जिन्होंने सार्वजनिक सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जुलाई 2024 में भी हैदराबाद के जवाहर नगर इलाके में एक 18 महीने के बच्चे को आवारा कुत्तों ने घर के बाहर से खींच लिया था और उसे बुरी तरह घायल कर दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी।

इसी तरह, मई 2024 में विकाराबाद जिले के तांडूर शहर में एक पांच महीने के बच्चे की जान उस समय चली गई थी, जब एक आवारा कुत्ता घर के भीतर घुस गया था और सोते हुए मासूम पर हमला कर दिया था। पिछले साल जुलाई में नेरेडमेट इलाके में भी तीसरी कक्षा के छात्र जाधव प्रसाद की कुत्तों के हमले में मौत हो गई थी। लगातार हो रही इन घटनाओं ने राज्य में भय का माहौल पैदा कर दिया है।

सीबीआई के नोटिस पर 1 मई से लगेगा क्यूआर कोड, फर्जी नोटिस और साइबर ठगी रोकने के लिए नया कदम

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने साइबर ठगी और फर्जी नोटिस के मामलों पर रोक लगाने के लिए एक बड़ा कदम उठाने का निर्णय लिया है। 1 मई 2026 से सीबीआई द्वारा जारी किए जाने वाले सभी आधिकारिक नोटिसों पर एक विशेष क्यूआर कोड शामिल किया जाएगा। यह व्यवस्था इसलिए लागू की जा रही है, ताकि लोगों को साइबर अरेस्ट या फर्जी नोटिस के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी से बचाया जा सके।

सीबीआई से जुड़े सूत्रों के अनुसार, हर नोटिस पर एक अलग और यूनिक क्यूआर कोड होगा, जिसे स्कैन करके यह पुष्टि की जा सकेगी कि नोटिस असली है या नहीं। इसके साथ ही यह भी जानकारी मिलेगी कि नोटिस कब तक वैध है। बताया गया है कि जैसे ही नोटिस की वैधता समाप्त होगी, उस नोटिस से जुड़ा क्यूआर कोड अपने आप निष्क्रिय हो जाएगा, जिससे उसका दुरुपयोग नहीं किया जा सकेगा।अधिकारियों का कहना है कि हाल के समय में साइबर अपराधियों द्वारा फर्जी नोटिस और नकली जांच एजेंसियों के नाम पर लोगों को डराकर ठगी करने के मामले तेजी से बढ़े हैं। इसी को देखते हुए यह तकनीकी व्यवस्था लागू करने का फैसला लिया गया है, ताकि आम जनता आसानी से असली और नकली नोटिस के बीच अंतर कर सके।

इसके अलावा, सीबीआई ने यह भी बताया है कि किसी भी तरह की शंका या संदेह होने पर लोग अब सीबीआई के नए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित हेल्पबॉट 'अभय' की मदद ले सकते हैं। इस हेल्पबॉट के जरिए लोग नोटिस पर दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके उसकी सत्यता की जांच कर सकेंगे और तुरंत जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।

सीबीआई का मानना है कि इस नई प्रणाली से न केवल जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि आम नागरिकों का विश्वास भी मजबूत होगा।

गृह मंत्री ने तीन महीने में 73 ड्रग्स अपराधियों को सजा दिलाने के लिए एनसीबी की सराहना की

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को 2026 के पहले तीन महीनों में 73 नशीले पदार्थों के अपराधियों को सजा दिलाने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की प्रशंसा की।

गृह मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि हमारे युवाओं को नशीले पदार्थों के प्रकोप से बचाने के लिए मोदी सरकार नशीले पदार्थों के गिरोहों का निर्मम रूप से सफाया कर रही है और अपराधियों को सजा दिलवा रही है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत एनसीबी ने 2026 के पहले तीन महीनों में 73 मादक पदार्थों के अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाकर सफलता हासिल की है। हम अपनी पूरी ताकत से मादक पदार्थों के रैकेटों के हर कोने को बंद करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने हाल ही में एक बयान में कहा कि एनसीबी द्वारा अंतर-संचालनीय आपराधिक न्याय प्रणाली (आईसीजेएस) के सहयोग से विकसित निदान (एनआईडीएएन) देश भर की सभी मादक पदार्थों से संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा गिरफ्तार किए गए अपराधियों के डेटा को एकीकृत करता है, जिसमें पहचान विवरण, तस्वीरें, उंगलियों के निशान, मामले का विवरण और अदालत से संबंधित जानकारी शामिल है।

उन्होंने कहा कि निदान जांच एजेंसियों को जमानत का विरोध करने, जमानत रद्द करने की मांग करने, आदतन अपराधियों की निगरानी करने और मादक पदार्थों और मनोरोगी पदार्थों की अवैध तस्करी की रोकथाम (पीआईटीएनडीपीएस) अधिनियम, 1988 के तहत प्रस्ताव तैयार करने में सहायता करता है, जिससे समन्वित और सक्रिय प्रवर्तन कार्रवाई को मजबूती मिलती है।

देश में मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क के खिलाफ चल रही लड़ाई का विवरण देते हुए उन्होंने बताया कि सरकार ने फोरेंसिक क्षमताओं के आधुनिकीकरण के लिए एक योजना को मंजूरी दी है, जिसके तहत राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं (एफएसएल) के आधुनिकीकरण/उन्नयन के लिए 420 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मादक पदार्थों पर नियंत्रण के लिए सहायता योजना के तहत पात्र राज्यों को एनडीपीएस पदार्थों की अवैध तस्करी से निपटने के लिए प्रवर्तन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

भाजपा ने महिला आरक्षण बिल पर कांग्रेस को घेरा, सड़क पर उतरीं हजारों महिलाएं

रायपुर। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पास नहीं होने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने राजधानी रायपुर में विशाल 'आक्रोश रैली' निकाली। भाजपा महिला मोर्चा के नेतृत्व में आयोजित इस रैली में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समेत पार्टी के दिग्गज नेता और हजारों की संख्या में महिला कार्यकर्ता शामिल हुईं।

यह रैली छत्तीसगढ़ में महिला वोट बैंक को साधने और आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस को रक्षात्मक स्थिति में लाने की बड़ी राजनीतिक कोशिश है। आगामी चुनावों से पहले 'नारी शक्ति' के अपमान को मुद्दा बनाकर बीजेपी प्रदेश के बड़े वर्ग को अपने पाले में करने की रणनीति पर काम कर रही है।

इंडोर स्टेडियम से निकली हुंकार

राजधानी के इंडोर स्टेडियम से शुरू हुई इस आक्रोश रैली में महिलाओं का जबरदस्त हुजूम देखने को मिला। रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस विरोधी नारे लगाए और महिला आरक्षण बिल के मार्ग में बाधा उत्पन्न करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस दौरान कहा कि बीजेपी महिलाओं को उनका हक देने के लिए प्रतिबद्ध है, जबकि कांग्रेस ने हमेशा उनके अधिकारों का दमन किया है।

दिग्गज नेताओं की मौजूदगी

रैली में प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, और महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने प्रमुखता से शिरकत की। इसके अलावा सांसद रूपकुमार चौधरी, कमलेश जांगड़ें, और लक्ष्मी वर्मा सहित प्रदेश भर से आई महिला मोर्चा की पदाधिकारी मौजूद रहीं। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने एक सुर में कहा कि बिल पास न होने के लिए सीधे तौर पर कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति जिम्मेदार है।

प्रमुख मांग: महिला आरक्षण बिल को बिना बाधा लागू करने और विरोधियों का पर्दाफाश करना।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री अरुण साव सहित पूरी कैबिनेट की सक्रिय भागीदारी।

बीजेपी इस मुद्दे को अब ब्लॉक और पंचायत स्तर तक ले जाने की तैयारी में है। कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे 'परिसीमन' के आरोपों के जवाब में बीजेपी 'महिला विरोधी कांग्रेस' का नैरेटिव सेट करने के लिए प्रदेशव्यापी अभियान चला सकती है।

संपादकीय डेस्क विशेष

महिला आरक्षण पर प्रतिक्रिया

अधूरी उम्मीदें पर लोकतंत्र की परीक्षा

संसद में महिला आरक्षण बिल का पास न होना केवल एक विधायी असफलता नहीं, बल्कि देश की करोड़ो महिलाओं की आकांक्षाओं को ठेस पहुंचाने वाली घटना है। लंबे समय से यह मांग उठती रही है कि राजनीति में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाएं जाएं। ऐसे में यह बिल सदन में पारित न हो सका, तो आम लोगों की प्रतिक्रियाएं स्वभाविक रूप से निराशा, असंतोष, और सवालों से भरी हुई है।

ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक, महिलाओं और युवाओं में इस फैसले को लेकर गहरी मायूसी देखने को मिल रही है। वही कई

महिलाओं का मानना है कि यह केवल एक कानून नहीं था, बल्कि उनके राजनीतिक सशक्तिकरण का माध्यम था। पंचायत और स्थानीय निकायों में आरक्षण के सकारात्मक परिणाम पहले ही सामने आ चुके है, जिससे यह उम्मीद और मजबूत हुई थी कि संसद और विधानसभाओं में भी महिलाओं को समान अवसर मिलेगा।

सामान्य नागरिकों की राय में,इस बिल का पास न होना यह दर्शाता है कि राजनीति इच्छाशक्ति अभी भी कमजोर है। कई लोग इसे राजनीतिक दलों के आपसी मतभेद और स्वार्थ का परिणाम मानते हैं। सोशल मीडिया और जन चर्चाओं में यह सवाल प्रमुखता से उठ रहा है कि जब देश में महिलाओं की संख्या लगभग आधी है, तो उनकी प्रतिनिधित्व भी उसी अनुपात में क्यों नहीं होना चाहिए।

हालांकि कुछ लोगों का यह भी तर्क है कि केवल आरक्षण से ही समस्या का समाधान नहीं होगा । उनका मानना है कि महिलाओं को शिक्षा, आर्थिक स्वंतत्रता, और सामाजिक समर्थन भी उतना ही जरूरी है। लेकिन यह भी सच है कि राजनीतिक मंच में उनकी उपस्थिति बढ़े बिना उनकी आवाज प्रभावी ढंग से नहीं सुनी जा सकती।

इस पूरे घटनाक्रम में लोकतंत्र की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए है। क्या लोकतंत्र में सभी वर्गों को समान अवसर मिल पा रहा है क्या निर्णय लेने वाली सस्थांओं में विविधता और समावेशिता को प्राथमिकता दी जा रही है ये ऐसे प्रश्न है जिनका जवाब केवल सरकार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को मिलकर देना होगा।

महिला आरक्षण बिल का पास न होना एक अस्थायी रूकावट हो सकती है। लेकिन यह मुददा अब और अधिक प्रासंसिग हो गया है। आम लोगों की प्रतिक्रियाएं स्पष्ट संकेत देती है कि समाज इस बदलाव के लिए तैयार है। अब जिम्मेदारी नीति निर्माताओं की है कि वे इस जनभावना को समझें और भविष्य में ठोस कदम उठाएं

अंत में यह कहा जा सकता है कि यह वक्त निराश होने का नहीं, बल्कि एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का है। लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है, जब उसमें हर वर्ग की बराबर भागीदारी सुनिश्चित हो महिला आरक्षण का सपना जरूर अधूरा रह गया है। लेकिन यह संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है। सोमवार को भाजपा की जन आक्रोश रैली एक राजनीतिक पीड़ा हो सकती है। किन्तु परंतु के घेरे में सजे चुनावी शोर को लेकर महिला आरक्षण बिल देखा जा रहा है।

युवा उत्सव के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए विशेष वाहन रथ रवाना

धमतरी । जिले के युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध कराने हेतु 24 एवं 25 अप्रैल को 'युवा उत्सव 2026 - इंटर कॉलेज प्रतियोगिता' का भव्य एवं आकर्षक आयोजन किया जाएगा। यह उत्सव युवाओं के सर्वांगीण विकास, रचनात्मकता और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की उपस्थिति में आज कलेक्ट्रेट परिसर से युवा उत्सव के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए विशेष वाहन रथ रवाना हुआ । इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेन्द्र ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर कल्पना, जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। यह प्रचार वाहन जिले के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों एवं सार्वजनिक स्थलों तक पहुंचकर विद्यार्थियों को आयोजन की जानकारी देगा और उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करेगा।

शहरों में पेयजल आपूर्ति, अवैध प्लॉटिंग और निर्माण पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव सख्त

अगले एक वर्ष में पेयजल समस्याओं के स्थायी समाधान के निर्देश

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज प्रदेश के सभी नगर निगमों और नगर पालिकाओं के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने रायपुर के सिविल लाइन स्थित सर्किट हाउस में दिनभर चली बैठक में शहरों में पेयजल आपूर्ति की समस्याओं, अवैध प्लॉटिंग और अवैध निर्माण पर नाराजगी जाहिर करते हुए इनके निराकरण के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने धमतरी में पेयजल योजना के काम में लेटलतीफी पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कार्यपालन अभियंता को निलंबित करने तथा ठेकेदार पर पेनाल्टी लगाने के निर्देश दिए।

नगर निगमों और नगर पालिकाओं की आज दो अलग-अलग हुई समीक्षा बैठकों में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस., संचालक श्री आर. एक्का और राज्य शहरी विकास अभिकरण (स्डा) के सीईओ श्री शशांक पाण्डेय सहित सभी नगर निगमों के आयुक्त, नगर पालिकाओं के मुख्य नगर पालिका अधिकारी, वरिष्ठ अभियंता एवं नगरीय प्रशासन विभाग के पांचों संभागीय क्षेत्रीय कार्यालयों के संयुक्त संचालक भी बैठक में मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने समीक्षा बैठक में नगर निगमों और नगर पालिकाओं के अधिकारियों को शहरों की जरूरत के मुताबिक कार्ययोजना बनाकर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने निकायों की व्यवस्था और छवि सुधारने सक्रियता व गंभीरता से काम करने को कहा। उन्होंने कहा कि नगर निगम ऐसा काम करें जिससे राज्य की नगर पालिकाएं प्रेरणा ले सकें और नगर पालिका इस तरह से काम करें जिनसे नगर पंचायतें प्रेरित हो सकें। उन्होंने निकायों के अभियंताओं से कहा कि काम की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें नहीं आना चाहिए। सभी निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण हों, इस पर विशेष ध्यान दें।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने पेयजल आपूर्ति की लगातार आ रही शिकायतों पर नाखुशी और नाराजगी जाहिर करते हुए अगले वर्ष तक सभी नगर निगमों में इसके स्थाई समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरों में केवल बजट खर्च करने के उद्देश्य से काम न करें, बल्कि समस्याओं का स्थाई समाधान करें।

कृषि मंत्री नेताम ने ट्रैक्टर चलाकर बीजों की बुआई की

कृषि विश्वविद्यालय में मनाया गया अक्ती तिहार

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में अक्षय तृतीया के अवसर पर ''अक्ती तिहार'' के राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि कृषि विकास एवं कृषक कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने कृषि विश्वविद्यालय प्रक्षेत्र में माटी पूजन, बीज पूजन तथा ठाकुर देवता की पूजा अर्चना कर खेती किसानी के नए कार्यों की शुरूआत की। नेताम ने ट्रैक्टर चलाकर सीड ड्रील से धान बीज का रोपण किया और बाड़ी में सब्जियों के बीजों की बुआई की। कृषि मंत्री ने अच्छी फसल के लिए धरती माता से प्राथना की और गौ माता को चारा भी खिलाया। उन्हांने इस अवसर पर किसानों को उन्नत बीज, खाद एवं कृषि यंत्र भी वितरित किये। अक्ती तिहार का आयोजन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित

समस्त महाविद्यालयों, अनुसंधान प्रक्षेत्रों तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों में भी किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि हमें कृषि में रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम करते हुए जैविक खेती की तरफ बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा रासायनिक उर्वरकों की स्थान पर जैव उर्वरकों एवं जैविक खाद के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है जो मिट्टी और पर्यावरण की सेहत के लिए अधिक सुरक्षित हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य शासन द्वारा रासायनिक उर्वरकों को उपयोग को कम करने के लिए सुनियोजित रणनीति बनाई गई है जिसमें इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय भी तकनीकी सहयोगी के रूप में मदद कर रहा है।

छत्तीसगढ़ में आवश्यक संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता, आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सुदृढ़ : सरकार

रायपुर। वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद छत्तीसगढ़ में पेट्रोलियम उत्पादों रसोई गैस (एलपीजी), पेट्रोल एवं डीजल तथा कृषि उर्वरकों की आपूर्ति पूरी तरह सुचारु और नियंत्रित बनी हुई है। राज्य शासन और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने संयुक्त प्रेस वार्ता में स्पष्ट किया कि प्रदेश में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता को लेकर किसी प्रकार की कमी या संकट की स्थिति नहीं है। प्रेस वार्ता में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक (मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़) श्री अजय कुमार श्रीवास्तव, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की संचालक डॉ. फरीहा आलम सिद्दीकी तथा कृषि एवं कृषि उत्पादन आयुक्त की प्रमुख सचिव श्रीमती शहला निगार ने संयुक्त रूप से जानकारी दी कि राज्य में आपूर्ति तंत्र पूरी तरह सुदृढ़ है और मांग के अनुरूप निरंतर वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 72 हजार एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति की जा रही है, जो सामान्य मांग के अनुरूप है। राज्य में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम की कुल पांच बॉटलिंग इकाइयों में पर्याप्त भंडारण उपलब्ध है। इसके साथ ही 539 वितरकों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। कम खपत वाले उपभोक्ताओं, विद्यार्थियों, प्रवासी श्रमिकों और अस्थायी निवासियों की सुविधा के लिए पांच किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। औद्योगिक क्षेत्रों उरला, सिलतरा, तिफरा, सिरगिट्टी, पाथरपाली और भूपदेवपुर में विशेष शिविरों के माध्यम से इनकी पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। डिजिटल व्यवस्था के विस्तार से वितरण प्रणाली में पारदर्शिता आई है। वर्तमान में लगभग 98 प्रतिशत एलपीजी बुकिंग एसएमएस, इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पॉन्स सिस्टम और मिस्ड कॉल जैसी डिजिटल सेवाओं के माध्यम से हो रही है।

जशपुर में प्लेन क्रैश की खबर निकली अफवाह, प्रशासन ने किया खंडन

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में सोमवार को चार्टर्ड प्लेन क्रैश होने की खबर महज एक अफवाह साबित हुई है। जशपुर कलेक्टर रोहित व्यास ने मौके पर जांच के बाद स्पष्ट किया कि ऐसी किसी भी दुर्घटना नहीं हुई है।

दरअसल, कुछ न्यूज चैनलों और वेब पोर्टल्स पर यह खबर प्रसारित हुई थी कि जशपुर जिले के नारायणपुर की पहाड़ियों में एक चार्टर्ड प्लेन क्रैश हो गया है। इस खबर के सामने आते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया और तत्काल जांच किए गए। सूचना पाकर कलेक्टर रोहित व्यास खुद मौके पर पहुंचे। उनके साथ पुलिस, जिला प्रशासन और वन विभाग की टीम भी मौके पर मौजूद रही। टीम ने पहाड़ी इलाके का कोना-कोना खंगाला, लेकिन कहीं भी प्लेन के मलबे या दुर्घटना के कोई संकेत नहीं मिले।

प्रशासन ने सिर्फ जमीनी स्तर पर ही नहीं, बल्कि ड्रोन के जरिए भी पूरे इलाके की निगरानी की। बावजूद इसके, प्लेन क्रैश जैसी किसी भी घटना का कोई सबूत सामने नहीं आया। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) रायपुर, भुवनेश्वर और रांची से भी संपर्क किया। वहां से भी किसी विमान के लापता

होने या क्रैश होने की कोई जानकारी नहीं मिली। कलेक्टर रोहित व्यास ने आईएएनएस को बताया कि मीडिया के माध्यम से एक प्लेन क्रैश की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन एवं वन विभाग की संयुक्त टीम पहुंच गई। टीम ने पाहाड़ियों का चप्पा-चप्पा छानबीन की। अभी भी छानबीन का कार्य जारी है। ड्रोन के माध्यम से भी पूरे क्षेत्र में निरंतर सर्विलेंस किया जा रहा है। ड्रोन सर्विलेंस और छानबीन में अब तक प्लेन क्रैश जैसी किसी भी घटना का कोई सबूत नहीं मिला है। उन्होंने आगे कहा कि जिला प्रशासन ने एटीसी रायपुर, एटीसी भुवनेश्वर और एटीसी रांची से लगातार संपर्क बनाए रखा है। अभी तक किसी भी प्लेन के मिसिंग होने या प्लेन क्रैश होने की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। न ही किसी प्रकार का कोई एविडेंस उपलब्ध हुआ है।

भूपेश बघेल ने भाजपा को बताया 'लुगरा चोर'

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बीजेपी की 'आक्रोश रैली' पर कड़ा प्रहार करते हुए इसे केंद्र और भाजपा नेतृत्व की सोची-समझी साजिश करार दिया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब तक सच जूता पहनता है, तब तक झूठ पूरी दुनिया की परिक्रमा कर चुका होता है।

यह बयान छत्तीसगढ़ की राजनीति में आने वाले दिनों में और गरमाहट पैदा करेगा, क्योंकि इसमें महिला आरक्षण, परिसीमन और नक्सलवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों पर सीधे सवाल उठाए गए हैं। यह विवाद प्रदेश की महिलाओं और पिछड़ा वर्ग के अधिकारों के इर्द-गिर्द केंद्रित है, जिससे स्थानीय मतदाताओं के बीच नई बहस छिड़ सकती है।

महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन का खेल

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने आरोप लगाया कि जिस महिला आरक्षण विधेयक का श्रेय बीजेपी ले रही है, वह वास्तव में सितंबर 2023 में ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका था। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा संशोधन विधेयक के जरिए बीजेपी परिसीमन का मुद्दा थोपना चाहती है। बघेल के अनुसार, जनगणना और परिसीमन के पीछे SC, ST और OBC वर्ग के आरक्षण और प्रतिनिधित्व के अधिकारों को कमजोर करने की मंशा छिपी हुई है।

तीन में से एक शहरी भारतीय को हो सकता है फैटी लिवर

30 की उम्र से ही चेतावनी संकेत : रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल

रायपुर। शहरी भारत में एक गंभीर लेकिन 'साइलेंट' स्वास्थ्य समस्या तेजी से बढ़ रही है। अनुमान के अनुसार, लगभग हर तीन में से एक शहरी भारतीय फैटी लिवर बीमारी से प्रभावित हो सकता है, वह भी बिना किसी स्पष्ट लक्षण के। विश्व लिवर दिवस के अवसर पर रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि जो बीमारी पहले अधिकतर बुजुर्गों में देखी जाती थी, अब वह 30-50 वर्ष आयु वर्ग में तेजी से सामने आ रही है।

'यह केवल एक मेडिकल समस्या नहीं है, बल्कि बदलती जीवनशैली का परिणाम है। लंबे समय तक बैठकर काम करना, अनियमित खानपान, फास्ट फूड का सेवन, बढ़ता तनाव और शारीरिक गतिविधि की कमी—ये सभी लिवर स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे हैं। खासतौर पर आईटी और कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स में इसके मामले ज्यादा देखे जा रहे हैं, और डायबिटीज, मोटापा व हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों में जोखिम अधिक है, '

-डॉ. संदीप पांडे, सीनियर गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट एवं विभागाध्यक्ष, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल।

लिवर बीमारी की सबसे बड़ी चिंता इसकी 'साइलेंट' प्रकृति है।

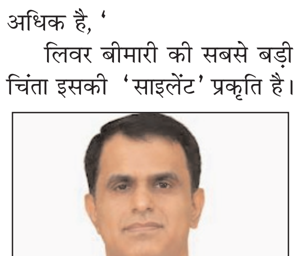

-डॉ. ललित निहाल, सीनियर कंसल्टेंट हेपेटोलॉजिस्ट।

शुरुआती चरण में कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते और अक्सर यह बीमारी रूटीन जांच के दौरान ही सामने आती है। कई मरीज मामूली शिकायत लेकर आते हैं और जांच में गंभीर लिवर समस्या सामने आती है। वहीं कुछ लोग तब इलाज के लिए आते हैं जब बीमारी सिरोसिस या लिवर फेलियर तक पहुंच चुकी होती है, जिससे इलाज जटिल और महंगा हो जाता है,

'लिवर की बीमारियां अक्सर बिना लक्षण के बढ़ती हैं और एडवांस स्टेज में ही सामने आती हैं। इसलिए समय रहते जांच कराना बेहद जरूरी है। केवल लिवर फंक्शन टेस्ट पर्याप्त नहीं है। लोगों को व्यापक जांच करवानी चाहिए, जिसमें ब्लड टेस्ट, अल्ट्रासाउंड और जरूरत पड़ने पर फाइब्रोस्कैन शामिल है, जो लिवर में फैट और कठोरता का आकलन करता है। समय पर पहचान और उपचार से बेहतर परिणाम मिल सकते हैं, जबकि देरी गंभीर जटिलताओं और यहां तक कि लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत तक ले जा सकती है।'

इस चुनौती से निपटने के लिए रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल्स ने गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, हेपेटोलॉजी, क्रिटिकल केयर और ट्रांसप्लांट सेवाओं को जोड़ते हुए मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच अपनाई है, जिससे समय रहते पहचान और उपचार संभव हो सके।

डॉक्टरों का सुझाव है कि 30 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को, विशेष रूप से जिनकी जीवनशैली बैठकर काम करने वाली है या जिन्हें डायबिटीज है, उन्हें हर साल लिवर की जांच करवानी चाहिए। थकान, भूख कम लगना, वजन बढ़ना और पेट के आसपास चर्बी बढ़ना जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। साथ ही, बिना डॉक्टर की सलाह के दवाइयों और सप्लीमेंट्स के सेवन से बचने की भी सलाह दी गई है।

'लिवर की बीमारी भले ही साइलेंट हो, लेकिन इसे नजरअंदाज करना जानलेवा साबित हो सकता है। समय पर जांच ही सबसे बेहतर बचाव ।

फ्रीबीज पर रोक की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की, कहा- मामला पहले से लंबित

नई दिल्ली। चुनाव से पहले राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त सुविधाओं यानी 'फ्रीबीज' के वादों पर रोक लगाने की मांग वाली एक याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने साफ कहा कि इस मुद्दे से जुड़ी अन्य याचिकाएं पहले से ही उसके पास लंबित हैं, इसलिए वह इस नई याचिका पर अलग से सुनवाई नहीं करेगा।

यह याचिका इस आधार पर दायर की गई थी कि चुनाव से पहले राजनीतिक दलों द्वारा सरकारी धन का इस्तेमाल कर मुफ्त सुविधाएं देने का वादा करना उचित नहीं है और इसे भ्रष्ट आचरण माना जाना चाहिए। याचिकाकर्ता का कहना था कि इस तरह के वादे मतदाताओं को प्रभावित करते हैं और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करते हैं।याचिका में यह भी मांग की गई थी कि चुनाव आयोग को निर्देश दिया जाए कि वह राजनीतिक दलों द्वारा किए जाने वाले ऐसे वादों पर सख्ती से रोक लगाए। साथ ही, जो दल इन नियमों का उल्लंघन करें, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसके अलावा, याचिका में यह सुझाव भी दिया गया था कि राजनीतिक दल अपने चुनावी घोषणापत्र के साथ यह स्पष्ट करें कि वे जिन मुफ्त योजनाओं का वादा कर रहे हैं, उनके लिए पैसा कहां से आएगा।

एक अन्य अहम मांग यह थी कि इन घोषणाओं का ऑडिट भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) से कराया जाए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग न हो और वित्तीय पारदर्शिता बनी रहे। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा कि चूंकि इसी विषय से जुड़े मामले पहले से अदालत में लंबित हैं, इसलिए इस पर अलग से सुनवाई करना उचित नहीं होगा। कोर्ट के इस फैसले के बाद अब यह साफ है कि 'फ्रीबीज' के मुद्दे पर आगे की सुनवाई पहले से लंबित याचिकाओं के आधार पर ही होगी।

वैश्विक संकट के बीच एलपीजी बुकिंग 99 प्रतिशत पहुंची, अब तक 4.93 लाख से ज्यादा पीएनजी कनेक्शन सक्रिय: सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण एलपीजी सप्लाई प्रभावित हो रही है, लेकिन घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा रही है। उद्योग स्तर पर ऑनलाइन एलपीजी सिलेंडर बुकिंग बढ़कर 99 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) ने एक बयान में कहा कि डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) के जरिए होने वाली डिलीवरी करीब 92 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिससे गैस की गलत दिशा में सप्लाई (डायवर्जन) को रोकने में मदद मिल रही है। यह कोड उपभोक्ताओं के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर भेजा जाता है। मंत्रालय ने बताया कि कई एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स ने रविवार को भी काम किया, ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर मिल सके। कमर्शियल एलपीजी की कुल सप्लाई को बढ़ाकर संकट से पहले के स्तर के लगभग 70 प्रतिशत तक पहुंचा दिया गया है, जिसमें 10 प्रतिशत सुधार से जुड़ी अतिरिक्त सप्लाई भी शामिल है। 23 मार्च 2026 से अब तक 5 किलो के फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडरों की बिक्री 18.45 लाख से ज्यादा हो चुकी है, जो बढ़ती मांग को दर्शाता है। सरकार ने बताया कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के कार्यकारी निदेशकों की तीन सदस्यीय समिति राज्यों और उद्योग संगठनों के साथ मिलकर एलपीजी सप्लाई की योजना बना रही है।

वैश्विक मंच पर चमका उत्तर प्रदेश का नाम, हर घर रोशनी की योगी सरकार की नीति को मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता

लखनऊ। नासा द्वारा जारी वर्ल्ड नाइट मैप में उत्तर प्रदेश का दुनिया के सबसे अधिक रोशन क्षेत्रों में प्रमुखता से उभरना प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बनकर सामने आया है। यह केवल रोशनी का दृश्यात्मक आंकलन नहीं, बल्कि योगी सरकार के 'सबको बिजली, पर्याप्त बिजली और गुणवत्तापूर्ण बिजली' के संकल्प की वैश्विक पुष्टि है। दरअसल, नासा ने सैटेलाइट तस्वीरों पर आधारित एक नया ग्लोबल मैप जारी किया है, जिसमें दिखाया गया है कि 2014 से 2022 के बीच पृथ्वी पर रात की रोशनी में कैसे बदलाव आया है? वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की तस्वीर बनाने के लिए नौ सालों तक हर रात जमा की गई 16 लाख सैटेलाइट तस्वीरों का विश्लेषण किया। नतीजों से पता चला कि शहरी विकास के कारण उत्तरी भारत में, खासकर उत्तर प्रदेश और बिहार में, रात की रोशनी का स्तर बढ़ गया है।

बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश ने ऊर्जा क्षेत्र में बीते वर्षों में जो संरचनात्मक बदलाव किए हैं, उनका प्रभाव अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी दिखाई दे रहा है।

गांव से शहर तक निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने नीति, प्रबंधन और तकनीक के स्तर पर व्यापक सुधार किए हैं। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के मार्गदर्शन में प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को नई दिशा मिली है। उत्पादन क्षमता में रिकॉर्ड वृद्धि के साथ-साथ ऊर्जा के विविध स्रोतों को मजबूत किया गया है, जिससे बढ़ती मांग को संतुलित तरीके से पूरा किया जा रहा है। प्रदेश में विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में तेजी से प्रगति हुई है।

नई दिल्ली : आदर्श नगर में पति-पत्नी पर चाकू से हमला, एक की मौत, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के आदर्श नगर थाना क्षेत्र में रविवार रात एक दर्दनाक वारदात हुई, जिसमें झगड़े के दौरान एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अब तक की जांच में सामने आया है कि हमलावर और पीड़ित पहले से एक-दूसरे को जानते थे।

पुलिस के अनुसार, रात करीब 9:01 बजे टीपीटी सेंटर झुग्गी, रेलवे ट्रैक, आजादपुर के पास चाकूबाजी की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां एक व्यक्ति घायल अवस्था में मिला। घायल को तुरंत बीजेआरएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटनास्थल पर एक महिला गंभीर रूप से घायल हालत में मिली, जिसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान राखी (आशु की पत्नी) के रूप में हुई है, जबकि घायल व्यक्ति का नाम आशु बताया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पीड़ित और आरोपी एक-दूसरे को पहले से जानते थे। बताया गया कि विवाद तब शुरू हुआ जब तीन स्थानीय लड़कों ने पीड़ित के बेटे का मोबाइल फोन छीन लिया। जब आशु और उनकी पत्नी राखी ने इसका विरोध किया, तो बहस बढ़कर हिंसक झगड़े में बदल गई।

इसी दौरान दो आरोपियों ने चाकू से दोनों पर हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान ऋतिक, कुणाल और अरबाज के रूप में हुई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की गई हैं और संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी का कहर, आंधी-तूफान की संभावना; एक किसान की मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी का असर लगातार बना हुआ है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, राज्य के कई जिलों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है और लोग गर्मी से बेहाल हैं।

भोपाल स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस नौगांव (छतरपुर) में दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 19.4 डिग्री सेल्सियस मंदसौर में रिकॉर्ड हुआ।

रतलाम, छिंदवाड़ा, मंडला, मलांजखंड और नौगांव में लू की स्थिति बनी रही, जबकि भोपाल, छिंदवाड़ा, मंडला और नर्मदापुरम में गर्म रातें दर्ज की गईं।

इसी बीच बैतूल जिले के भीमपुर ब्लॉक में एक किसान की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, घोड़ीडा गांव के पास टिटवी ग्राम पंचायत क्षेत्र में रविवार शाम यह घटना हुई, जब किसान कुंवरसिंह अपने खेत में काम कर रहा था। अचानक मौसम बदला और तेज गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हुई, इसी दौरान वह बिजली की चपेट में आ गया।

पिछले 24 घंटों के दौरान इंदौर संभाग के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई, जबकि बाकी राज्य में मौसम शुष्क रहा।

भोपाल, उज्जैन और चंबल संभाग में अधिकतम तापमान सामान्य से 2.5 से 2.8 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा, जबकि ग्वालियर, रीवा, जबलपुर, शहडोल और सागर संभाग में यह 3.4 से 3.8 डिग्री तक ज्यादा दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी देखी गई है। भोपाल, जबलपुर और शहडोल संभाग में यह सामान्य से 2.4 से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा।

आईएमडी ने भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, खंडवा, इंदौर और जबलपुर सहित कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश, 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं और ओलावृष्टि की संभावना जताई है।

किसानों को सलाह दी गई है कि वे फसलों, फल और सब्जियों को ओलावृष्टि और तेज हवाओं से बचाने के लिए आवश्यक सावधानी बरतें। लोगों को भी चेतावनी दी गई है कि आंधी-तूफान के दौरान घर के अंदर रहें, पेड़ों के नीचे खड़े न हों और बिजली के उपकरणों को अनप्लग रखें। आईएमडी के अनुसार, अगले दो दिनों तक तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, लेकिन इसके बाद 2-3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। 23 अप्रैल से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है, जिसका असर उत्तर भारत के मौसम पर भी पड़ सकता है। भोपाल और आसपास के क्षेत्रों में आंशिक बादल छाए रहने, हल्की बारिश और 10-12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है। दिन का तापमान करीब 39 डिग्री और रात का तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

आईएमडी ने लोगों को पर्याप्त पानी पीने, दोपहर के समय धूप में बाहर निकलने से बचने और बच्चों, बुजुर्गों व पशुओं का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी है।

इजरायल वार्ता के लिए लेबनान ने पूर्व राजदूत को सौंपी कमान

बेरूत। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने इजरायल के साथ संभावित वार्ता के लिए एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल गठित किया है, जिसकी अगुवाई अमेरिका में पूर्व राजदूत साइमन करम करेंगे।

राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि वार्ता का उद्देश्य 'शत्रुता को समाप्त करना, कब्जे का अंत करना और सेना को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सीमाओं तक तैनात करना' है। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर कराने और वार्ता शुरू कराने में हस्तक्षेप किया है।

बयान में यह भी स्पष्ट किया गया कि ये बातचीत किसी अन्य वार्ता प्रक्रिया से अलग होगी। राष्ट्रपति आउन ने कहा, 'हमारे पास दो ही विकल्प हैं—या तो युद्ध जारी रखें या स्थिरता स्थापित करने के लिए बातचीत का रास्ता अपनाएं।' इस बीच, राष्ट्रपति ने लेबनान में अमेरिकी राजदूत मिशल इसा से मुलाकात कर संघर्षविराम बनाए रखने के उपायों पर चर्चा की। आउन ने ये भी कहा कि इजरायल के साथ चल रही वार्ता को ईरान संघर्ष से अलग रखा जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश के सामने दो ही विकल्प हैं या तो जंग जारी रहे या संवाद के जरिए इसे खत्म कर स्थायी समाधान हासिल किया जाए। बता दें कि पिछले हफ्ते वॉशिंगटन में लेबनान और इजरायल के राजदूतों की मुलाकात हुई, जो 40 साल से ज्यादा समय में पहली द्विपक्षीय बैठक है। इससे वार्ता प्रक्रिया को नई दिशा मिली है। राष्ट्रपति के मुताबिक, इस हफ्ते वार्ता आगे बढ़ सकती है, हालांकि तारीख को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं हुआ है। लेबनानी मीडिया के अनुसार, पहले चरण में राजदूत स्तर पर बातचीत होगी और दूसरे चरण में साइमन कराम के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल इसे आगे बढ़ाएगा। इजरायल और लेबनान के बीच पिछले गुरुवार से 10 दिनों का संघर्षविराम लागू है, जिसे क्षेत्र में तनाव कम करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

4 मई से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़ेंगे जोश इंग्लिस

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जोश इंग्लिस के 4 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से जुड़ने की उम्मीद है। इंग्लिस ने 18 अप्रैल को अपनी शादी प्लान की थी, जिससे पहले वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का हिस्सा नहीं थे। भारत आने से पहले वह कुछ और हफ्ते खेल से दूर रहेंगे।

जोश इंग्लिस ने साल 2025 में पंजाब किंग्स की ओर से 11 मुकाबले खेले थे, जिसमें 162.57 के स्ट्राइक रेट से 278 रन बनाए। इस दौरान उनके नाम एक अर्धशतक भी रहा, लेकिन 2026 की नीलामी से पहले टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया। इसके बाद लखनऊ सुपर जायंट्स ने इंग्लिस को 8.6 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा, लेकिन वह इस सीजन के शुरुआती बड़े हिस्से से बाहर रहे हैं।

आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स 6 में से 4 मैच गंवा बैठी है। यह टीम फिलहाल प्वाइंट्स टेबल में 8वें स्थान पर है। अगर इंग्लिस 4 मई से टीम के लिए उपलब्ध रहते हैं, तो वह लीग स्टेज के अंतिम 6 मुकाबले खेल सकते हैं। इस बीच टीम मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स के खिलाफ 1-1 मैच खेलेगी, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स के विरुद्ध उसके 2 मुकाबले होंगे। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वे अपनी टीम कॉम्बिनेशन में कैसे बदलाव करते हैं।

फिलहाल लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम में मिचेल मार्श, एडेन मार्करम और निकोलस पूरन खेल रहे हैं। यह फ्रेंचाइजी हमेशा चौथे विदेशी खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं करती। साउथ अफ्रीकी स्पिनर जॉर्ज लिंडे पिछले तीन में से दो मैच खेले हैं। वहीं, खराब फॉर्म से जूझ रहे पूरन 6 पारियों में सिर्फ 51 रन जुटा सके हैं।

इस बीच तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्त्जे बीते हफ्ते एलएसजी के कैंप को छोड़ चुके हैं, जिन्होंने इस सीजन सिर्फ 1 ही मैच खेला था। उस मुकाबले में नॉर्त्जे 4 ओवरों में 39 रन देकर कोई विकेट हासिल नहीं कर सके थे।

अब महीने में दो बार वेतन, नेपाल में सरकारी कर्मचारियों के लिए जल्द लागू होगा नया नियम

काठमांडू। नेपाल में सरकारी कर्मचारियों को अब हर 15 दिनों में सैलरी मिलेगी, जिससे महीने में एक बार वेतन मिलने की पुरानी परंपरा टूट जाएगी।

17 अप्रैल को वित्त मंत्री स्तर पर लिए गए फैसले के मुताबिक, सरकारी कर्मचारियों को अब पखवाड़े में (महीने में दो बार) वेतन दिया जाएगा। इस फैसले को लागू करने के लिए संबंधित सरकारी दफ्तरों के नाम पर एक सर्कुलर भी जारी कर दिया गया है।

दुनिया के ज्यादातर देशों में ऐसा सिस्टम नहीं है। सरकारी कर्मचारियों को आमतौर पर महीने में एक बार ही सैलरी मिलती है। दक्षिण एशिया, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, श्रीलंका और मालदीव जैसे देशों में यही व्यवस्था है। नेपाल सरकार के अधिकारियों का कहना है कि यह फैसला अर्थव्यवस्था को थोड़ा गति देने के लिए लिया गया है। उनका मानना है कि अगर कर्मचारियों के हाथ में ज्यादा बार पैसा आएगा, तो खर्च भी बढ़ेगा और इससे बाजार में पैसों का प्रवाह बना रहेगा। अभी यह साफ नहीं है कि इस फैसले को कब से लागू किया जाएगा।फाइनेंशियल कंट्रोलर जनरल ऑफिस (एफसीजीओ) के प्रवक्ता दीपक लामिछाने ने कहा, 'तकनीकी तौर पर हमारे लिए इसे लागू करने में कोई दिक्कत नहीं है। हम सिविल सर्विस, नेपाल आर्मी, पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल और बाकी सरकारी कर्मचारियों को कभी भी सैलरी जारी कर सकते हैं।' हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि इसे लागू करने के लिए कानून में बदलाव की जरूरत पड़ सकती है, क्योंकि नेपाल के सिविल सर्विस एक्ट में सैलरी हर महीने देने का प्रावधान है। कानून की धारा 28 के अनुसार, हर सरकारी कर्मचारी को हर महीने के अंत में वेतन और भत्ते दिए जाते हैं। लामिछाने ने कहा, 'शायद इस फैसले को जल्दी लागू करने के लिए कोई रास्ता निकाला जा सकता है।' फिलहाल संसद सत्र नहीं चल रहा है, इसलिए सरकार अध्यादेश लाकर इस फैसले को तुरंत लागू कर सकती है। उन्होंने आगे कहा कि हम इस फैसले को लागू करने के तरीके पर चर्चा कर रहे हैं।

त्रिशूर में दर्दनाक हादसा : सांप के काटने से बच्चे की मौत, घर में फिर दिखा दूसरा सांप

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर जिले में एक बेहद दुखद और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। सांप के काटने से आठ साल के बच्चे अल्जो की मौत के कुछ ही घंटों बाद उसके घर में एक और सांप दिखाई दिया, जिससे परिवार और आसपास के लोगों में दहशत फैल गई।

जानकारी के मुताबिक, रविवार तड़के उमस भरी गर्मी के कारण परिवार के लोग खिड़कियां खुली रखकर सो रहे थे। इसी दौरान एक सांप घर में घुस आया और अल्जो को काट लिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी बच्चे की मौत का कारण सांप का काटना ही बताया गया। अल्जो के बड़े भाई अनोश को भी उसी दौरान सांप ने काट लिया था, जो अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। इस घटना से परिवार पहले ही गहरे सदमे में था। इसी बीच सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद जब बच्चे का शव घर लाया गया, उसी दौरान घर के परिसर में एक अन्य सांप दिखने से हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत सांप को वहां से हटा दिया, लेकिन इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। घर में और कितने सांप हो सकते हैं और वे कहां छिपे हो सकते हैं? यह घर कोडाशेरीमाला की तलहटी में स्थित है, जो रबर के बागानों और जंगलों के पास का इलाका है।

यहां सांपों का दिखना आम बात है, लेकिन घर के अंदर इस तरह की जानलेवा घटना पहले कभी सामने नहीं आई थी। पड़ोसियों के अनुसार, अल्जो बेहद चंचल और मिलनसार बच्चा था। एक पड़ोसी ने बताया कि वह घटना से एक दिन पहले ही उनके घर आया था और अगले दिन फिर आने की बात कहकर गया था।

संपादकीय

भारतीय जहाजों पर फायरिंग के मायने ?

महेन्द्र तिवारी

होर्मुज जलडमरूमध्य की भौगोलिक स्थिति इसे वैश्विक राजनीति के केंद्र में खड़ा करती है और 18 अप्रैल 2026 की घटना ने इस तथ्य को एक बार फिर निर्विवाद रूप से प्रमाणित कर दिया है। उस दिन की सुबह जब भारत के ध्वज वाले दो व्यापारिक पोतों पर ईरानी गनबोट्स द्वारा गोलाबारी की गई, तो यह केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि एक विशाल अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक संकट का संकेत था। इस घटना के पीछे के सत्य को समझने के लिए हमें उस समय की जटिल भू-राजनीतिक परिस्थितियों और समुद्री व्यापार के महत्त्व को गहराई से देखना होगा। होर्मुज जलडमरूमध्य एक ऐसा संकरा समुद्री मार्ग है जहां से विश्व की लगभग 20 प्रतिशत तेल और प्राकृतिक ईंधन की आपूर्ति होती है। भारत जैसे विकासशील राष्ट्र के लिए, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए 90 प्रतिशत तक आयात पर निर्भर है, इस मार्ग की सुरक्षा सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हुई है। 18 अप्रैल को जब भारतीय तेलवाहक पोत लगभग 20 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर इस मार्ग से गुजर रहे थे, तब अचानक हुई फायरिंग ने वैश्विक बाजारों में हलचल मचा दी। यद्यपि इस हमले में किसी भी नाविक की जान नहीं गई और न ही पोत को कोई स्थायी क्षति पहुँची, परंतु इसके रणनीतिक परिणाम अत्यंत गंभीर थे। जहाजों के चालक दल ने जैसे ही आपातकालीन संकेत भेजे, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पोतों का मार्ग बदलना पड़ा और उन्हें सुरक्षित जलक्षेत्र की ओर वापस लौटना पड़ा। इस घटना का समय अत्यंत संवेदनशील था क्योंकि अप्रैल 2026 में ही अमेरिका ने ईरान के विरुद्ध कड़ा समुद्री प्रतिबंध और नाकाबंदी लागू की थी। इस वैश्विक दबाव के प्रत्युत्तर में ईरान ने घोषणा की थी कि यदि उसके आर्थिक हितों को अवरुद्ध किया गया, तो वह इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को किसी के लिए भी सुरक्षित नहीं रहने देगा। इसी पृष्ठभूमि में भारतीय पोतों को लक्ष्य बनाना एक प्रकार का रणनीतिक संदेश था जो न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक चेतावनी के समान था। इस घटना की जड़ें मार्च 2026 से चली आ रही अस्थिरता में भी निहित हैं। उस महीने के दौरान भी कई अंतरराष्ट्रीय जहाजों पर मानवरहित विमानों और प्रक्षेपास्त्रों से हमले हुए थे, जिसमें दुर्भाग्यवश कुछ भारतीय नाविकों को अपने प्राण गंवाने पड़े थे। उन घटनाओं के बाद से ही समुद्री बीमा कंपनियों ने इस क्षेत्र को उच्च जोखिम वाला क्षेत्र घोषित कर दिया था, जिससे माल ढुलाई की लागत में भारी वृद्धि हुई थी। 18 अप्रैल की फायरिंग ने इस असुरक्षा को और अधिक गहरा कर दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस पर अत्यंत तीव्र और स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। नई दिल्ली में ईरान के राजदूत को तुरंत तलब किया गया और उन्हें भारत की गहरी चिंता से अवगत कराया गया। भारत के विदेश सचिव ने अपने आधिकारिक वक्तव्य में बिना किसी संकोच के यह स्पष्ट किया कि भारतीय नाविकों और व्यापारिक हितों की सुरक्षा पर कोई भी समझौता संभव नहीं है। भारत का यह कड़ा रुख इस बात का प्रमाण था कि अब वह वैश्विक स्तर पर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सैन्य और कूटनीतिक दोनों मोर्चों पर सक्रिय है। इस संकट के दौरान भारतीय नौसेना ने अपनी तत्परता का प्रदर्शन करते हुए ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा को और अधिक विस्तारित किया। इस अभियान के अंतर्गत भारतीय युद्धपोतों को व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया ताकि वे बिना किसी भय के इस खतरनाक मार्ग को पार कर सकें। यह न केवल भारतीय जहाजों को सुरक्षा प्रदान करने की रणनीति थी, बल्कि विश्व समुदाय को यह दिखाने का प्रयास भी था कि भारत अपनी समुद्री सीमाओं और व्यापारिक मार्गों की रक्षा करने में पूर्णत: सक्षम है। ईरान के दृष्टिकोण का विश्लेषण करना भी यहाँ आवश्यक हो जाता है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स, जो इस क्षेत्र में अत्यधिक सक्रिय है, ने इस मार्ग पर अपना कड़ा नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया है। कुछ गोपनीय विवरणों से यह भी संकेत मिले कि ईरान के भीतर प्रशासनिक और सैन्य नेतृत्व के मध्य इस विषय पर मतभेद थे कि इस जलमार्ग का उपयोग किस सीमा तक एक हथियार के रूप में किया जाना चाहिए। एक पक्ष जहां इसे कूटनीतिक सौदेबाजी का साधन मानता था, वहीं दूसरा पक्ष इसे पूर्णत: अवरुद्ध करने के पक्ष में था। इन आंतरिक विरोधाभासों ने स्थिति को और अधिक अनिश्चित बना दिया था। इस अनिश्चितता का प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा। अप्रैल 2026 के उन दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में अभूतपूर्व उछाल देखा गया, जिससे विश्व भर के शेयर बाजारों में अस्थिरता व्याप्त हो गई। भारत के लिए यह स्थिति दोहरी चुनौती थी: एक ओर ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना और दूसरी ओर ईरान के साथ अपने पारंपरिक मित्रवत संबंधों को बचाए रखना। भारत ने अपनी कूटनीति का परिचय देते हुए संतुलन बनाए रखा। उसने जहां फायरिंग की निंदा की, वहीं संवाद के द्वार भी खुले रखे। इसके परिणामस्वरूप ईरान ने भी बाद में नरम रुख अपनाते हुए भारत के साथ संबंधों की महत्ता को स्वीकार किया और वार्ता के माध्यम से समाधान निकालने पर सहमति व्यक्त की। यह संपूर्ण घटनाक्रम इस सत्य को उजागर करता है कि भविष्य में समुद्री मार्ग ही शक्ति प्रदर्शन के मुख्य केंद्र होंगे। अब युद्ध केवल भूमि तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि आर्थिक नाकाबंदी और व्यापारिक मार्गों पर नियंत्रण आधुनिक युद्धनीति के प्रमुख अंग बन चुके हैं।

पर्यावरणीय गिरावट से खाद्य असुरक्षा तक: परागणकर्ताओं की कमी के पाकिस्तान की कृषि पर दीर्घकालिक प्रभाव

लेखिका: जोना मुमताज़

संकट हमेशा अचानक या स्पष्ट रूप से सामने नहीं आता। कुछ धीरे-धीरे, बिना ध्यान दिए, विकसित होते हैं और उनके परिणाम तब सामने आते हैं जब उन्हें नजरअंदाज करना असंभव हो जाता है। पाकिस्तान में परागणकर्ताओं की धीरे-धीरे हो रही कमी ऐसा ही एक संकट है। यह दिखने में नाटकीय नहीं है और न ही नीति-निर्माण के स्तर पर व्यापक चर्चा का विषय है, फिर भी यह पारिस्थितिकी, कृषि और खाद्य सुरक्षा के संगम पर स्थित एक गंभीर मुद्दा है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

परागणकर्ता—विशेष रूप से मधुमक्खियाँ, तितलियाँ और अन्य कीट—प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र और कृषि उत्पादन दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। फलों, सब्जियों और तिलहन फसलों का एक बड़ा हिस्सा परागण पर निर्भर करता है, जो उनकी पैदावार और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। जब यह पारिस्थितिक सेवा कमजोर पड़ती है, तो इसके प्रभाव सीधे दिखाई देते हैं—जैसे कम उत्पादन, बढ़ती लागत और पहले से दबाव में चल रही कृषि प्रणाली पर अतिरिक्त बोझ।

गिरावट के कारण

परागणकर्ताओं की कमी के कारण न तो अलग-थलग हैं और न ही आकस्मिक। यह आवास (हैबिटैट) के नुकसान, कीटनाशकों पर निर्भरता, एकल फसल (मोनोकल्चर) खेती और जलवायु परिवर्तन जैसे कई कारकों का परिणाम है। कृषि भूमि के विस्तार और शहरी विकास ने उन प्राकृतिक फूलों वाले क्षेत्रों को लगातार कम किया है, जो परागणकर्ताओं के लिए आवश्यक होते हैं। कई क्षेत्रों में विविध वनस्पति की जगह एक जैसी फसलों ने ले ली है, जिससे पूरे साल परागणकर्ताओं के लिए

भोजन के स्रोत सीमित हो गए हैं।

सबसे महत्वपूर्ण दबावों में से एक रासायनिक कीटनाशकों का व्यापक उपयोग है। हालांकि इनका उद्देश्य फसलों को नुकसान पहुँचाने वाले कीटों को नियंत्रित करना होता है, लेकिन इनके व्यापक पारिस्थितिक प्रभाव को अक्सर कम आंका जाता है। कुछ कीटनाशकों के संपर्क से परागणकर्ताओं की दिशा-निर्धारण क्षमता, प्रजनन और जीवनकाल प्रभावित होते हैं। गहन खेती वाले क्षेत्रों में बार-बार संपर्क इन प्रभावों को बढ़ाता है, जिससे धीरे-धीरे उनकी संख्या कम होती जाती है। यह अचानक गिरावट नहीं, बल्कि पारिस्थितिक संतुलन का धीमा क्षरण है।

जलवायु परिवर्तन इस समस्या को और जटिल बनाता है। तापमान और वर्षा के पैटर्न में बदलाव फूल आने के समय को प्रभावित करते हैं, जिससे पौधों और परागणकर्ताओं के बीच तालमेल बिगड़ जाता है। कई जगह पौधे पहले या बाद में फूलते हैं, जबकि परागणकर्ताओं का जीवन चक्र वैसा ही रहता है। इस समय-असंतुलन के कारण प्रभावी परागण कम हो जाता है, भले ही दोनों मौजूद हों। समय के साथ यह स्थिति कृषि उत्पादन में ठोस गिरावट का कारण बनती है।

खाद्य सुरक्षा पर प्रभाव

परागणकर्ताओं की कमी के प्रभाव केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह सीधे कृषि उत्पादन को प्रभावित करते हैं, खासकर उन फसलों को जो आर्थिक और पोषण दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण हैं। आम, सेब और खट्टे फलों के साथ-साथ सब्जियाँ और तिलहन फसलें परागण पर काफी निर्भर हैं। परागण गतिविधि में कमी का सीधा मतलब है—कम उत्पादन, घटती गुणवत्ता और किसानों के लिए बढ़ती अनिश्चितता।

पाकिस्तान जैसे देश के लिए, जहाँ कृषि अर्थव्यवस्था और ग्रामीण आजीविका का महत्वपूर्ण हिस्सा है, यह स्थिति गंभीर चिंता का विषय है। खाद्य सुरक्षा केवल उत्पादन की मात्रा पर नहीं, बल्कि उसकी स्थिरता पर भी निर्भर करती है। जब कृषि को सहारा देने वाली पारिस्थितिक प्रणालियाँ कमजोर होने लगती हैं, तो इसका दबाव किसानों, बाजारों और उपभोक्ताओं सभी पर पड़ता है।

इसके बावजूद, नीतिगत प्रतिक्रिया सीमित बनी हुई है। कृषि योजना अक्सर सिंचाई और उर्वरकों जैसे इनपुट पर केंद्रित रहती है, जबकि परागण जैसी पारिस्थितिक प्रक्रियाओं पर कम ध्यान दिया जाता है। पर्यावरणीय नियम मौजूद हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन अक्सर नहीं हो पाता। कृषि और पर्यावरण संस्थानों के बीच समन्वय की कमी इस समस्या को और बढ़ाती है।

जागरूकता और कृषि पद्धतियाँ

परागणकर्ताओं के महत्व को लेकर आम लोगों में जागरूकता की कमी है। ग्रामीण क्षेत्रों में कीटों की संख्या में गिरावट को लोग महसूस तो करते हैं, लेकिन उसके पारिस्थितिक कारणों को समझ नहीं पाते। यह अंतर व्यवहार में बदलाव को रोकता है, जिसके कारण बिना सोचे-समझे कीटनाशकों का उपयोग जारी रहता है।

नीति और संस्थागत प्रतिक्रिया

इस समस्या के समाधान के लिए नीति और सोच—दोनों में बदलाव जरूरी है। एकीकृत कीट प्रबंधन (Integrated Pest Management) को बढ़ावा देकर रासायनिक कीटनाशकों पर निर्भरता कम की जा सकती है। फसल चक्र और प्राकृतिक वनस्पति संरक्षण जैसी जैव-विविधता समर्थक कृषि पद्धतियाँ पारिस्थितिक संतुलन बहाल करने में मदद कर सकती हैं।

अनुसंधान और निगरानी भी महत्वपूर्ण हैं। वर्तमान में पाकिस्तान में परागणकर्ताओं की संख्या और प्रवृत्तियों पर पर्याप्त डेटा उपलब्ध नहीं है। कृषि विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और सरकारी विभागों के बीच सहयोग बढ़ाकर इस दिशा में बेहतर जानकारी जुटाई जा सकती है। बिना डेटा के नीति प्रतिक्रियात्मक ही रहती है, न कि पूर्व-नियोजित।

दीर्घकालिक स्थिरता

कृषि क्षेत्रों में परागणकर्ता-अनुकूल क्षेत्रों का निर्माण भी एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। इसके लिए बड़े पैमाने पर भूमि परिवर्तन की जरूरत नहीं, बल्कि योजनाबद्ध भूमि उपयोग की आवश्यकता है। छोटे-छोटे प्रयास भी समय के साथ बड़े परिणाम दे सकते हैं।

जागरूकता को भी दीर्घकालिक निवेश के रूप में देखना होगा। किसानों को परागणकर्ताओं की भूमिका और रासायनिक दवाओं के जोखिमों के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी जानी चाहिए। जब किसान समझेंगे कि परागणकर्ता कृषि के बाहरी तत्व नहीं, बल्कि उसका अभिन्न हिस्सा हैं, तब व्यवहार में बदलाव संभव होगा।

पाकिस्तान में परागणकर्ताओं की कमी एक गंभीर चेतावनी है। यह दिखाता है कि यदि आधुनिक कृषि पद्धतियों को संतुलित ढंग से नहीं अपनाया गया, तो वे स्वयं अपनी नींव को कमजोर कर सकती हैं। खतरा अचानक नहीं, बल्कि धीरे-धीरे बढ़ने वाले उस नुकसान में है जो अंतत: दिखाई देने लगता है। पाकिस्तान अभी उस मोड़ पर है जहाँ समय रहते हस्तक्षेप संभव है। यह तकनीकी कमी का नहीं, बल्कि नीति और पारिस्थितिक समझ के अभाव का प्रश्न है। परागणकर्ताओं को कृषि तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा मानना एक स्थायी और मजबूत खाद्य प्रणाली की दिशा में पहला कदम होगा।

भारत की लक्षित नीतिगत बदलाव और चीनी पूंजी की वापसी

सचिन यादव

10 मार्च, 2026 को भारत की केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) नीति में महत्वपूर्ण बदलावों के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इन बदलावों में भूमि सीमा साझा करने वाले देशों (Land Border Countries - LBC) से निवेश के लिए नए दिशा-निर्देश शामिल हैं। ये दिशा-निर्देश ऐसे देशों को, जो भारत के साथ सीमा साझा करते हैं, भारतीय कंपनियों में महत्वपूर्ण और गैर-महत्वपूर्ण दोनों क्षेत्रों में निवेश की अनुमति देने पर केंद्रित हैं। इसका उद्देश्य स्टार्टअप्स और डीप-टेक कंपनियों के लिए वैश्विक फंड्स से अधिक स्वष्ठ्ठ प्रवाह को बढ़ावा देना है। यह COVID-19 महामारी के दौरान अपनाई गई उस प्रतिबंधात्मक नीति से एक बड़ा बदलाव है, जिसका उद्देश्य भारतीय कंपनियों के अवसरवादी अधिग्रहण को रोकना था।

संशोधित ढांचे के तहत एक अधिक विभेदित निवेश व्यवस्था लागू की गई है। नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, यदि किसी भूमि सीमा वाले देश की इकाई का किसी गैर-महत्वपूर्ण क्षेत्र की भारतीय कंपनी में 10% स्वामित्व है, तो उसे अब स्वचालित मार्ग के तहत और संबंधित क्षेत्रीय सीमा के अनुसार अपने स्वामित्व को और बढ़ाने की अनुमति होगी। यह प्रावधान अतिरिक्त निवेश के लिए

प्रक्रियात्मक बाधाओं को कम करता है और पड़ोसी देशों से विदेशी पूंजी के लिए अवसरों को फिर से खोलने का संकेत देता है। हालांकि, ऐसे सभी निवेशों की संबंधित जानकारी और विवरण निवेश प्राप्त करने वाली कंपनी द्वारा उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) को रिपोर्ट करना अनिवार्य होगा, जिससे नियामक निगरानी सुनिश्चित हो सके। इसके विपरीत, पूंजीगत वस्तुओं के निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक पूंजीगत वस्तुओं और इलेक्ट्रॉनिक घटकों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने के लिए अब भी सरकारी मंजूरी आवश्यक होगी।

चीन-केंद्रित नीतिगत बदलाव

पॉलीसिलिकॉन और इंगट-वाफर जैसे क्षेत्रों में भूमि सीमा वाले देश की इकाइयों को अभी भी प्राधिकरणों से अनुमति लेनी होगी, लेकिन इस प्रक्रिया को तेज करने के लिए 60 दिनों की निर्णय/मंजूरी समय-सीमा निर्धारित की गई है। यह समय-सीमा भारत को निवेश के लिए अधिक पूर्वानुमेय और कुशल गंतव्य बनाती है, खासकर उन कंपनियों के लिए जो संयुक्त उपक्रमों और प्रौद्योगिकी साझेदारी के माध्यम से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में शामिल होना चाहती हैं।

हालांकि ये प्रावधान सभी भूमि सीमा वाले देशों पर लागू होते हैं, लेकिन इनके व्यावहारिक प्रभाव चीन के मामले में सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं। पिछले कुछ वर्षों में 2020 के सीमा गतिरोध के बाद लगाए गए नियामकीय प्रतिबंधों के कारण भारत में चीनी निवेश सीमित हो गया था।

पहले की नीति ढांचा नए निवेश प्रवाह को धीमा या लगभग रोक देता था, विशेषकर संवेदनशील और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में। इसलिए, वर्तमान संशोधन उस प्रतिबंधात्मक दौर से हटकर एक संतुलित सहभागिता की ओर संकेत करता है, जहाँ निवेश को पूरी तरह हतोत्साहित करने के बजाय निर्धारित शर्तों के तहत अनुमति दी जा रही है।

यह बदलाव भारत-चीन संबंधों में हाल के वर्षों में आए परिवर्तनों से भी जुड़ा है। अक्टूबर 2024 में विवादित क्षेत्रों से दोनों देशों द्वारा सैनिकों की पूर्ण वापसी ने वर्षों के सैन्य तनाव के बाद एक महत्वपूर्ण मोड़ दिया। इसमें डेपसांग और डेमचोक से भारतीय और चीनी सैनिकों की वापसी शामिल थी, जो 2020 के गतिरोध से पहले की स्थिति पर लौटे।

बोध कथा

जाकी रही भावना जैसी . प्रभु मूरत देखी तिन तैसी

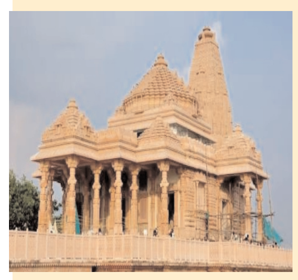

एक महिला रोज मंदिर जाती थी ! एक दिन उस महिला ने पुजारी से कहा कि अब मैं मंदिर नही आया करूँगी ! इस पर पुजारी ने पूछा — क्यों ? तब महिला बोली — मैं देखती हूँ लोग मंदिर परिसर में अपने फोन से अपने व्यापार की बात करते हैं ! कुछ ने तो मंदिर को ही गपशप करने का स्थान चुन रखा है ! कुछ तो पूजा कम पाखंड, दिखावा ज्यादा करते हैं ! इस पर पुजारी कुछ देर तक चुप रहे , फिर कहा — सही है ! परंतु अपना अंतिम निर्णय लेने से पहले क्या आप मेरे कहने से कुछ कर सकती हैं ? महिला बोली -आप बताइए क्या करना है

पुजारी ने कहा-एक गिलास पानी भर लीजिए और 2 बार मंदिर परिसर के अंदर परिक्रमा लगाइए , शर्त ये है कि गिलास का पानी गिरना नहीं चाहिये ! थोड़ी ही देर में उस महिला ने ऐसा कर दिखाया ! उसके बाद मंदिर के पुजारी ने महिला से 3 सवाल पूछे -

क्या आपने किसी को फोन पर बात करते देखा ?

क्या आपने किसी को मंदिर में गपशप करते देखा ?

क्या किसी को पाखंड करते देखा ?

महिला बोली — नहीं मैंने ऐसा तो कुछ भी नहीं देखा !

फिर पुजारी बोले — जब आप परिक्रमा लगा रही थीं - तब आपका पूरा ध्यान गिलास पर था कि इसमें से पानी न गिर जाए, इसलिए आपको और कुछ दिखाई नहीं दिया

अब अगली बार जब भी आप मंदिर आयें, तो वहां जिस काम के लिए आए हैं सिर्फ उसी बात पर ध्यान केंद्रित करें, अर्थात अपना ध्यान सिर्फ़ परमपिता परमात्मा में ही लगायें, फिर आपको दुनियादारी का और कुछ दिखाई नहीं देगा, सिर्फ भगवान ही दिखाई देगें।

व्यंग्य केसरी

एक टॉइलट बेटी के नाम !

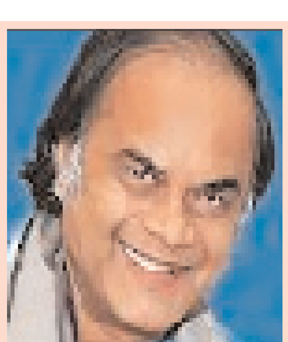

सागर कुमार

(गांव की बिटिया का मंत्री और सचिव जी के नाम पत्र !)

छत्तीसगढ़ में पांच हज़ार स्कूलों में टॉयलेट न होने से बेटियां स्कूल छोड़ रहीं हैं । उच्च न्यायालय ने इसे बहुत शर्मनाक बताया है। एक गांव की बिटिया ने शिक्षा विभाग के सचिव और मंत्री को व्हाट्सएप्प पर सन्देश भेजा जो कुछ इस तरह था।

' महोदय नमस्ते ! आशा है आप अपने बड़े आलिशान कोठियों में आराम से रह रहे होंगे। एक बार आपके बंगलों के पंचतारा टॉयलेट के साथ सेल्फी लेने का मन था। क्योंकि हमारे स्कूलों में टॉयलेट नहीं है। देखना था टॉयलेट कैसे होते हैं। मेरे साथ की बहुत सारी सहेलियों ने स्कूल आना बंद कर दिया है। महोदय ! मैंने खबर पढ़ी थी कि नवा रायपुर में अच्छी-खासी सडकों को खरोंचकर उस पर 22 करोड़ का 'फेयर एंड लवली' लेप लगाया है। वाह क्या बात है। नवा रायपुर की चिकनी सडकों पर आप लोगों को तो झटके वैसे ही नहीं लगते थे। अब उस पर 'फेयर एंड लवली' लैप लगने से सड़कें सुगन्धित भी हो गयी होंगी। हम सब स्कूल छोड़ चुकी बेटियां इन सडकों की सुगंध लेने वहाँ आना चाहते हैं। मगर हमारे गांव की सड़क हमें आने नहीं देती मंत्री जी , सचिव जी !

कोई बात नहीं महोदय ! हमारे स्कूल न जाने से कोई पहाड़ थोड़ी टूट जायेगा ! हमारा जीवन भले ही टूट जाय।

हमें यह जानकर भी अच्छा लगा कि नवा रायपुर में 14 करोड़ पौधारोपण में खर्च हुआ है। 10 करोड़ के तालाब भी बने है। ठीक भी है, हम बेटियां तो पुरानी है, मगर नवा रायपुर बिलकुल नया है न सर ! उसी का पहला हक़ है, इन करोड़ों रुपयों पर। राज्य की शान गांव की बेटियों के टॉयलेट से थोड़े ही होती है। वो तो नया रायपुर की सडकों ,पौधों और तालाब के निचे दफ़न करोड़ों रुपयों से होती है। हमारा क्या है ! हम बेटियां तो बहुत खुश हैं। कम से कम अब हमें 'सती' बनाकर जिन्दा जलाया तो नहीं जाता है। बस स्कूल में टॉयलेट ही तो नहीं है न ! बस इतनी और कितनी छोटी सी बात है न। जैसे सदियों से हो रही हैं , हम भी बिना पढ़े लिखे, यूँ ही समय की घुप्प खाई में विसर्जित हो जाएँगी। मगर नया रायपुर का आबाद और जिंदाबाद रहना जरुरी है।

सचिव जी, मंत्री जी ! गुस्सा मत होना। एक बात कहनी थी। मैं और मेरी सहेलियां सुनीता विलियम्स की तरह अंतरिक्ष में उड़ान भरना चाहती हैं। बताएँगे ! हमारे स्कूल में टॉयलेट बन जायेगा क्या ? '

बेटियों के इस पत्र का शिक्षा मंत्री और शिक्षा सचिव ने जो रिप्लाई दिया वो कुछ इस तरह था - ' बिटिया ! जैसे तुमने लिखा है कि तुम अंतरिक्ष में उड़ान भरना चाहती हो ! अत: हम स्कूल की जगह , तुम्हारे लिए चन्द्रमा पर टॉयलेट बनाने की विशाल योजना पर काम कर रहे हैं। चन्द्रमा पर जैसे ही टॉयलेट बन जायेगा, हम तुम्हे खबर करेंगे ,बेटा ' !

इतिहास

20 अप्रैल के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाएँ दर्ज हैं। साल 1972 में सोवियत संघ ने पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष स्टेशन 'सैल्यूट 1' लॉन्च किया। इसके अलावा, 1995 में ओक्लाहोमा सिटी में 168 लोगों की जान लेने वाला ट्रक बम विस्फोट हुआ था, और 1987 में प्रसिद्ध एनिमेटेड सिटकॉम 'द सिम्प्सन्स' की शुरुआत हुई थी। यह दिन विश्व इतिहास में वैज्ञानिक और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। 1971: सोवियत संघ ने दुनिया का पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष स्टेशन सैल्यूट 1 लॉन्च किया।

1995: अमेरिका के ओक्लाहोमा सिटी में एक संघीय इमारत के सामने ट्रक बम विस्फोट में 168 लोगों की मौत हुई।

1987: 'द सिम्प्सन्स' (The Simpsons) का पहला एपिसोड 'ट्रेस उलमैन शो' पर एक मिनट के शॉर्ट्स के रूप में प्रसारित किया गया। 1919: हॉलीवुड के स्टंटमैन लेस्ली इरविन ने पहली बार फ्री-फॉल पैराशूट जंप का परीक्षण किया।

वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच शेयर बाजार सपाट बंद, सेंसेक्स-निफ्टी में मामूली बढ़त

मुंबई। पश्चिम एशिया में जारी तनावों के बीच वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के चलते हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ सपाट बंद हुआ। दिन के कारोबार में घरेलू बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहा।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 26.76 अंक या 0.03 प्रतिशत बढ़कर 78,520.30 पर था, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 11.30 (0.05 प्रतिशत) की मामूली बढ़त के साथ 24,364.85 पर था।

दिन के कारोबार में सेंसेक्स ने 78,632.90 स्तर पर खुलकर 78,942.45 का इंट्रा-डे हाई और 78,203.30 का लो बनाया। जबकि निफ्टी 24,391.50 पर खुलकर 24,480.65 का दिन का हाई और 24,241.25 लो छुआ।

अमेरिका-ईरान सीजफायर को लेकर अनिश्चितता के कारण जोखिम की भावना में गिरावट आई, जिससे निफ्टी50 और सेंसेक्स सुस्त सत्र के बाद अपने दिन के उच्चतम स्तर से नीचे फिसल गए।

यही कारण रहा कि व्यापक बाजार सूचकांक शुरुआती बढ़त के बाद लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.18 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.45 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

वहीं सेक्टरवार बात करें तो निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी ऑटो, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में तेजी देखने को मिली, जबकि निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मेटल, निफ्टी फार्मा निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी आईटी में बिकवाली का दबाव रहा।

निफ्टी50 पैक में ट्रेंट, जेएसडब्ल्यू स्टील, एसबीआई, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और ग्रासिम इंडस्ट्रीज के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली और ये टॉप गेनर्स में शामिल रहे।

जबकि जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, हिंडाल्को, टीएमपीवी, एलएंडटी, एचडीएफसी लाइफ, एचसीएल टेक और बीईएल के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

गौरतलब है कि ओमान की खाड़ी में अमेरिकी नौसेना द्वारा ईरानी ध्वज वाले एक मालवाहक जहाज को जबरन जब्त करने के बाद पश्चिम एशिया में तनाव फिर से बढ़ गया। इससे पहले ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे वाणिज्यिक जहाजों पर गोलीबारी की थी।

अमेरिका-ईरान में तनाव बढ़ने से सोने और चांदी करीब 2 प्रतिशत तक फिसले

मुंबई । अमेरिका-ईरान में तनाव बढ़ने से सोमवार को सोने और चांदी दबाव के साथ खुले और शुरुआती कारोबार में दोनों कीमती धातुओं में करीब 2 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सुबह 9:50 पर सोने का 5 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 1.06 प्रतिशत या 1,641 रुपए की गिरावट के साथ 1,52,968 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,52,829 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,53,251 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि एमसीएक्स गोल्ड की शुरुआत मामूली गैप डाउन के साथ हुई, लेकिन निचले स्तरों पर खरीदारी की बढ़ती दिलचस्पी के चलते यह 1,52,000 रुपए के स्तर से ऊपर बना हुआ है। अगर यह 1,55,000 रुपए से ऊपर निकलता है तो यह 1,57,000-1,58,000 रुपए के स्तर तक जा सकता है।दूसरी ओर, 1,52,500 रुपए से नीचे टूटने पर, यह 1,51,000-1,50,000 रुपए और उससे आगे 1,48,000 रुपए तक जा सकता है।चांदी का 5 मई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 1.96 प्रतिशत या 5,045 रुपए की गिरावट के साथ 2,52,100 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,52,016 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,54,089 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। चांदी पर विश्लेषक ने कहा कि चांदी गैप डाउन के साथ 2,52,000 रुपए के आसपास बनी हुई है। इसके लिए रुकावट का स्तर 2,55,000-2,60,000 रुपए है और अगर यह इस स्तर को तोड़ता है तो 2,68,000-2,70,000 रुपए के स्तर देखने को मिल सकते हैं। अगर चांदी 2,48,000 रुपए का स्तर तोड़ती है तो यह 2,44,000-2,40,000 रुपए के स्तर तक जा सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में दबाव देखा जा रहा है। खबर लिखे जाने तक कॉमेक्स पर सोना 1.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,814 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80 डॉलर प्रति औंस पर थी।

वित्त वर्ष 26 में कंपनियों ने आईपीओ के जरिए 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक जुटाए : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में कंपनियों ने वित्त वर्ष 26 में 153 इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के जरिए 2,01,442 करोड़ रुपए जुटाए हैं। यह जानकारी सोमवार को जारी की गई एक रिपोर्ट में दी गई।

रिपोर्ट में कहा गया कि कंपनियों ऐसे समय पर आईपीओ के जरिए पूंजी जुटाने में सफल रही हैं, जब वैश्विक कारणों के चलते बाजार उतार-चढ़ाव के दौर से गुजर रहा था।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज की रिपोर्ट में बताया गया कि भारत की अर्थव्यवस्था का आधार मजबूत बना हुआ है और वित्त वर्ष 27 में अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है।

सरकार द्वारा किए जा रहे बुनियादी ढांचे पर व्यय की भूमिका महत्वपूर्ण बनी हुई है, और वित्त वर्ष 2027 में कुल व्यय का लगभग एक तिहाई हिस्सा पूंजीगत व्यय का होने की संभावना है।

मुद्रास्फीति लगभग 4.5 प्रतिशत पर नियंत्रण में रहने की उम्मीद है, साथ ही राजकोषीय घाटा भी 4.3 प्रतिशत के लक्षित स्तर पर रहेगा।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि बाहरी दबाव बना हुआ है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के कमजोर प्रवाह और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली के कारण भारतीय रुपए पर दबाव बना रह सकता है।

इन सभी कारकों ने 2022 की शुरुआत से रुपए में दबाव बनाने का दाम किया है।

आय के मोर्चे पर, रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि कुल कॉर्पोरेट आय में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि होगी, हालांकि विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शन भिन्न हो सकता है। बैंक, उपभोक्ता विवेकाधीन वस्तुएं, धातु और दूरसंचार क्षेत्रों में धीरे-धीरे सुधार होने की उम्मीद है, जबकि ऊर्जा क्षेत्र पर कुछ दबाव पड़ सकता है।

हाल के महीनों में, विशेष रूप से मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट में, मूल्यांकन में गिरावट आई है, हालांकि वे अभी भी दीर्घकालिक औसत से ऊपर हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, बेंचमार्क सूचकांक ऐतिहासिक रूप से आकर्षक स्तरों के करीब पहुंच गए हैं। बाजार में खुदरा निवेशकों की भागीदारी एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनी हुई है। डीमैट खातों की संख्या बढ़कर 222 मिलियन से अधिक हो गई है, जबकि फरवरी 2026 में सक्रिय इक्विटी व्यापारियों की संख्या 1.48 करोड़ से अधिक हो गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि म्यूचुअल फंड में एसआईपी के माध्यम से निवेश मजबूत बना हुआ है और यह सालाना 30,000 करोड़ रुपए से अधिक है।

वित्त वर्ष 27 में राज्य सार्वजनिक निवेश को प्राथमिकता देना जारी रखेंगे, पूंजीगत खर्च में वृद्धि 8-10 प्रतिशत रहने का अनुमान: रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारत में राज्य वित्त वर्ष 27 में सार्वजनिक निवेश को प्राथमिकता देना जारी रखेंगे। हालांकि, पूंजीगत खर्च में वृद्धि 8-10 प्रतिशत के करीब रहने का अनुमान है। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया कि इससे पूंजीगत खर्च सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का करीब 2.3 प्रतिशत से लेकर 2.4 प्रतिशत के बीच रह सकता है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं पर अधिक खर्च और ऊर्जा एवं कमोडिटी की अधिक लागत के कारण राज्यों का राजस्व खर्च अधिक हो सकता है।

राज्यों की राजस्व प्राप्ति वित्त वर्ष 2026 में 6.2 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2027 में 7.9 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है, जो नॉमिनल जीएसडीपी से कम है। इसका कारण अनुदानों में कमी और कुछ बाहरी कारकों के प्रति संवेदनशीलता है जो समग्र राजस्व प्राप्ति पर प्रभाव डाल सकते हैं। इसके अलावा, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच बढ़ी हुई सब्सिडी आवश्यकताओं से उत्पन्न केंद्र सरकार पर राजकोषीय दबावों के कारण केंद्रीय हस्तांतरणों की वृद्धि दर में कमी आने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में कहा गया, 'हालांकि, पूंजीगत व्यय प्राथमिकता बना रहेगा, लेकिन राजकोषीय संसाधनों में कमी के कारण इसकी वृद्धि धीमी हो सकती है, जिससे राजकोषीय घाटे और ऋण में मामूली वृद्धि हो सकती है।

केयरएज रेटिंग्स के एसोसिएट डायरेक्टर प्रसन्ना कृष्णन ने कहा, 'राजस्व घाटा वित्त वर्ष 2025 में सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 0.8 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2027 तक लगभग 1.2 प्रतिशत होने का अनुमान है। इसलिए, राजकोषीय अनुशासन बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा क्योंकि राज्य कल्याणकारी प्रतिबद्धताओं और पूंजी निवेश को बनाए रखने की आवश्यकता के बीच संतुलन बनाए रखेंगे।

रिपोर्ट में बताया गया है कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और तेलंगाना ने मध्यम राजस्व वृद्धि के बावजूद पूंजीगत व्यय को प्राथमिकता देना जारी रखा है, जो बुनियादी ढांचे के निर्माण पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है।

पहली तिमाही में रिटेल सेक्टर में डील्स की रफ्तार तेज; 21 प्रतिशत उछाल, कुल वैल्यू 1.5 अरब डॉलर: रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारत के रिटेल सेक्टर में 2026 की पहली तिमाही (क्यू1) में डील्स की संख्या में अच्छी बढ़त देखने को मिली है। सोमवार को जारी ग्रांट थॉर्नटन भारत की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान कुल 146 सौदे (डील्स) हुए, जिनकी कुल वैल्यू 1.5 अरब डॉलर रही। इसमें एक पब्लिक मार्केट ट्रांजैक्शन भी शामिल है, जो मूल्यों में भारी गिरावट के साथ-साथ मात्रा में सुधार का संकेत देता है।

डील्स की संख्या के हिसाब से यह 21 फीसदी की बढ़त है, क्योंकि पिछली तिमाही में 120 डील्स हुई थीं। हालांकि, कुल वैल्यू में करीब 55 फीसदी की गिरावट आई है, जो पहले 3.4 अरब डॉलर थी। इसका मतलब है कि इस बार बड़े सौदों की कमी रही और ज्यादा छोटे स्तर की डील्स हुईं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इस तिमाही में निवेशकों ने सावधानी से निवेश किया और ज्यादा फोकस सोच-समझकर डील करने पर रहा। वहीं, विदेशों में निवेश (आउटबाउंड एक्टिविटी) बढ़ने से भी डील्स को सपोर्ट मिला।कुल डील वैल्यू का 57 फीसदी हिस्सा सिर्फ टॉप 5 विलय और अधिग्रहण (मर्जर एंड एक्विजिशन - एमएंडए) और प्राइवेट इक्विटी (पीई) डील्स से आया, जिससे बड़े सौदों की अहमियत साफ दिखती है।

सेक्टर के हिसाब से पर्सनल केयर और फूड प्रोसेसिंग में निवेशकों की दिलचस्पी सबसे ज्यादा रही, जिसकी वजह लोगों की बदलती पसंद है, जहां अब हेल्थ, सुविधा और प्रीमियम प्रोडक्ट्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। एमएंडए सेगमेंट में इस अवधि के दौरान 40 डील्स हुईं, जिनकी वैल्यू 358 मिलियन डॉलर रही, जो 2025 की चौथी तिमाही में हुए 34 डील्स से 18 प्रतिशत अधिक है। लेकिन वैल्यू में 33 फीसदी की गिरावट आई और यह 532 मिलियन डॉलर रही।

इसमें घरेलू कंपनियों के बीच एकीकरण बड़ी वजह रहा, जिसमें फूड प्रोसेसिंग, पर्सनल केयर और एफएमसीजी सेक्टर ने एमएंडए डील्स में क्रमश: 13, 10 और 8 डील्स के साथ बढ़त बनाई। वहीं, वैल्यू के हिसाब से पर्सनल केयर सेक्टर 155 मिलियन डॉलर के साथ आगे रहा।

इसके अलावा, प्राइवेट इक्विटी (पीई) सेगमेंट भी मजबूत बना रहा, जहां 105 डील्स हुईं जिनकी कुल वैल्यू 1.1 अरब डॉलर रही, जो डील्स की संख्या में 22 फीसदी की बढ़त दर्शाता है।

एफएमसीजी सेक्टर ने पीई निवेश में 347 मिलियन डॉलर के साथ बढ़त बनाई, जबकि फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में 8 डील्स के जरिए 257 मिलियन डॉलर का निवेश हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, इस तिमाही में निवेशकों का रुझान मिड-साइज और ग्रोथ-स्टेज कंपनियों की ओर ज्यादा रहा। साथ ही छोटे टिकट साइज की डील्स में बढ़ोतरी देखने को मिली। ई-कॉमर्स और नए उभरते कंज्यूमर ब्रांड्स में भी निवेश जारी रहा, खासकर डिजिटल और हेल्थ-फोकस्ड बिजनेस में।

वैश्विक तेल संकट के बीच सरकार की बड़ी तैयारी, फ्लेक्स फ्यूल वाहनों को बढ़ावा देने की दिशा में बढ़ा रही कदम

नई दिल्ली। वैश्विक तेल बाजार में मिडिल ईस्ट संकट के चलते आई अनिश्चितता के बीच सरकार अब फ्लेक्स फ्यूल वाहनों (एफएफवी) को बढ़ावा देने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। सरकार का मकसद ट्रांसपोर्ट सेक्टर में एथेनॉल के इस्तेमाल को बढ़ाना और तेल आयात पर निर्भरता कम करना है।

विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) इस मुद्दे पर एक अहम बैठक करने जा रहा है, जिसमें भारत में एफएफवी को अपनाने के लिए रोडमैप तैयार किया जाएगा।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी), ऑटोमोबाइल कंपनियों और अन्य संबंधित पक्षों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

बैठक में मौजूदा नियमों से आगे बढ़कर ईंधन में एथेनॉल मिलाने (ब्लेंडिंग) को बढ़ाने के लिए जरूरी नीतियों पर चर्चा होने की संभावना है।

इस समय भारत में ई20 कार्यक्रम लागू है, जिसके तहत पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाया जाता है।

अब सरकार ऐसे फ्लेक्स फ्यूल वाहनों को बढ़ावा देने पर विचार कर रही है, जो 85 प्रतिशत तक एथेनॉल मिश्रण पर भी चल सकें।

सरकार का यह कदम ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उठाया जा रहा है, क्योंकि भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत से ज्यादा कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

इस बीच, सरकार ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने का लक्ष्य पहले 2030 तक रखा था, जिसे अब आगे बढ़ाकर 2025-26 कर दिया गया है।

अब भीम यूपीआई ऐप पर भी चेक कर पाएंगे क्रेडिट स्कोर, एनपीसीआई ने सिबिल के साथ किया करार

नई दिल्ली । नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने सोमवार को कहा कि उसकी इकाई भीम सर्विसेज और ट्रांसयूनियन सिबिल के बीच करार हुआ है। इसके बाद अब यूजर्स भीम ऐप पर अपना क्रेडिट स्कोर चेक कर पाएंगे।

इस एकीकरण के साथ, यूजर्स सीधे भीम ऐप पर अपना सिबिल स्कोर और क्रेडिट रिपोर्ट देख सकते हैं, जिससे वे प्लेटफॉर्म छोड़े बिना अपनी क्रेडिट स्थिति पर आसानी से नजर रख सकते हैं।

एनपीसीआई ने बताया कि क्रेडिट डेटा तक पहुंच सहमति-आधारित मॉडल द्वारा नियंत्रित होगी, जिसके तहत जानकारी केवल यूजर्स की स्पष्ट स्वीकृति के बाद ही प्राप्त की जाएगी।

यह फीचर भीम ऐप के वर्जन 4.0.19 और उससे ऊपर के वर्जनों पर उपलब्ध है।

क्रेडिट स्कोर की जानकारी जोड़ने का उद्देश्य ऐप की उपयोगिता को रोजमर्रा के भुगतानों से आगे बढ़ाकर व्यापक वित्तीय जागरूकता तक फैलाना है।

ट्रांसयूनियन सिबिल के एमडी और सीईओ भावेश जैन ने कहा, 'जैसे-जैसे भारत क्रेडिट के लिए लेन-देन आधारित दृष्टिकोण से अधिक योजनाबद्ध दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहा है, यह उपभोक्ता जागरूकता की दिशा में हमारी यात्रा का एक महत्वपूर्ण कदम है।

एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड की एमडी और सीईओ ललिता नटराज ने कहा कि यह सहयोग ऐप के मूल सिद्धांत, यानी सरलता और उपयोगकर्ता नियंत्रण को क्रेडिट क्षेत्र में आगे बढ़ाता है।

इससे पहले मार्च में, एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड ने ऐप पर यूपीआई भुगतान के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण शुरू किया था, जिससे उपयोगकर्ता फिंगरप्रिंट या चेहरे की पहचान का उपयोग करके 5,000 रुपए तक के लेनदेन को स्वीकृत कर सकते हैं।

एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड द्वारा विकसित भारत का स्वदेशी यूपीआई भुगतान ऐप, भीम, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 15 से अधिक भारतीय भाषाओं में उपयोगकर्ताओं को सेवा प्रदान करता है। ऐप में खर्च विभाजन, फैमिली मोड और खर्च विश्लेषण जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

क्या एयर कंडीशनिंग आपको बीमार कर सकती है? 'समर कोल्ड' के बढ़ते मामलों की सच्चाई

मुंबई जैसी जगहों पर 40एष्ट की बाहरी गर्मी से बार-बार 20एष्ट के ठंडे, एयर-कंडीशंड माहौल में जाना आपके श्वसन तंत्र को प्रभावित कर सकता है। आपकी नाक और श्वसन मार्ग की नाजुक परतें धीरे-धीरे तापमान बदलने के अनुकूल होती हैं, अचानक बदलाव के नहीं।

जब शरीर बहुत तेजी से ठंडा होता है, तो नाक की रक्त वाहिकाएं पहले सिकुड़ती हैं और फिर तेजी से फैलती हैं, जिससे वासोमोटर राइनाइटिस हो सकता है। इससे सूजन, ज्यादा म्यूकस बनना और सर्दी जैसे लक्षण—जैसे नाक बहना या बंद होना—हो सकते हैं, भले ही कोई संक्रमण न हो।

बार-बार ऐसे तापमान बदलाव का सामना करने से सिलिया (श्वसन मार्ग में मौजूद महीन बाल जैसे ढांचे) पर भी असर पड़ता है, जो धूल और कीटाणुओं को बाहर निकालने में मदद करते हैं। समय के साथ यह सूजन पैदा कर सकता है, जो सर्दी जैसे लक्षण देती है, भले ही जांच में कुछ न निकले।

सर एच.एन. रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल की इंटरनल मेडिसिन की अतिरिक्त निदेशक डॉ. दिव्या गोपाल के अनुसार:

नमी और सूखी हवा

एयर कंडीशनर हवा को ठंडा करने के साथ उसकी नमी भी कम कर देता है। आदर्श रूप से घर के अंदर नमी 40% से 60% के बीच होनी चाहिए, लेकिन लंबे समय तक एसी चलने से यह 20-30% तक गिर सकती है।

सूखी हवा नाक की म्यूकस परत को डिहाइड्रेट कर देती है, जिससे वायरस और प्रदूषकों को रोकने की उसकी क्षमता कम हो जाती है। जब यह प्राकृतिक सुरक्षा कमजोर पड़ती है, तो वायरस आसानी से बढ़ सकते हैं, जिससे 'समर कोल्ड' जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। अक्सर लोग नोटिस करते हैं कि बाहर की नम हवा में जाने पर उनके लक्षण बेहतर हो जाते हैं।

एयर कंडीशनर की देखभाल जरूरी

सभी 'समर कोल्ड' केवल तापमान के कारण नहीं होते। ठीक से मेंटेन न किए गए एसी के फिल्टर में धूल, पराग, फफूंदी और बैक्टीरिया जमा हो सकते हैं।

चीन का गुरूर तोड़ने वाला 'देवपुत्र': कनिष्क ने कैसे सिल्क रोड पर कब्जा कर चीन को बनाया था गुलाम!

कुषाण सम्राट कनिष्क ने 2000 साल पहले मध्य एशिया में विजय अभियान चलाकर सिल्क रोड पर नियंत्रण स्थापित किया था। उन्होंने काशगर, खोतान और यारकंद जैसे अहम शहरों पर कब्जा किया और चीन के हान राजवंश को चुनौती दी। उनकी रणनीति और सैन्य शक्ति ने भारत को उस दौर में वैश्विक ताकत के रूप में स्थापित किया।

एक ऐसा सम्राट, जिसकी शुरुआत मध्य एशिया के घुमंतू कबीले से होती है, लेकिन उसकी महत्वाकांक्षा सीमाओं में कैद नहीं रहती। यह कहानी कनिष्क की है, जिसने उत्तर भारत को मजबूत करने के बाद अपनी नजरें मध्य एशिया और चीन की सीमाओं पर टिकाईं। उस दौर में सिल्क रोड सिर्फ व्यापार का रास्ता नहीं, बल्कि सत्ता और संपत्ति की कुंजी था। कनिष्क ने समझ लिया था कि जो इस मार्ग को नियंत्रित करेगा, वही दुनिया के आर्थिक नक्शे पर राज करेगा।

इतिहास के पन्नों में कनिष्क का नाम एक विजेता और दूरदर्शी शासक के रूप में दर्ज है। चीनी ग्रंथ होउ हानशु में उनके अभियानों का विस्तार से वर्णन मिलता है, जिसमें बताया गया है कि कैसे उन्होंने तारिम बेसिन में अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया। वहीं इतिहासकार जॉन रोसेनफील्ड की किताब ञ्जद्धद्ग Dynastic Arts of the Kushans भी इस बात की पुष्टि करती है कि कनिष्क का साम्राज्य केवल भारत तक सीमित नहीं था, बल्कि मध्य एशिया तक फैला हुआ था।

कनिष्क का जन्म लगभग पहली सदी के अंत में हुआ और वे कुषाण वंश के सबसे शक्तिशाली शासकों में गिने जाते हैं। उन्होंने सत्ता संभालते ही मथुरा, तक्षशिला और पेशावर जैसे महत्वपूर्ण केंद्रों पर नियंत्रण स्थापित किया। यह सिर्फ सैन्य ताकत का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि एक संगठित और स्थिर साम्राज्य की नींव भी थी, जिसने आगे के अभियानों के लिए रास्ता तैयार किया।

उस समय चीन का हान राजवंश भी मध्य एशिया पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहता था। तारिम बेसिन का इलाका, जिसमें काशगर, खोतान और यारकंद जैसे शहर शामिल थे, रणनीतिक रूप से बेहद अहम था। यही वजह थी कि यहां टकराव तय था। कनिष्क ने इस चुनौती को स्वीकार किया और एक बड़े अभियान की तैयारी शुरू की।

कनिष्क की सेना उस समय की सबसे विविध और शक्तिशाली सेनाओं में से एक थी। इसमें भारतीय, यूनानी, शक और तुर्क योद्धा शामिल थे। उनकी घुड़सवार सेना बेहद तेज और अनुशासित थी।

जब यह सेना तारिम बेसिन की ओर बढ़ी, तो उसने पहले काशगर और यारकंद पर कब्जा किया। इसके बाद खोतान पर हमला हुआ। चीनी सेना ने विरोध जरूर किया, लेकिन कनिष्क की रणनीति और गति के सामने टिक नहीं पाई।

इस जीत के बाद कनिष्क ने सिल्क रोड के बड़े हिस्से पर नियंत्रण स्थापित कर लिया। इससे उनके साम्राज्य को अपार आर्थिक लाभ हुआ। रेशम, मसाले और कीमती पत्थरों का व्यापार तेजी से बढ़ा। यही नहीं, उन्होंने इन क्षेत्रों में बौद्ध धर्म का भी प्रचार किया। खोतान और काशगर में बौद्ध विहार बनवाए गए, जिससे सांस्कृतिक प्रभाव भी गहरा हुआ और उनका शासन सिर्फ राजनीतिक ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी मजबूत हुआ।

कनिष्क ने अपनी शक्ति और सफलता को दर्शाने के लिए खुद को 'देवपुत्र' और 'महाराजाधिराज' जैसी उपाधियों से नवाजा। उन्होंने पेशावर को राजधानी बनाया और वहां विशाल स्तूप का निर्माण कराया, जो उस समय की सबसे भव्य संरचनाओं में से एक था। उनका शासनकाल कुषाण साम्राज्य का स्वर्ण युग माना जाता है, जहां व्यापार, संस्कृति और धर्म सभी अपने चरम पर थे।

कनिष्क की यह कहानी सिर्फ एक युद्ध की नहीं, बल्कि दूरदृष्टि और रणनीति की मिसाल है। उन्होंने साबित किया कि सही नेतृत्व और योजना से सीमाओं को पार किया जा सकता है। आज भी मध्य एशिया के इलाकों में कुषाण काल के अवशेष उनकी महानता की गवाही देते हैं। कनिष्क ने न सिर्फ सिल्क रोड पर कब्जा किया, बल्कि भारत को वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई।

भारत में सिविल लाइंस कब और कैसे बने, क्या खत्म होने वाली है इनकी पहचान

एक खबर आई है कि केंद्र सरकार करीब 175 सालों से हर शहर में पावर और रसूख की कॉलोनी समझी जाने वाली सिविल लाइंस से जुड़ी ब्रिटिश राज की पहचान को खत्म करने वाली है। यानी वह हर शहर और प्रशासनिक कस्बों के सिविल लाइंस को नीति के स्तर पर भारतीय पहचान देना चाहती है। उसने इसके लिए गंभीर कवायद शुरू कर दी है।

सरकार दरअसल सिविल लाइंस पर चल रही बहस को वाकई यथार्थ में बदलकर उसे नई पहचान देने को लेकर गंभीर है। सिविल लाइंस जैसे नाम और इलाके जल्द ही इतिहास बन सकते हैं। इस तरह औपनिवेशिक दौर की यह पहचान खत्म हो जाएगी।

भारत में 'सिविल लाइंस' केवल एक भौगोलिक इलाका नहीं है, बल्कि यह औपनिवेशिक सत्ता, ताकत और रसूख के साथ शहरी संरचना का एक ऐतिहासिक दस्तावेज है। इस जगह पर शहर के आला अधिकारियों के सरकारी आवास होते हैं। ये इलाके खुले, साफ-सुथरे, हरियाली वाले और सुरक्षा से चाक-चौबंद होते हैं।

केंद्र सरकार ने योजनाबद्ध तरीके से उन नामों और नामावलियों की समीक्षा शुरू कर दी है, जो ब्रिटिश शासन की याद दिलाते हैं; इसके तहत देश के कई बड़े शहरों, मसलन दिल्ली, लखनऊ, इंदौर, लुधियाना, अहमदाबाद आदि में सिविल लाइंस नाम को बदलने पर विचार चल रहा है। सरकार का तर्क यह है कि इन नामों की जगह भारतीय संस्कृति और इतिहास से जुड़े नए नाम लाए जाएं, ताकि जनमानस में औपनिवेशिक भाषा-चिह्नों का प्रभाव कम हो।

इसमें क्या होगा

– नाम खत्म हो सकता है, जगह नहीं। जैसे राजपथ का नाम कर्तव्य पथ हो गया है, वैसे ही भविष्य में सिविल लाइंस का नाम भी बदल सकता है। मतलब यह है कि कॉलोनी रहेगी, लेकिन उसकी औपनिवेशिक पहचान मिटाई जा सकती है। वैसे तो इस तरह का काम इस समय पूरे भारत में ही किसी न किसी रूप में चल रहा है। – संभव है कि इसके जरिए सिविल लाइंस के सरकारी आवास वाले बड़े-बड़े बंगलों का पुनर्गठन किया जाए, उनके नए उपयोग किए जाएं।

सिविल लाइंस कैसे बने?

सिविल लाइंस का विचार सीधे तौर पर ब्रिटिश राज से जुड़ा है, खासकर 1857 के विद्रोह के बाद। विद्रोह के दौरान कई जगहों पर अंग्रेज अधिकारियों और उनके परिवारों पर हमले हुए। इसके बाद ब्रिटिश शासन ने दो बड़े फैसले किए।

– भारतीय आबादी से भौतिक दूरी बनानी है

– अपने अधिकारियों के लिए सुरक्षित, साफ-सुथरे, अलग इलाके बनाने हैं

यहीं से सिविल लाइंस का कॉन्सेप्ट शुरू हुआ। प्रशासनिक अमले और सरकारी विभागों से जुड़े दूसरे बड़े अफसरों के लिए सिविल लाइंस में कोठियां और अच्छे घर बने। वे उसी में रहने लगे। इस तरह सिविल लाइंस का जन्म पूरे देश में हुआ।सिविल लाइंस का मतलब क्या था?

नाम से ही स्पष्ट है, ये सिविल यानी प्रशासनिक अधिकारियों के रहने के लिए बनाए गए इलाके थे। दिल्ली, इलाहाबाद, कानपुर, लखनऊ, नागपुर, मेरठ जैसे शहरों में ये इलाके बने। ये इलाके अंग्रेजों के व्हाइट टाउन जैसे थे। इनकी खासियतें ये थीं।

– चौड़ी सड़कें, पेड़ों की कतारें

– बड़े-बड़े बंगले

– लो डेंसिटी

– क्लब, चर्च, टेनिस कोर्ट जैसी सुविधाएं

– भारतीयों के लिए सीमित या प्रतिबंधित प्रवेश

सिविल लाइंस आमतौर पर कहां बनाए गए

एक दिलचस्प बात यह है कि सिविल लाइंस अक्सर सैन्य इलाकों यानी 'कैंटोनमेंट' के पास बनाए जाते थे। कैंट सेना के लिए होते थे, सिविल लाइंस प्रशासनिक अधिकारियों के लिए। दोनों मिलकर औपनिवेशिक नियंत्रण का ढांचा बनाते थे।

आखिर तमिलनाडु में ही क्यों बनते हैं 90% से ज्यादा पटाखे और विस्फोट होते क्यों हैं?

आज 2026 में भी, भारत के कुल पटाखा उत्पादन का 90% से अधिक हिस्सा अकेले तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले यानी शिवकाशी से आता है। करीब ?5,000 करोड़ से ज्यादा का सालाना टर्नओवर रखने वाला यह उद्योग 8 लाख से ज्यादा लोगों का घर चलाता है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर यह एक छोटा सा शहर पूरे देश का 'पटाखा हब' कैसे बन गया? तमिलनाडु में ही बार-बार फैक्ट्रियों में विस्फोट क्यों होते हैं?

पटाखों का हब कैसे बना शिवकाशी

सब कुछ शुरू हुआ 1922 में, जब दो चचेरे भाई पी. अय्या नादर और ए. शणमुगा नादर शिवकाशी से कोलकाता की यात्रा पर निकले। उस समय कोलकाता में माचिस की फैक्ट्रियां थीं। इन दोनों भाइयों ने वहां आठ महीने तक मजदूरी की और माचिस बनाने की तकनीक सीखी।

1923: वे वापस शिवकाशी आए और माचिस बनाने की पहली कंपनी शुरू की।

1934: जब माचिस उद्योग सफल हुआ, तो उन्होंने विदेशी पटाखों, जो तब जर्मनी और यूके से आते थे, को देखा और सोचा, 'हम यह भारत में क्यों नहीं बना सकते?' उन्होंने 'स्पार्कलर्स' (फुलझड़ी) से शुरुआत की।

1940: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जब विदेशों से पटाखों का आयात बंद हुआ, तो भारतीय बाजार में एक 'वैक्यूम' पैदा हो गया। शिवकाशी ने इस मौके को लपका और तब से पीछे मुड़कर नहीं देखा।

शिवकाशी सिर्फ पटाखे नहीं बनाता, उसने एक पूरा 'सपोर्ट सिस्टम' खड़ा कर लिया है। पटाखों के डिब्बों पर होने वाली रंगीन छपाई के लिए यहां एशिया की बेहतरीन प्रिंटिंग प्रेस हैं। गंधक, एल्युमिनियम पाउडर और पोटेशियम क्लोरेट की सप्लाई चेन यहां इतनी मजबूत है कि किसी दूसरे राज्य के लिए इसे टक्कर देना लगभग असंभव है।

ये इलाका ही क्यों?

अब आप सोचेंगे कि दिल्ली या मुंबई में यह काम क्यों नहीं होता? इसके दो बड़े कारण हैं।

धूप का चक्कर: पटाखे बनाने के लिए रसायनों को सुखाना पड़ता है। शिवकाशी में सूरज मेहरबान रहता है। साल के करीब 300 दिन वहां कड़ी धूप निकलती है। बारिश बहुत कम होती है, जो पटाखों के लिए एकदम 'परफेक्ट' है। अगर हवा में नमी ज्यादा हो, तो गनपाउडर और पोटेशियम नाइट्रेट जैसे केमिकल ठीक से काम नहीं करते। इसलिए यहां का गर्म मौसम पटाखे बनाने के लिए सबसे बेहतर है।

रोजी-रोटी की वजह से: वहां खेती लायक जमीन बहुत अच्छी नहीं थी। लोगों के पास कमाई का और कोई जरिया नहीं था। इसलिए वहां के हर घर का बच्चा-बुजुर्ग पटाखों के काम में लग गया। आज वहां 8 लाख लोगों का घर इसी से चलता है।

आखिर हादसे क्यों होते हैं?

इतना बड़ा हब होने के बावजूद, यहां हर साल होने वाले विस्फोट दिल दहला देते हैं। 20 अप्रैल 2026 को ही कट्टनारपट्टी में विस्फोट हुआ, जिसमें 23 लोगों की जान गई। रिसर्च बताती है कि यहां होने वाले 94% हादसे पटाखा प्रोडक्शन के तीन चरणों में होते हैं: मिक्सिंग (मिश्रण), फिलिंग (भरना), और ड्राइंग (सुखाना)।

भूकंप से सुनामी कैसे बनती है—समझिए

सोमवार को जापान के उत्तर-पूर्वी तट के पास 7.5 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके बाद अधिकारियों ने तटीय इलाकों से दूर रहने की सलाह दी, जहां 3 मीटर (9.84 फीट) तक ऊंची सुनामी लहरों की आशंका जताई गई।

जापान में क्या हुआ?

अधिकारियों के अनुसार, सबसे ऊंची लहरें जापान के मुख्य द्वीप होन्शू के उत्तरी हिस्से में स्थित इवाते और आओमोरी प्रांतों, और उत्तरी द्वीप होक्काइडो में आने का अनुमान था।

भूकंप शाम 4:52 बजे (0752 त्रस्ञ्ज) आया और उसके बाद एक घंटे के भीतर 80 सेंटीमीटर तक ऊंची लहरें दर्ज की गईं, जबकि 3 मीटर तक की लहरों की चेतावनी जारी रही।

सार्वजनिक प्रसारक एनएचके के अनुसार, ओत्सुची और कामाइशी जैसे कई बंदरगाह शहरों—जो 2011 के भीषण भूकंप और सुनामी से बुरी तरह प्रभावित हुए थे—में हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के आदेश दिए गए।

प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने कहा कि सरकार ने एक आपातकालीन टास्क फोर्स का गठन किया है और प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।

सुनामी कैसे बनती है?

सुनामी आमतौर पर भूकंप के कारण बनती है, जब समुद्र की सतह (सीफ्लोर) अचानक ऊपर-नीचे खिसकती है, जिससे उसके ऊपर मौजूद विशाल जलराशि विस्थापित हो जाती है। इस हलचल से चारों दिशाओं में लहरों की एक श्रृंखला बनती है, ठीक वैसे ही जैसे तालाब में पत्थर फेंकने पर तरंगें फैलती हैं।

अधिकांश भूकंप-जनित सुनामी सबडक्शन जोन में होती हैं, जहां एक टेक्टोनिक प्लेट दूसरी के नीचे धंसती है। इस प्रक्रिया में प्लेटें अक्सर घर्षण के कारण 'फंस' जाती हैं, जिससे ऊपर वाली प्लेट झुककर ऊर्जा जमा करती रहती है, जैसे दबाया हुआ स्प्रिंग। जब यह ऊर्जा घर्षण से ज्यादा हो जाती है, तो प्लेट अचानक अपनी मूल स्थिति में लौटती है और समुद्र तल तथा ऊपर के पानी को जोर से ऊपर धकेल देती है।

यह अचानक धक्का समुद्र की सतह पर पानी का एक उभार बनाता है। फिर गुरुत्वाकर्षण इस पानी को नीचे खींचता है, जिससे लहरें तेज गति से चारों दिशाओं में फैल जाती हैं। कभी-कभी भूकंप के झटकों से समुद्र के भीतर भूस्खलन भी हो जाता है, जो पर्याप्त पानी को विस्थापित कर सुनामी पैदा कर सकता है।

चीनी ह्यूमनॉइड रोबोट ने हाफ मैराथन में इंसानों को हराया: क्यों यह एक बड़ा टेक माइलस्टोन है

सालों से ह्यूमनॉइड रोबोट्स वास्तविक दुनिया में इंसानी क्षमताओं की बराबरी करने की कोशिश कर रहे हैं—संतुलन बनाना, चलना, वजन उठाना और नियंत्रित वातावरण में नेविगेट करना। जहां मशीनें गणना (कंप्यूटेशन) में इंसानों से आगे निकल चुकी हैं, वहीं वास्तविक दुनिया में शारीरिक सहनशक्ति अब तक इंसानों की ही खासियत रही है।

लेकिन अब यह बदलता हुआ नजर आ रहा है।

बीजिंग में आयोजित एक हाफ मैराथन में, चीनी स्मार्टफोन ब्रांड ॥श्ठ्ठश्रह्न द्वारा विकसित एक ह्यूमनॉइड रोबोट ने इंसानी विश्व रिकॉर्ड से तेज दौड़ लगाई, जो पहली बार है जब किसी मशीन ने इतनी लंबी दूरी की दौड़ में एलीट मानव धावकों को पीछे छोड़ा। इसे रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में तेज प्रगति का एक बड़ा तकनीकी माइलस्टोन माना जा रहा है।

बीजिंग में आखिर हुआ क्या?

'लाइटनिंग' नाम के इस रोबोट ने 21 किलोमीटर की दौड़ 50 मिनट 26 सेकंड में पूरी की, जो युगांडा के धावक जैकब किपलिमो के 57 मिनट 20 सेकंड के विश्व रिकॉर्ड से तेज है।

रॉयटर्स के अनुसार, कई रोबोट प्रतिभागी पेशेवर एथलीट्स से काफी तेज थे और उन्होंने मानव विजेताओं को 10 मिनट से ज्यादा से पीछे छोड़ दिया। इस इवेंट में 100 से ज्यादा टीमों ने हिस्सा लिया, जो पिछले साल के लगभग 20 टीमों से कहीं ज्यादा है।

पिछले साल की तुलना में यह बदलाव काफी बड़ा था। 2025 में विजेता रोबोट ने 2 घंटे 40 मिनट का समय लिया था और कई मशीनें दौड़ पूरी भी नहीं कर पाई थीं। इस साल कई रोबोट न सिर्फ दौड़ पूरी करने में सफल रहे, बल्कि इंसानों से बेहतर प्रदर्शन भी किया।

दौड़ को इस तरह आयोजित किया गया था कि रोबोट और 12,000 से ज्यादा मानव धावक अलग-अलग ट्रैक पर दौड़ें, ताकि टक्कर से बचा जा सके। हालांकि, कुछ रोबोट शुरुआत में गिर गए या बैरियर से टकरा गए।

सिर्फ एक साल में क्या बदला?

सबसे बड़ा बदलाव सिर्फ गति नहीं, बल्कि 'ऑटोनॉमी' यानी स्वायत्तता है—और यही असल में ढ्ढ की बड़ी उपलब्धि है।

इस साल लगभग आधे रोबोट बिना रिमोट कंट्रोल के खुद ही 21 किलोमीटर का रास्ता तय कर पाए—वे रास्ता समझ रहे थे, संतुलन बनाए रख रहे थे और रियल टाइम में अपनी गति समायोजित कर रहे थे। एक साल पहले ज्यादातर रोबोट को लगातार मानव नियंत्रण की जरूरत होती थी।

जैकलीन फर्नांडिस की अप्रूवर बनने की अर्जी पर सुनवाई टली, अब 8 मई को होगा फैसला

नई दिल्ली । 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक बार फिर नया मोड़ सामने आया है। दरअसल, बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की ओर से सरकारी गवाह (अप्रूवर) बनने के लिए दाखिल अर्जी पर पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई टल गई है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 8 मई को होगी।

जानकारी के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा है, साथ ही एजेंसी ने जैकलीन की इस अर्जी का विरोध भी किया है।

सुनवाई के दौरान ईडी ने अदालत के सामने कहा कि जैकलीन की ओर से दायर की गई अर्जी आधारहीन है। साथ ही कोर्ट से अतिरिक्त समय की मांग की, जिसे अदालत ने स्वीकार किया।

इससे पहले पिछली सुनवाई में कोर्ट ने जैकलीन की अर्जी पर ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। यह मामला कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा हुआ है, जिस पर 200 करोड़ रुपए की ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप हैं। इस हाई-प्रोफाइल केस में जैकलीन फर्नांडिस का नाम तब सामने आया था, जब जांच एजेंसी ने दावा किया कि सुकेश ने ठगी के पैसों से उन्हें कई महंगे गिफ्ट्स दिए थे। इसी आधार पर ईडी ने उन्हें इस मामले में आरोपी बनाया था।

जैकलीन ने हाल ही में कोर्ट में अर्जी दाखिल कर यह इच्छा जताई थी कि वह इस मामले में सरकारी गवाह बनना चाहती हैं और जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करने के लिए तैयार हैं। लेकिन ईडी ने उनके इस कदम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि फिलहाल उनकी अर्जी को स्वीकार करने का कोई ठोस आधार नहीं दिखता।

मामले की शुरुआत 2021 में हुई थी, जब दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप था कि उसने रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटरों के परिवार से करीब 200 करोड़ रुपए की ठगी की। बाद में इस मामले की जांच ईडी ने अपने हाथ में ली और मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से जांच शुरू की।

जांच के दौरान सामने आया कि सुकेश ने कथित तौर पर इस पैसे का इस्तेमाल कई लोगों को महंगे तोहफे देने में किया, जिनमें जैकलीन फर्नांडिस का नाम भी शामिल था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें लग्जरी बैग, डायमंड ज्वेलरी, महंगी घड़ियां और अन्य कीमती सामान दिए गए थे, जिसके चलते ईडी ने उन्हें भी इस केस में आरोपी के तौर पर शामिल किया।

रणवीर सिंह बने विजय गांगुली की कोरियोग्राफी के फैन, फिल्म 'धुरंधर' की टीम को दी खास बधाई

मुंबई। किसी भी फिल्म की सफलता के पीछे पूरी टीम की कड़ी मेहनत होती है। ऐसा ही कुछ साल 2025 में रिलीज हुई फिल्म 'धुरंधर' की सफलता के साथ है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था, लेकिन इसके गानों ने दर्शकों का दिल जीतने के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी ट्रेंड सेट किया था।

फिल्म के दो गाने 'एफए9एलए' और 'शरारत' के हुक स्टेप्स ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया था। हर कोई इनके साथ रील्स और वीडियो बना रहा था। आम यूजर्स के साथ-साथ बड़ी-बड़ी हस्तियां भी इन स्टेप्स को कॉपी कर रही थीं। हालांकि, इन स्टेप्स के पीछे दिवंगत फिल्म निर्देशक अनिल गांगुली के बेटे और टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री रुपाली गांगुली के भाई कोरियोग्राफर विजय गांगुली का हाथ रहा है।

सोमवार को अभिनेता रणवीर सिंह ने विजय गांगुली की खूब तारीफ की। उन्होंने इंस्टाग्राम के जरिए फिल्म की पूरी टीम को भी सराहा। रणवीर ने स्टोरीज सेक्शन पर विजय और निर्देशक आदित्य धर की तस्वीर पोस्ट की। इसमें आदित्य और विजय दोनों हंसते-मजाक करते नजर आ रहे हैं।

रणवीर ने लिखा, 'धन्यवाद विजय। आपने गानों में जो गर्मजोशी, ऊर्जा और मेहनत दिखाई, उसके लिए शुक्रिया। 'एफए9एलए' और 'शरारत' के हुक स्टेप अब लोगों के बीच बहुत पॉपुलर हो गए हैं। आपको और आपकी पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई। बता दें कि सॉन्ग 'एफए9एलए' में अक्षय खन्ना मजेदार अंदाज में झूमते हुए पार्टी का मजा लेते नजर आए थे। अभिनेता का डांस स्टेप सोशल मीडिया पर काफी ट्रेंड हुआ था और अभी भी चर्चा में है।

दिलचस्प बात ये है कि इस गाने को किसी भारतीय ने नहीं बनाया, बल्कि बहरीन के रहने वाले रैपर 'फ्लिपराची' ने बनाया है।वहीं, 'शरारत' गाने को जैस्मीन सैंडलस और मधुबंती बागची ने अपनी शानदार आवाज में गाया, जिस पर क्रिस्टल डिसूजा और आयशा खान ने परफॉर्म किया। 'शरारत' गाना ने रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर काफी ट्रेंड किया था। इसका डांस स्टेप्स, एनर्जी और विजय गांगुली की क्रिएटिव कोरियोग्राफी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। गाना इतना पॉपुलर हुआ था कि सात समंदर पार भी इसकी खूब प्रसंशा हुई थी और अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के पति निक जोनस ने भी सराहा था।

मुनमुन दत्ता ने बताया समर मॉर्निंग रूटीन का राज, पेट की सेहत के लिए शेयर किए खास देसी ड्रिंक

मुंबई । गर्मियों का मौसम आते ही लोग अपनी सेहत को लेकर ज्यादा सतर्क हो जाते हैं। खासतौर पर इस मौसम में पाचन संबंधी परेशानियां ज्यादा होती हैं, इसलिए खानपान पर ध्यान देना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में कई सेलेब्रिटीज भी अपने हेल्दी रूटीन को फैंस के साथ साझा करते रहते हैं। इसी कड़ी में टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री मुनमुन दत्ता ने अपने समर मॉर्निंग रूटीन की एक झलक सोशल मीडिया पर शेयर की, जो अब खूब चर्चा में है।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता का किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बना चुकीं मुनमुन दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि वह सुबह की शुरुआत किस तरह से करती हैं।

उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी एक वीडियो और कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें उनके हेल्दी नाश्ते की झलक देखने को मिल रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''मैंने सुबह के लिए एक ऐसी ड्रिंक तैयार की है, जो पेट की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है और शरीर को अंदर से मजबूत बनाती है।''

वीडियो में देखा जा सकता है कि मुनमुन छाछ से कुछ बना रही हैं, जिसे वह पेट की सेहत के लिए बेहतरीन ड्रिंक बता रही हैं।

इसे बनाते समय उन्होंने उसमें बारीक कटा हुआ प्याज और हरा धनिया समेत कई चीजों को मिलाया।

इसके अलावा, मुनमुन ने एक तस्वीर के जरिए एक और खास ड्रिंक के बारे में जानकारी दी, जिसे रागी अंबली कहा जाता है। उन्होंने कैप्शन में बताया, ''यह देसी पेय पाचन को बेहतर बनाता है। साथ ही यह गर्मियों में शरीर को ठंडक पहुंचाने का भी काम करता है। यह शरीर को हल्का महसूस कराता है।''

मुनमुन दत्ता अपने फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर व्यायाम और योग से जुड़े वीडियो और तस्वीरें साझा करती रहती हैं। उनका मानना है कि फिट रहने के लिए एक्सरसाइज के साथ-साथ सही खानपान भी उतना ही जरूरी है। फैंस भी उनके इस हेल्दी लाइफस्टाइल को काफी पसंद करते हैं।

दूसरी बार पिता बने एटली, बेटी के जन्म पर अनन्या पांडे-काजल अग्रवाल समेत तमाम सेलेब्स ने दी बधाई

मुंबई । फिल्ममेकर एटली और उनकी पत्नी कृष्णा प्रिया के घर एक बार फिर खुशियों ने दस्तक दी है। दरअसल, उनके परिवार में एक नन्ही परी का जन्म हुआ है। इस खुशखबरी को एटली और प्रिया ने अनोखे अंदाज में साझा किया, जिसने सभी का दिल जीत लिया। इस खबर के बाद से फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है। कपल ने इंस्टाग्राम पर इस खुशखबरी को साझा करते हुए एक पोस्टर साझा किया, जिसमें एक बच्चा टॉय कार के ऊपर बैठा नजर आ रहा है। इस पोस्टर पर लिखा है, ''ये हुई ना बात, मुझे एक छोटी बहन मिल गई है! बड़ा भाई मीर।''

इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया और फैंस के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई सितारों ने भी उन्हें दिल खोलकर प्रतिक्रिया दी।

एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने एटली और प्रिया को ढेर सारी बधाइयां दीं और कमेंट में लिखा, ''बहुत बहुत बधाइयां

काजल अग्रवाल ने लिखा, ''माता-पिता, दादा-दादी और सबसे बढ़कर मीर को ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं।

वहीं सामंथा रुथ प्रभु, निशा अग्रवाल और हुमा कुरैशी ने कमेंट में 'कांग्रेचुलेशन' लिखा, जबकि रश्मिका मंदाना ने हार्ट इमोजी के जरिए अपनी खुशी जाहिर की

एटली और कृष्णा प्रिया की यह दूसरी संतान है। इससे पहले दोनों के घर बेटा मीर का जन्म हुआ था और अब बेटी के आने से उनका परिवार और भी खुशहाल हो गया है।

अगर एटली और कृष्णा प्रिया की लव स्टोरी की बात करें तो दोनों की मुलाकात उस समय हुई थी जब एटली अपने करियर की शुरुआत कर रहे थे और अपनी पहली फिल्म 'राजा रानी' पर काम कर रहे थे। उसी दौरान कृष्णा प्रिया भी टीवी और फिल्म इंडस्ट्री में अपने लिए जगह बनाने की कोशिश कर रही थीं। दोनों की पहली मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी और यहीं से उनकी बातचीत की शुरुआत हुई।

धीरे-धीरे यह बातचीत दोस्ती में बदल गई और फिर प्यार हो गया। इस दौरान दोनों ने एक-दूसरे के संघर्ष के दौर को करीब से देखा और एक-दूसरे का साथ दिया। 'राजा रानी' की सफलता ने एटली के करियर को नई दिशा दी।

कहा जाता है कि जब कृष्णा प्रिया के घर वाले उनकी शादी के लिए लड़का देख रहे थे, तब उन्होंने यह बात एटली को बताई थी। इसके बाद एटली ने कहा कि वह उनके परिवार से बात करना चाहते है। धीरे-धीरे दोनों परिवार इस रिश्ते के लिए तैयार हो गए और साल 2014 में एटली और कृष्णा प्रिया ने शादी कर ली।

अल्लामा मोहम्मद इकबाल पुण्यतिथि: 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा' लिखने वाले इस शायर ने की थी विभाजन की मांग

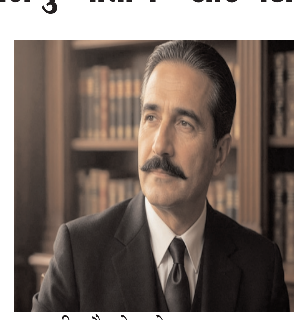

मुंबई । 'खुदी को कर बुलंद इतना कि हर तकदीर से पहले, खुदा बंदे से खुद पूछे बता तेरी रजा क्या है...' आत्म-शक्ति को बुलंद करती यह पंक्तियां हर किसी की जुबान पर रहती हैं और उन्हें लिखा था उर्दू व फारसी के प्रसिद्ध शायर अल्लामा मोहम्मद इकबाल ने।

पाकिस्तान में जन्मे इस शायर की लेखनी ने धर्म के परे जाकर देश और भगवान राम को पवित्रता, बहादुरी और प्रेम से भरा बताया था। उनके द्वारा प्रभु श्री राम को लेकर लिखी कविता 'लबरेज़ है शराब-ए-हक़ीक़त से जाम-ए-हिंद' आज भी याद की जाती है।

उर्दू, अरबी और फारसी साहित्य के एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक व्यक्ति मुहम्मद इकबाल का जन्म भारत के सियालकोट में एक कश्मीरी मुस्लिम परिवार में हुआ था। जन्म के समय भारत और पाकिस्तान एक ही देश थे, और यही कारण है कि मोहम्मद इकबाल की लेखनी में हमेशा भारत का गौरव और उर्दू का तालमेल देखने को मिला। मोहम्मद इकबाल की कविताओं में भले ही प्रेम और आत्मविश्वास देखने को मिला, लेकिन अपने शुरुआती दिनों में उनकी कलम में अंग्रेजों के शासन के खिलाफ विरोध झलकता था। उनकी कलम उर्दू में कविताएं लिखती, जिसमें भारतीय राष्ट्रवाद के प्रति उनकी प्रतिबद्धता साफ दिखती थी।

भले ही अपने शुरुआती समय में शायर इकबाल केवल उर्दू में कविताएं लिखीं, लेकिन साल 1903 तक आते-आते उन्होंने दर्शनशास्त्र, अंग्रेजी साहित्य और अरबी भाषा का ज्ञान प्राप्त कर लिया था और बतौर अरबी शिक्षक ओरिएंटल कॉलेज में काम भी किया। 1908 में उन्होंने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से दर्शनशास्त्र में डिग्री और म्यूनिख यूनिवर्सिटी से डॉक्टरेट की और एक बैरिस्टरशिप की योग्यता लेकर भारत एक वकील बनकर लौटे।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन श्रीलंका में तमिल समुदाय के लिए भारतीय आवास परियोजना का लिया जायजा

नई दिल्ली। भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन सोमवार को श्रीलंका के नुवारा एलिया पहुंचे। वहां वो इंडियन हाउसिंग प्रोजेक्ट की साइट्स देखने गए, जिसका मकसद भारतीय मूल के तमिल समुदाय की मदद करना है। यह दौरा श्रीलंका के साथ भारत के विकास और लोगों पर केंद्रित सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। उपराष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स हैंडल पर जानकारी दी गई, 'भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन आज श्रीलंका के नुवारा एलिया पहुंचे, जहां उन्होंने भारतीय मूल के तमिल समुदाय के लिए इंडियन हाउसिंग प्रोजेक्ट की साइट्स का दौरा किया।'

यह हाउसिंग पहल श्रीलंका में भारत के बड़े डेवलपमेंट असिस्टेंस फ्रेमवर्क का हिस्सा है, जिसका फोकस प्लांटेशन एरिया में तमिल परिवारों के रहने की स्थिति और इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट को बेहतर बनाने पर है। इससे पहले रविवार को, उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कोलंबो में राष्ट्रपति सचिवालय में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने पर बातचीत की। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच कई एमओयू पर हस्ताक्षर भी हुए। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत के उपराष्ट्रपति के श्रीलंका दौरे का क्या नतीजा रहा।

ए) मुल्लैतिवु में डिस्ट्रिक्ट जनरल हॉस्पिटल में चार-मंजिला मेडिकल वार्ड कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए एमओयू

बी) पूर्वी प्रांत के लिए मल्टी-सेक्टोरल ग्रांट असिस्टेंस के तहत प्रायोरिटी प्रोजेक्ट्स को लागू करने के लिए छह एमओयू- (1) पूर्वी प्रांत में बाटिक ट्रेनिंग सेंटर्स बनाकर महिला सशक्तीकरण पर एमओयू , (2) देहीट्टकांडिया के बेस हॉस्पिटल में प्रीमैच्योर बेबी यूनिट बनाने के लिए एमओयू, (3) मुथुर के बेस हॉस्पिटल में आंख, कान और मेंटल हेल्थ यूनिट बनाने के लिए एमओयू, (4) कॉन्ट्रैक्ट किसान क्लस्टर बनाने के लिए एमओयू, (5) सस्टेनेबल आयुर्वेद गांव बनाने के लिए एमओयू, (6) गोमरंकडावला में सेंट्रल आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी में वार्ड कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए एमओयू।

मिस्र व भारतीय सेना के संयुक्त प्रशिक्षण 'साइक्लोन-4' का समापन

नई दिल्ली। मिस्त्र के अंशास में आयोजित मिस्त्र-भारत संयुक्त प्रशिक्षण 'साइक्लोन-4' का समापन हो गया है। यह जानकारी मिस्त्र आधिकारिक सैन्य प्रवक्ता ने दी है। इसके साथ ही उन्होंने प्रशिक्षण से जुड़े फोटो और वीडियो भी साझा किए हैं।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सैद्धांतिक और व्यावहारिक घटकों का एक व्यापक मिश्रण शामिल था, जिसका उद्देश्य भाग लेने वाली सेनाओं के बीच परिचालन अवधारणाओं को एकीकृत करना और आपसी तालमेल को बढ़ाना था। इन गतिविधियों में विशेष व्याख्यान, उन्नत हथियारों और उपकरणों का प्रदर्शन और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइसेज को सुरक्षित और प्रभावी ढंग से संभालने का व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल था। इस अभ्यास का समापन एक बड़े पैमाने के सामरिक सिमुलेशन के साथ हुआ, जिसमें एक आवासीय क्षेत्र के भीतर स्थित आतंकवादियों के एक गढ़ पर हमला करने का अभ्यास किया गया। हेलीकॉप्टर की सहायता से भाग लेने वाली यूनिट्स ने सफलतापूर्वक समन्वित अभियान चलाए, जिनमें बंधकों को छुड़ाना, शत्रु तत्वों को बेअसर करना और उन्हें पकड़ना, हताहतों को सुरक्षित निकालना और उनका चिकित्सकीय उपचार करना शामिल था। अतिरिक्त अभ्यासों में स्थिर और गतिशील, दोनों ही परिस्थितियों में उन्नत निशानेबाजी क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया।

अतिरिक्त अभ्यासों में स्थिर और गतिशील दोनों स्थितियों में उन्नत निशानेबाजी क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया। सभी प्रतिभागियों के प्रदर्शन ने उच्च स्तर की व्यावसायिकता, तकनीकी दक्षता और परिचालन तत्परता को दर्शाया, जो सटीकता और कुशलता के साथ जटिल मिशनों को अंजाम देने की उनकी क्षमता को रेखांकित करता है। यह अभ्यास सशस्त्र बलों के विशेषज्ञता के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और सहयोगी एवं साझेदार देशों के साथ सैन्य सहयोग को मजबूत करने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। इस अभ्यास में मिस्त्र और भारत दोनों की विशिष्ट कमांडो इकाइयों ने भाग लिया और इसमें वरिष्ठ रेंजर्स कमांडरों के साथ-साथ काहिरा में भारतीय सैन्य अटैची भी उपस्थित थे। गौरतलब है कि भारतीय सेना का एक दस्ता मिस्त्र के भारत-मिस्त्र संयुक्त विशेष बल अभ्यास 'साइक्लोन-4' के चौथे संस्करण में भाग लिया, जिसका आयोजन 9 से 17 अप्रैल 2026 तक अंशास में किया गया था।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली ने होर्मुज स्ट्रेट खोलने के प्रयासों पर भारत के साथ मिलकर काम करने का दिया भरोसा

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने सोमवार को छपे एक इंटरव्यू में इस बात पर जोर दिया कि होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण कोरिया और भारत को मिलकर काम करने की जरूरत है। इसके साथ ही उन्होंने ग्लोबल सप्लाई चेन को स्थिर करने के लिए साथ मिलकर कोशिश करने की जरूरत पर भी जोर दिया।

योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी समिट बातचीत से पहले टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक लिखित इंटरव्यू में, उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चल रहे झगड़े की वजह से जरूरी शिपिंग रूट के पूरी तरह बंद होने से दुनिया भर में तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। इसके साथ ही जरूरी इंडस्ट्रियल मटीरियल की सप्लाई चेन भी बाधित हो रही है। ली ने कहा, 'कोरिया गणराज्य और भारत दोनों ही अपनी एनर्जी सप्लाई के एक बड़े हिस्से के लिए मिडिल ईस्ट पर निर्भर हैं, जिसमें कच्चा तेल और नेचुरल गैस शामिल हैं। इसलिए, जरूरी समुद्री रूट की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारे लोगों की सुरक्षा और हमारे देशों के अस्तित्व के लिए जरूरी है।' राष्ट्रपति ली ने कहा कि दक्षिण कोरिया, रणनीतिक रूट से सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितताओं को दूर करने के लिए एनर्जी सप्लाई चेन में विविधता लाने के लिए मल्टीलेटरल कोशिशों में भारत के साथ मिलकर काम करेगा। उन्होंने कहा, 'कोरिया भारत के साथ करीबी बातचीत बनाए रखेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सभी जहाज होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित और आसानी से गुजर सकें। हम इस साझा प्रतिबद्धता को बनाए रखने के लिए जरूरी अंतरराष्ट्रीय फोरम पर भी साथ मिलकर काम करते रहेंगे।'

इम्पोर्टेड एनर्जी और कच्चे माल पर भारी निर्भरता कम करने की कोशिशों के तहत, ली ने जरूरी मिनरल सप्लाई चेन में सहयोग बढ़ाने की उम्मीद जताई।

उन्होंने कहा, 'कच्चा माल इम्पोर्ट करने के पुराने मॉडल से आगे बढ़कर और कोरिया की तकनीक को भारत की माइनिंग और रिफाइनिंग उद्योग के साथ मिलाकर, हम स्थिर जरूरी-मिनरल सप्लाई चेन बना सकते हैं।'

राष्ट्रपति ली ने दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को गहरा करने और तालमेल बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिफेंस और शिपिंग और शिपबिल्डिंग इंडस्ट्री जैसे स्ट्रेटेजिक सेक्टर में सहयोग बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, 'इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल जैसे पारंपरिक सेक्टर के अलावा, हम शिपबिल्डिंग, फाइनेंस और डिफेंस इंडस्ट्री में भी सहयोग बढ़ाएंगे।'

पाकिस्तान : सिंध में ऑनर किलिंग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध में एक रिवाज का विरोध सड़क पर दिखने लगा है। प्रांत के अलग-अलग हिस्सों में 'कारो-कारी' (इज्जत के लिए हत्या) के नाम पर महिलाओं के साथ ज्यादती कीड्ड बढ़ती दर को लेकर गुस्सा है। अन्याय को बड़े पैमाने पर बेपर्दा करने के लिए अवाम विरोध प्रदर्शन के साथ ही नुक्कड़ नाटकों के जरिए आवाज बुलंद कर रही है। इस रिवाज के नाम पर महिलाओं की हत्या करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई जा रही है।

स्थानीय मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। मानवाधिकार संगठन 'सिविल सोसाइटी फॉर ट्रुथ, पीस एंड जस्टिस' ने रविवार को सिंध में रैलियां निकाल प्रदर्शन किया। पाकिस्तान के जाने-माने मीडिया आउटलेट डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, विरोध रैली में शामिल लोग हैदराबाद के लोकल प्रेस क्लब में इकट्ठा हुए।

यह विरोध खालिदा चंदियो, शुमैला चंदियो की कथित ऑनर किलिंग और एक मेडिकल छात्रा, फहमीदा लघारी के कथित सुसाइड के बाद किया गया था। विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों ने ऑनर किलिंग के सभी पीड़ितों के लिए इंसाफ की मांग की।

इस क्रूर रिवाज से जुड़ी बारीकियों को समझाने के लिए नुक्कड़ नाटक भी किया गया। विरोध प्रदर्शन के दौरान, कहा गया कि सिंध में 'कारो-कारी' रिवाज के तहत हत्याएं बिना रुके जारी हैं, जो टांडो मस्ती में खालिदा चंदियो और हाला में शुमैला चंदियो की हत्या से साफ है। उन्होंने बताया कि फहमीदा लघारी को इतना परेशान किया गया कि उन्होंने सुसाइड कर लिया और इस बात पर जोर दिया कि इसे हत्या माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कबायली जिरगा पर बैन लगा दिया गया था और सिंध सरकार ने महिलाओं के उत्पीड़न से जुड़े कई कानून पास किए थे; हालांकि, उन्हें ठीक से लागू नहीं किया गया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शैक्षिक संस्थानों में एंटी-हैरेसमेंट कमेटियां (उत्पीड़न विरोधी समिति) सक्रिय नहीं हैं।

पत्रकार, लेखक और प्रबुद्धजनों ने लरकाना के स्थानीय प्रेस क्लब से जिन्ना बाग चौक तक मार्च निकाला और यहां पहुंचकर एक प्रदर्शन भी किया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए, वक्ताओं ने कहा कि सिंध में 'कारो-कारी' रिवाज के तहत मारी गई महिलाओं को बिना सम्मान के दफना दिया जाता है, और सिंध में ऐसी घटनाएं बढ़ गई हैं।

ग्रीस में भारत के राजदूत नियुक्त किए गए 1995 बैच के आईएफएस अधिकारी रविशंकर

नई दिल्ली। 1995 बैच के आईएफएस अधिकारी रवि शंकर को ग्रीस में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। फिलहाल वह यूक्रेन में भारत के राजदूत के तौर पर अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी साझा की और बताया कि वह जल्दी ही अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे।

यूक्रेन में भारतीय राजदूत रविशंकर ग्रीस में रुद्रेंद्र टंडन की जगह लेंगे। रविशंकर जून 2023 से ग्रीस में राजदूत के रूप में काम कर रहे हैं। रविशंकर ने पहले भी कई अहम पदों पर जिम्मेदारी निभाई है। अगस्त 2024 में उन्हें यूक्रेन में भारत का राजदूत नियुक्त किया गया था।

उन्होंने युगांडा में 2017-2020 तक भारत के हाई कमिश्नर के तौर पर काम किया है। युगांडा में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्हें एक साथ बुरुंडी में राजदूत और रवांडा में हाई कमिश्नर के तौर पर भी नियुक्त किया गया था।

2013 से लेकर 2016 तक उन्होंने इटली में भारतीय दूतावास में सेवा दी। उन्होंने 2009-2012 तक हनोई, वियतनाम में, 2000 से लेकर 2004 तक ट्यूनिस, ट्यूनीशिया में और 1997 से लेकर 2000 तक पेरिस, फ्रांस में भारतीय मिशनों में काम किया है।

इसके अलावा, 2022 से 2024 तक विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (दक्षिण) के तौर पर दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के लिए जिम्मेदार डिवीजन के प्रमुख रहे। प्रेसिडेंट के सेक्रेटेरिएट में 2020 से 2022 तक भारत के राष्ट्रपति के संयुक्त सचिव-कम-सोशल सेक्रेटरी के तौर पर काम किया। 2020 में बहुपक्षीय आर्थिक संबंध के मामले में कुछ समय के लिए एनईआर डिवीजन को हेड किया। 2006 से लेकर 2009 तक विदेश राज्य मंत्री के चीफ स्टाफ ऑफिसर रहे।

भारत और ग्रीस के बीच औपचारिक राजनयिक संबंध मई 1950 में स्थापित हुए थे। ग्रीस ने कश्मीर मुद्दे पर भारत के रुख और यूएएससी में भारत की स्थायी सदस्यता का हमेशा समर्थन किया है। वहीं, भारत ने साइप्रस मुद्दे पर ग्रीस के पक्ष का समर्थन किया है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2023 में ग्रीस की यात्रा की थी। इस दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में बदला। इसके बाद फरवरी 2026 में ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस ने भारत का दौरा किया। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ग्रीस के रक्षा मंत्री निकोलाओस डेंडियास ने हाल ही में 9 फरवरी, 2026 को रक्षा औद्योगिक सहयोग के लिए एक संयुक्त आशय घोषणापत्र (जेडीआई) पर हस्ताक्षर किए।

बांग्लादेश में तेल संकट को लेकर बिगड़े हालात, पेट्रोल पंपों पर लंबी लाइनें लगीं

ढाका। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव का असर दुनिया के कई देशों पर पड़ रहा है। बांग्लादेश भी इससे अछूता नहीं है। बांग्लादेश में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों की लंबी कतारें लग रही हैं। तेल की कमी होने की आशंका के चलते लोग घबराहट में ईंधन खरीद रहे हैं, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। हालांकि, अधिकारियों ने बार-बार आश्वासन दिया है कि ईंधन की आपूर्ति स्थिर है, फिर भी स्थिति सामान्य नहीं हो पाई है। स्थानीय मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी।

सरकार ने 18 अप्रैल को पावर, एनर्जी और मिनरल रिसोर्स डिवीजन से जारी एक नोटिफिकेशन के जरिए कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की। डीजल की कीमत में प्रति लीटर 15 बांग्लादेशी टका की बढ़ोतरी की गई है, जबकि ऑक्टेन 20 टका, पेट्रोल 19 टका और केरोसिन 18 टका प्रति लीटर महंगा कर दिया गया है। नई दरें रविवार रात से लागू हो गई हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, प्राइवेट कार मालिकों, पब्लिक ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों और छोटे बिजनेस मालिकों समेत कई लोगों को फ्यूल भरवाने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे काम के समय और कमाई में काफी नुकसान हो रहा है।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने सीता अम्मन मंदिर में किया दर्शन-पूजन

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने श्रीलंका के सीता एलिया में स्थित सीता अम्मन मंदिर में दर्शन-पूजन किया। उपराष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी।

उपराष्ट्रपति ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा कि रामायण से जुड़ा यह मंदिर भारत और श्रीलंका के बीच गहरे सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों की एक सशक्त निशानी के रूप में विद्यमान है। उपराष्ट्रपति ने हनुमान कोविल में भी अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित किए; यह मंदिर अशोक वाटिका में देवी सीता से हनुमान जी के मिलन के दौरान पड़े उनके पवित्र पदचिह्नों को समर्पित है। उन्होंने लिखा कि पिछले वर्ष श्रीलंका यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से की गई उस घोषणा का स्मरण करते हुए, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत सरकार के सहयोग से सीता अम्मन मंदिर का जीर्णोद्धार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन 19 अप्रैल को दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर श्रीलंका पहुंचे हैं। यात्रा के पहले दिन उपराष्ट्रपति ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की थी।

उज्बेकिस्तान में युद्धाभ्यास, दोनों हाथों से फायरिंग, रॉकेट, ड्रोन व आतंकी ठिकानों पर वार

नई दिल्ली। भारतीय सेना के जवान उज्बेकिस्तान में दोनों हाथों से पिस्तौल चलाने का जौहर दिखा रहे हैं। सेना के ये जवान बेहद तेज गोलीबारी, रॉकेट से हमले, बिना हथियार का युद्ध व संगीन से लड़ाई जैसे घातक मिशन पूरे कर रहे हैं।

दरअसल यह मिशन उज्बेकिस्तान सेना के साथ एक महत्वपूर्ण युद्धाभ्यास में अंजाम दिए जा रहे हैं। यहां दोनों देशों की सेना युद्ध क्षेत्र में मानव रहित यंत्रों का उपयोग, शहरी क्षेत्र में 'फायर एंड मूव', घायल सैनिकों को सुरक्षित निकालने जैसे अभ्यास भी कर रही है। इसके अलावा ठिकानों की टोही और निगरानी, आतंकियों के भवन में घुसकर कार्रवाई, पर्वतारोहण, रस्सी के सहारे उतरना, स्नाइपर प्रशिक्षण और दिशा ज्ञान भी इस युद्धाभ्यास में शामिल है।

उज्बेकिस्तान में दोनों सेनाओं का यह संयुक्त युद्धाभ्यास 25 अप्रैल तक जारी रहेगा। भारत और उज्बेकिस्तान के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'डस्टलिक 2026' का यह सातवां संस्करण है। यह युद्धाभ्यास दोनों देशों की सेनाओं के बीच आपसी तालमेल, सामरिक दक्षता और संयुक्त अभियान क्षमता को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सेना के मुताबिक इस सैन्य अभ्यास का मुख्य उद्देश्य अर्ध-पहाड़ी क्षेत्रों में संयुक्त अभियानों की क्षमता को बढ़ाना है। इसके अंतर्गत दोनों देशों की सेनाएं दुश्मन के खिलाफ संयुक्त योजना निर्माण कर रही हैं। सामरिक अभ्यास किए जा रहे हैं। वहीं विशेष सैन्य हथियारों के उपयोग और अवैध सशस्त्र समूहों के विरुद्ध अभियान चलाने की रणनीतियों पर फोकस किया जा रहा है। अब तक के अभ्यास में जवानों ने क्षेत्र की जानकारी प्राप्त करने, एक-दूसरे की कार्यप्रणालियों और रणनीतियों का आदान-प्रदान करने के अलावा कई प्रकार के युद्ध कौशलों का अभ्यास किया है। भारत और उज्बेकिस्तान की सेनाओं के संयुक्त युद्धाभ्यास 'डस्टलिक' में आतंकवादी कार्रवाई का जवाब देने, छापेमारी, खोज और आतंकवादी ठिकाने नष्ट करने के सैन्य अभियान किए जा रहे हैं।

तमिलनाडु चुनाव : आज समाप्त होगा प्रचार, 4023 उम्मीदवार मैदान में

चेन्नई। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को विधानसभा चुनाव होने वाला है, जिसमें सभी 234 निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 4,023 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

यह चुनावी लड़ाई बहुकोणीय मुकाबले में तब्दील हो गई है, जिसमें द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके), अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (एआईएडीएमके), नाम तमिलर काची (एनटीके) और तमिल मनीला कांग्रेस (टीएमसी) सहित अन्य प्रमुख दल शामिल हैं।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस चुनाव में 573 करोड़ से अधिक मतदाता यानी ठीक 5,73,43,291 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं। मतदान को बढ़ावा देने और 100 प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, चुनाव आयोग ने राज्य भर में व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किए हैं।

मतदान में कुछ ही दिन शेष रहने के साथ ही राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं, शीर्ष नेता अपने-अपने दलों और उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने के लिए राज्य भर में भ्रमण कर रहे हैं। डीएमके के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी, एनटीके के मुख्य समन्वयक सीमान और टीवीके नेता विजय उन प्रमुख हस्तियों में शामिल हैं जो आक्रामक चुनाव प्रचार प्रयासों का नेतृत्व कर रहे हैं। यह चुनावी अभियान 21 अप्रैल को शाम 5 बजे समाप्त होने वाला है, जिसके साथ ही जन प्रचार का दौर भी खत्म हो जाएगा।

नेताओं ने प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में अपने अंतिम चुनावी कार्यक्रमों की योजना बना ली है। स्टालिन के कोलाथुर निर्वाचन क्षेत्र में अपना चुनाव प्रचार समाप्त करने की उम्मीद है, जबकि पलानीस्वामी सलेम जिले के एडप्पाडी में अपना जनसंपर्क अभियान पूरा करेंगे। इस चुनाव में काफी सुर्खियां बटोरने वाले विजय चेन्नई के नंदनम इलाके में अपना चुनाव प्रचार समाप्त करेंगे। चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद, चुनाव आयोग का ध्यान मतदान की तैयारियों पर केंद्रित होगा।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने किया संस्कृत भारती के केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन, भाषा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने संस्कृत भारती के केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया। संस्कृत भारती के केंद्रीय कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर देश के कई प्रमुख नेताओं और विद्वानों ने संस्कृत भाषा के महत्व पर जोर दिया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'यदि देश में अधिकतर कार्य संस्कृत में होने लगें, तो यह भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। संविधान निर्माण के समय डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संस्कृत को राष्ट्रभाषा बनाने का प्रयास किया था। जोशी के अनुसार संस्कृत न केवल भारत की, बल्कि पूरे विश्व की प्राचीन धरोहर है।'

कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय संरक्षक दिनेश चंद्र ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि संस्कृत को राष्ट्रभाषा का दर्जा मिलना चाहिए। संस्कृत को राष्ट्रभाषा होना चाहिए। इंद्रप्रस्थ का विकास पांडवों की कड़ी मेहनत से हुआ था, इसलिए उस आधार पर, इंद्रप्रस्थ नाम पर विचार किया जाना चाहिए। दिनेश चंद्र ने कहा, 'संस्कृत को दुनिया की मूल भाषा माना जाता है। कई भारतीय और वैश्विक भाषाओं की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है। संस्कृत भारती का उद्देश्य दुनिया भर में संस्कृत को बढ़ावा देना है। वेदों जैसे मूलभूत ग्रंथों से लेकर अन्य शास्त्रीय कृतियों तक, ज्ञान संस्कृत में ही संरक्षित है।' दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा, 'संस्कृत भारती का आज दिल्ली में उद्घाटन हो रहा है। यह सौभाग्य की बात है कि संचालक द्वारा इसका उद्घाटन हो रहा है। संस्कृत का बहुत बड़ा स्थान है। विश्व की बहुत सारी भाषाएं संस्कृति से निकली हुई हैं और संस्कृत का उपयोग लोग अपने दिनचर्या में भी थोड़ा-थोड़ा उपयोग करने लगे हैं और यह हमारे लिए गौरव की बात है।' उन्होंने कहा कि इससे संस्कृति को देश में बढ़ाने के लिए और इसके महत्व को बढ़ाने के लिए यह बहुत बड़ा योगदान है। आज यहां कार्यालय का उद्घाटन हो रहा है।

उत्तर प्रदेश में 40 आईएएस अफसरों के तबादले, 15 जिलों के डीएम भी बदले

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा हेरफेर किया है। सीएम योगी के निर्देश पर देर रात 40 आईएएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। इनमें 15 जिलों के डीएम और 5 जिलों के सीडीओ का भी ट्रांसफर हुआ है। वहीं, परिवहन आयुक्त समेत दो कमिश्नर और 1 प्रमुख सचिव और 4 विशेष सचिव के स्तर पर भी तबादला हुआ है।

उन्नाव के जिलाधिकारी गौरांग राठी को झांसी का डीएम, विशेष सचिव ऊर्जा इंद्रजीत सिंह को सुल्तानपुर का डीएम नियुक्त किया गया है, जबकि सुल्तानपुर के डीएम कुमार हर्ष को बुलंदशहर भेजा गया है। विशेष सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक अन्नपूर्णा गर्ग को श्रावस्ती का डीएम बनाया गया है। झांसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष आलोक यादव को शामली का डीएम तथा शामली के डीएम अरविंद कुमार चौहान को सहारनपुर का डीएम नियुक्त किया गया है। हापुड़ पिलखुआ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नितिन गौड़ को अमरोहा का डीएम बनाया गया है।

इसी तरह विशेष सचिव खाद्य एवं रसद अभिषेक गोयल को हमीरपुर का डीएम, निदेशक बाल विकास एवं पुष्टाहार सरनीत कौर ब्रोका को रायबरेली का डीएम और अमरोहा की डीएम निधि गुप्ता वत्स को फतेहपुर का डीएम बनाया गया है। हमीरपुर के डीएम घनश्याम मीणा को उन्नाव, मैनपुरी के डीएम अंजनी कुमार सिंह को लखीमपुर खीरी और औरैया के डीएम डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी को मैनपुरी का डीएम नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री के विशेष सचिव बृजेश कुमार को औरैया का डीएम बनाया गया है। सहारनपुर के डीएम मनीष बंसल को आगरा भेजा गया है, जबकि आगरा के डीएम अरविंद मल्लप्पा बांगरी को मुख्यमंत्री का विशेष सचिव बनाया गया है।

भारतीय रेलवे के प्रोबेशनरी अधिकारियों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से की मुलाकात

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे के प्रोबेशनरी अधिकारियों और केंद्रीय इंजीनियरिंग सेवा (सड़कें) के सहायक कार्यकारी इंजीनियरों ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन की ओर से सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी गई।

राष्ट्रपति भवन के ऑफिशियल 'एक्स' अकाउंटस से जानकारी दी गई कि भारतीय रेलवे के प्रोबेशनरी अधिकारियों और केंद्रीय इंजीनियरिंग सेवा (सड़कें) के सहायक कार्यकारी इंजीनियरों ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने कहा कि रेलवे और राजमार्ग केवल परिवहन के साधन मात्र नहीं हैं, वे आर्थिक विस्तार, सामाजिक समावेश और राष्ट्रीय एकीकरण के माध्यम हैं। राष्ट्रपति ने अधिकारियों से लोक सेवा के मूल्यों, जैसे कि सत्यनिष्ठा, जवाबदेही और उत्कृष्टता के प्रति समर्पण को बनाए रखने का आग्रह किया। सोमवार को दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग और उनकी पत्नी किम हे-क्युंग का राष्ट्रपति भवन पहुंचे। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति का गर्मजोशी से स्वागत किया। इससे पहले 16 अप्रैल को ऑस्ट्रिया के संघीय चांसलर डॉ. क्रिश्चियन स्टॉकर ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की थी। इस दौरान भारत-ऑस्ट्रिया संबंधों को और मजबूत करने तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई थी। राष्ट्रपति ने कहा था कि भारत और ऑस्ट्रिया ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्थाएं हैं और विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा नवाचार के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि यह यात्रा भारत और ऑस्ट्रिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों के सभी महत्वपूर्ण आयामों को गति प्रदान करेगी।

एनसीआर में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार, दो दिन बाद हीट वेव का येलो अलर्ट, हवा भी हो रही जहरीली

नोएडा। एनसीआर क्षेत्र में गर्मी ने अब अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक आज से ही अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है और आने वाले दिनों में इसमें और बढ़ोतरी होने की संभावना है।

मौसम विभाग ने दो दिन बाद से हीट वेव को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। आईएमडी की रिपोर्ट के अनुसार, 20 और 21 अप्रैल को एनसीआर में अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम 21 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। इन दिनों आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा और किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की गई है।

हालांकि 22 अप्रैल से मौसम का मिजाज और अधिक गर्म हो जाएगा। इस दिन तापमान बढ़कर 42 डिग्री/22 डिग्री तक पहुंच सकता है और पूरे दिन हीट वेव का प्रभाव रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार 22 अप्रैल को पूर्वाह्न, दोपहर और शाम—तीनों समय लू चलने की संभावना जताई गई है। 23 और 24 अप्रैल को भी स्थिति में सुधार की उम्मीद नहीं है। इन दिनों अधिकतम तापमान 42 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री तक रह सकता है। 24 अप्रैल को नमी (ह्यूमिडिटी) भी बढ़कर 70 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे उमस भरी गर्मी लोगों की परेशानी और बढ़ा सकती है। मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि दोपहर के समय घर से बाहर निकलने से बचें और पर्याप्त पानी का सेवन करें। इसी बीच, एनसीआर में वायु गुणवत्ता भी चिंताजनक होती जा रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और अन्य एजेंसियों के आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) मध्यम से खराब श्रेणी में पहुंच चुका है।

आनंद विहार में एक्यूआई 282, अशोक विहार में 226 और बवाना में 218 दर्ज किया गया। वहीं आया नगर में एक्यूआई 169 रहा, जो मध्यम श्रेणी में आता है। नोएडा की बात करें तो सेक्टर-1 में एक्यूआई 233, सेक्टर-116 में 209, सेक्टर-125 में 185 और सेक्टर-62 में 182 रिकॉर्ड किया गया है। गाजियाबाद में हालात और ज्यादा खराब नजर आ रहे हैं, जहां लोनी में एक्यूआई 321 और वेद विहार-लोनी में 317 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। इसके अलावा गोविंदपुरम में 257 और वसुंधरा में 234 एक्यूआई दर्ज किया गया।

विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ते तापमान और धीमी हवा की गति के कारण प्रदूषक तत्व वातावरण में जमा हो रहे हैं, जिससे हवा की गुणवत्ता बिगड़ रही है। ऐसे में बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। एनसीआर में आने वाले दिन गर्मी और प्रदूषण- दोनों ही मोर्चों पर चुनौतीपूर्ण रहने वाले हैं। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे जरूरी सावधानियां बरतें और मौसम विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

पटना में विपक्ष के खिलाफ महिलाओं ने निकाला आक्रोश मार्च, कहा-देश की आधी आबादी का किया अपमान

पटना। लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक (131वां संशोधन) पारित न होने के विरोध में भाजपा की ओर से बिहार में 'जन आक्रोश महिला मार्च' निकाला जा रहा है। मार्च में शामिल होने के लिए पटना के गांधी मैदान स्थित कारगिल चौक पर बड़ी संख्या में महिलाएं एकत्रित हुई हैं। इस दौरान महिलाओं ने हाथों में तख्तियां थीं, जिसमें विधेयक को लेकर बातें लिखी गई थीं। वहीं, एक महिला ने अपने आपको बेड़ियों में कैद करके अनोखा प्रदर्शन किया। जन आक्रोश मार्च में शामिल होने पहुंची भाजपा नेता श्रेयसी सिंह ने कहा, 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम पूरे भारत की महिलाओं के लिए एक खुशी का पल लेकर आया। 17 अप्रैल को सदन में बिल नहीं गिरा बल्कि नारियों की आंखों में इंडी गठबंधन के नेताओं का सम्मान गिरा है। विपक्ष मंच से आधी आबादी का नारा बुलंद करते हैं और आप चुनावों से पहले महिलाओं को लेकर लोकलुभावने वादे करते हैं। लेकिन जब महिला की राजनीतिक भागीदारी की बात आती है तो बिल पारित नहीं होने देते हैं। मेज और ताली बजाकर मुस्कुराते हुए जश्न मनाते हैं कि हमने हमारी नारी का सम्मान नहीं होने दिया। यह पूरे देश की महिलाओं का अपमान है।' भाजपा सांसद धर्मशीला गुप्ता ने कहा, 'राहुल गांधी के इशारे पर और उनके सहयोगी विपक्षी दल ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल को रोक कर देश के महिलाओं के अधिकार को छीनने का काम किया है। उनके मन और नीति में खोट है। वे (राहुल गांधी) नहीं चाहते हैं कि देश की महिलाओं को नेतृत्व का अवसर मिले, उनको सिर्फ सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी दिखती हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज के अंतिम और वंचित महिलाओं को आगे लाना चाहते हैं। भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं को अवसर देती है। आरक्षण विधेयक को लेकर विपक्ष ने घिनौना काम किया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी महिला होते हुए भी बिल को रोकने का काम किया है। इसको लेकर देश की महिलाएं उग्र हैं और देश भर में आक्रोश मार्च निकाला जाएगा।'

बिहार सरकार में मंत्री रामकृपाल यादव ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'आज महिलाओं का 'जन आक्रोश मार्च' पटना में निकाला जा रहा है। कांग्रेस ने महिलाओं के अधिकारों के खिलाफ काम किया है। इन लोगों ने एक गंभीर गलती की है।'

बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा, 'आज हमारी बहनें पटना में बड़ा आक्रोश मार्च निकाल रही हैं। देश की बहनों को जैसे अपमानित किया गया।

जिन नेताओं ने महिला आरक्षण बिल का विरोध किया है, उनके घर की महिलाएं भी आज दुखी हैं। यह विरोध सिर्फ पटना तक सीमित नहीं रहेगा जिलों और प्रखंडों तक जाएगा।' जेडीयू नेता नेता श्रवण कुमार ने कहा, 'पूरे देश में विरोध मार्च निकाले जाने चाहिए।

इम्फाल में निकाली गई रैली में तोड़फोड़, पथराव और आगजनी करने वाले 21 उपद्रवी गिरफ्तार

इम्फाल। मणिपुर में एक बार फिर अशांति का माहौल है। राजधानी इम्फाल में रैली के दौरान उपद्रव मचाने वाले उपद्रवियों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 21 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा अन्य की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

मणिपुर पुलिस ने बताया कि 18 अप्रैल को इम्फाल-जिरीबाम सड़क पर एक मशाल रैली निकाली गई थी। पटसोई से सगोलबंद तक निकाली गई रैली का आयोजन विभिन्न नागरिक समाज संगठनों द्वारा किया गया था। रैली के दौरान भीड़ हिंसक हो गई और उसने पुलिसकर्मियों पर पथराव किया, पेट्रोल बम फेंके, गुलेल और बड़े पत्थरों का इस्तेमाल किया। इस उपद्रव में कई लोग घायल हो गए थे। इस दौरान, सुरक्षा बलों के सरकारी वाहनों में तोड़फोड़ की गई थी। इस हमले में सीआरपीएफ की 232वीं बटालियन के तीन जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद भीड़ को तितर-बितर कर दिया गया और स्थिति को नियंत्रण में लाया गया। मणिपुर पुलिस ने इस घटना के संबंध में 21 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

वहीं, 18 अप्रैल को मणिपुर में जातीय तनाव के बीच उखरुल जिले में अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने गोलीबारी कर दो नागा नागरिकों की हत्या कर दी थी। यह घटना इम्फाल-दीमापुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच- 2) पर उस समय हुई जब वाहन उखरुल की ओर जा रहे थे। मृतकों की पहचान चीनाओशांग शोखवुंगनाओ (45) और यारुइंगम वाशुम (42) के रूप में हुई थी।

दिल्ली पुलिस ने गांजा सप्लाई नेटवर्क का किया भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। किशनगढ़ पुलिस ने गांजा सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में पुलिस ने एक ड्रग सप्लायर और दो ड्रग पेडलर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस की ओर से जानकारी दी गई कि ड्रग सप्लायर 20 वर्षीय रोचिल और ड्रग पेडलर ओरजित लामा, पुलोटो के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से 3.142 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया।

पुलिस ने बताया कि 4 अप्रैल को पुलिस की एक टीम ने किशनगढ़ के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोका। उन व्यक्तियों की जांच और तलाशी लेने पर, उनके कब्जे से प्रतिबंधित गांजा बरामद किया गया। किशनगढ़ थाने में इनके खिलाफ केस दर्ज किया गया। जांच के दौरान एक सह-आरोपी के. कैनाका रोचिल को भी गिरफ्तार किया गया, जिसने इस प्रतिबंधित पदार्थ की आपूर्ति की थी। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान पता चला कि आरोपी इस इलाके में गांजे के स्थानीय वितरण में सक्रिय रूप से शामिल थे। आरोपी के कैनाका रोचिल अपने जान-पहचान वालों से मिले ड्रग को सप्लाई करता था। आरोपी पुलोटो, रोचिल से ड्रग खरीदकर आगे सप्लाई करता था। जबकि आरोपी ओरजित ड्रग को छोटे-छोटे पैकेटों में पैक कर सड़कों पर बेचता था।

माथे पर चंद्र धारण कर सजे बाबा महाकाल, सोमवार के दिन भक्तों ने बड़ी संख्या में किए दर्शन

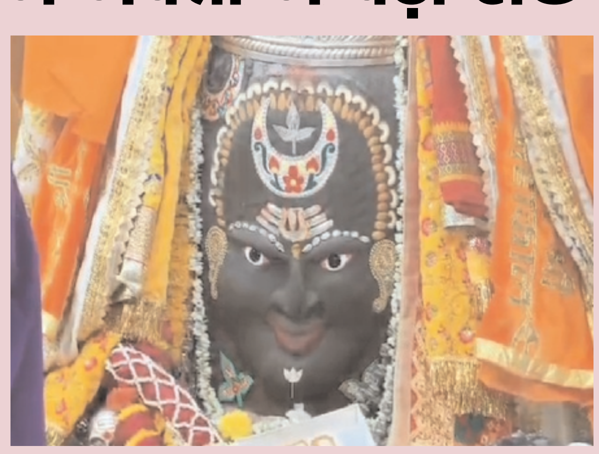

उज्जैन। उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकालेश्वर मंदिर में सोमवार को भक्तों की भारी भीड़ दर्शन करने के लिए पहुंच रही है।

सोमवार होने की वजह से सामान्य दिनों की तुलना में भक्त सुबह से बाबा के दर्शन के लिए लंबी लाइनों में लगे हैं। आज की भस्म आरती में भी बाबा के निराकार और साकार रूप के दर्शन कर भक्त का मन आनंद से भर गया और पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकालेश्वर में भस्म आरती से पहले वीरभद्र से आज्ञा लेकर मंदिर के कपाट खोले गए और फिर बाबा को हरिओम जल चढ़ाया गया। हरिओम जल कोटितीर्थ कुंड से लाया जाता है, जो मंदिर परिसर के भीतर ही बना है। इसके बाद पंचामृत से अभिषेक किया गया और भांग और सूखे मेवे से महाकाल का शृंगार किया गया। बाबा के मस्तक पर बेलपत्र और चंद्र बाबा को धारण कराए गए त्रिपुर तिलक लगाया गया, वस्त्र उड़ाने के बाद भस्म आरती संपन्न हुई। आज सोमवार होने के चलते बड़ी संख्या में भक्त बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचे थे और भस्म आरती में बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। बता दें कि प्रतिदिन भस्म आरती के बाद बाबा का दिव्य शृंगार किया जाता है, जिसके दर्शन के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। अक्षय तृतीया के दिन बाबा का शृंगार शेषनाग के साथ किया गया था। भस्म आरती महाकाल मंदिर की सबसे विशेष आरती होती है। इस आरती में बाबा साकार और निराकार दोनों रूपों में भक्तों को दर्शन देते हैं। बाबा का निराकार रूप जन्म और मृत्यु के परे माना जाता है, लेकिन बाबा का साकार रूप सांसारिक होता है। बाबा के ये दोनों रूप संसार के दो अलग-अलग पहलुओं को दिखाते हैं। गर्मियों के चलते भस्म आरती के नियमों में बदलाव कर दिए गए हैं। अब भस्म आरती के लिए ऑनलाइन बुकिंग एक दिन पहले की जा सकेगी। पहले भक्त मंदिर के काउंटर पर पहुंच कर भस्म आरती की टिकट लेते थे, लेकिन अब एक दिन पहले सीमित शुल्क के साथ भस्म आरती की टिकट ली जा सकती हैं।

सप्लाई चेन में नई उपलब्धि आईआईटी की मदद से ड्रोन द्वारा हुई सामान की डिलीवरी

नई दिल्ली। भारत के सप्लाई चेन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि दर्ज की गई है। देश में ड्रोन के जरिए हवाई मार्ग से सामान पहुंचाने की नई तकनीक को परखा गया। इस काम में एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय कूरियर कंपनी और मद्रास का प्रमुख तकनीकी संस्थान एक साथ आए।

इस परीक्षण का मकसद यह देखना था कि भीड़भाड़ वाले शहरी माहौल में ड्रोन के जरिए सामान कितनी तेजी और सुरक्षित तरीके से पहुंचाया जा सकता है। आईआईटी के मुताबिक आम तौर पर जहां किसी पैकेज को पहुंचाने में एक घंटे या उससे ज्यादा समय लग जाता है, वहीं ड्रोन की मदद से यह काम केवल कुछ मिनटों में पूरा हो गया। सोमवार को इस विषय में जानकारी देते हुए केंद्र सरकार ने बताया कि यह परीक्षण बैंगलुरु में किया गया।

परीक्षण के दौरान ड्रोन ने तय रास्ते पर उड़ान भरकर एक जगह से दूसरी जगह तक पैकेज पहुंचाया। इसमें खास बात यह रही कि ड्रोन ने ट्रैफिक, सिग्नल और सड़कों की भीड़ जैसी समस्याओं से पूरी तरह बचते हुए सीधी उड़ान भरी। आईआईटी मद्रास का कहना है कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य भविष्य में सप्लाई चेन यानी सामान पहुंचाने की पूरी व्यवस्था को तेज, सस्ता और ज्यादा भरोसेमंद बनाना है।

यह तकनीक खास तौर पर जीवन रक्षक दवाइयों, जरूरी सामान और इमरजेंसी डिलीवरी के लिए यह बहुत उपयोगी साबित हो सकती है। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि अगर इस तरह की ड्रोन सेवा बड़े स्तर पर शुरू होती है, तो शहरों में डिलीवरी का तरीका पूरी तरह बदल सकता है। इससे समय की बचत होगी, लागत कम होगी और लोगों को तेजी से सेवाएं मिल सकेंगी। फिलहाल यह परीक्षण देश में शहरी ड्रोन डिलीवरी की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

आने वाले समय में इसके और बड़े स्तर पर इस्तेमाल की उम्मीद जताई जा रही है। इस पहल का एक उद्देश्य जटिल शहरी क्षेत्रों में उच्च गति वाले ड्रोन संचालन की व्यवहारिकता को परखना भी था। इसके अलावा हवाई मार्गों के उपयोग को समझना और पारंपरिक सड़क आधारित आपूर्ति का विकल्प विकसित करना भी इसका लक्ष्य है। यह तरीका भीड़भाड़ वाले मार्गों पर निर्भरता कम करेगा और सामान आपूर्ति की गति को बढ़ाएगा।

यह ड्रोन परीक्षण बेंगलुरु के इलेक्ट्रॉनिक सिटी चरण 2 से लेकर बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा क्षेत्र के पास स्थित एक स्थान के बीच किया गया।

यह एक मध्यम दूरी (मिड माइल) लॉजिस्टिक्स सेवा का परीक्षण था, जिसमें शहर के भीतर सामान को एक प्रमुख बिंदु से दूसरे बिंदु तक पहुंचाने की क्षमता परखी गई। यह परीक्षण एक विशेष अनुसंधान ढांचे के अंतर्गत किया गया, जहाँ शहरी हवाई क्षेत्र में ड्रोन की सुरक्षित और कुशल उड़ान का मूल्यांकन किया गया।आईआईटी के अनुसार, सड़क मार्ग से लगभग 53 किलोमीटर की दूरी तय करने में सामान्यत 60 मिनट से अधिक समय लगता है। लेकिन ड्रोन के माध्यम से यह दूरी हवाई मार्ग से लगभग 39 से 42 किलोमीटर रह गई।

परीक्षण के दौरान एक तरफ की यात्रा लगभग 21 मिनट में पूरी की गई। इससे स्पष्ट हुआ कि समय संवेदनशील आपूर्ति के लिए यह तकनीक अत्यंत प्रभावी हो सकती है और इसमें बड़े स्तर पर सुधार की संभावना है। हालाँकि ड्रोन ने हवाई अड्डे के ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में उड़ान भरी जिन्हें येलो और रेड जोन कहा जाता है।

कच्चा पपीता शरीर की सूजन और टॉक्सिन कम करने में प्रभावी, जानें सेवन से जुड़ी सावधानियां

नई दिल्ली। पके पीले पपीते के सेवन के लाभ के बारे में सभी जानते हैं, लेकिन कच्चा पपीता पके हुए पपीते की तुलना में अधिक फायदेमंद है।

कच्चा पपीता एक बहुउपयोगी और पोषक तत्वों से भरपूर फल है जो सही तरीके से सेवन करने पर पाचन और संपूर्ण स्वास्थ्य को लाभ पहुंचाता है। इसमें मौजूद फाइबर, विटामिन सी, कैरोटीनॉयड और प्राकृतिक एंजाइम इसे बाकी फलों की तुलना में ज्यादा पौष्टिक बनाते हैं। यही कारण है कि आयुर्वेद में कच्चे पपीते को दवा की उपाधि दी गई है, लेकिन सेवन से सावधानी बरतना भी उतना ही जरूरी है।

अगर खाना खाने के बाद गैस में भारीपन लगता है और भूख भी धीरे-धीरे कम होती जा रही है, तो कच्चे पपीते का सेवन करना अच्छा रहेगा। इसे सब्जी के रूप में खाया जा सकता है। यह पाचन को दुरुस्त करने और भूख को बढ़ाने में भी सहायक है। यह मंद पाचन शक्ति को मजबूत करता है, जिससे खाना अच्छे से पचता है। पके पपीते की तुलना में कच्चे पपीते में पापेन नाम का एंजाइम होता है, जो खाने को, खासकर प्रोटीन को जल्दी से तोड़कर पचाने में मदद करता है।

कच्चे पपीते के सेवन से वजन भी नियंत्रित रहता है। पपीते में कैलोरी कम होती है और फाइबर बहुत ज्यादा होता है। यही कारण है कि इसके सेवन के बाद पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है। अगर ओवरइटिंग की आदत है, तब भी इसका सेवन शरीर के लिए लाभदायक होता है।कच्चा पपीता शरीर की अंदरूनी सूजन को भी कम करने में मदद करता है। इसके सेवन से शरीर के टॉक्सिन निकलते हैं और आंतरिक सूजन भी कम होती है। इससे शरीर में रक्त शुद्धि भी होती है और चेहरा चमक उठता है। महिलाओं के जीवन में कच्चा पपीता महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि महिलाओं में हॉर्मोन असंतुलन की समस्या सबसे अधिक देखी जाती है, लेकिन इसके सेवन का सही तरीका जानना भी जरूरी है।

इसका सेवन कम ही मात्रा में करना चाहिए। गर्भावस्था या फिर अगर बेबी प्लान कर रही हैं, तो डॉक्टर की सलाह पर ही पपीते का सेवन करें। इसका सेवन जूस, सलाद, सूप या फिर पेठे के रूप में किया जा सकता है। हालांकि इसे कच्चा खाने से बचें और उबालकर ही सेवन करें।

कंधों और पीठ की मांसपेशियों को लचीला बनाने में सहायक है अष्टांग नमस्कारासन, जानें करने की सही विधि

नई दिल्ली। 21 जून को होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले लगातार आयुष मंत्रालय अच्छी सेहत और संतुलित जीवन के लिए लोगों को जागरूक कर रहा है।

आयुष मंत्रालय की तरफ से योग के फायदे और उसे सही तरीके से करने की जानकारी दी जा रही है। मंत्रालय की तरफ से '365 डे योगा' हैशटैग भी चलाया जा रहा है और देश के अलग-अलग राज्यों में मई के महीने में योग की कार्यशाला भी आयोजित की जाएंगी। अब मंत्रालय ने अष्टांग नमस्कारासन के फायदे बताए हैं, जिसे करने से शरीर संतुलित रहता है।

आयुष मंत्रालय की तरफ से जारी पोस्ट के मुताबिक, अष्टांग नमस्कारासन संतुलन, शक्ति और समर्पण सिखाता है और हर कदम के साथ आंतरिक सामंजस्य के करीब लाता है। यह शरीर को स्थिर करता है और सांसों को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। इसके लिए पहले जमीन पर उल्टा लेट जाएं और ठोड़ी को जमीन पर टिका लें। पैरों को बिल्कुल सीधा रखें और कूल्हे वाले हिस्से को धीरे-धीरे ऊपर की तरफ उठाएं। ध्यान रखें कि जमीन पर सिर्फ हाथ, ठोड़ी, छाती, पैर की

उंगलियां और घुटने ही टिके होने चाहिए। कूल्हे वाला हिस्सा ऊंचा उठा होना चाहिए।

इस पोज को कुछ देर होल्ड करके रखें और गहरी सांस लें। इस पोजीशन से सीधे कोबरा पोज में वापस लौटें और कमर पर खिंचाव महसूस करें। इस पोज को करने से कमर से लेकर कंधे की मांसपेशियों में आराम मिलता है और अकड़न कम होती है। अगर आप लंबे समय तक एक ही पोजीशन में बैठकर काम करते हैं, तो यह आपके लिए लाभकारी रहेगा।

अष्टांग नमस्कारासन सूर्य नमस्कार का छठा आसन है, जिसे 'आठ अंगों वाला आसन' भी कहते हैं। इसमें शरीर के आठ अंग—दोनों पैर के अंगूठे, दोनों घुटने, दोनों हथेलियां, छाती और ठोड़ी जमीन को स्पर्श करते हैं। यह योग शक्ति और समर्पण का प्रतीक माना जाता है।

अष्टांग नमस्कारासन करने से बाजुओं, कंधों और पीठ की मांसपेशियां मजबूत और लचीली बनती हैं और हड्डियों से चटचट की आवाज आने की परेशानी में भी राहत मिलती है। इसके साथ ही यह मांसपेशियों में रक्त का संचार भी ठीक करती है।

मत्स्यासन क्या है? जानें इसे करने का सही तरीका और फायदे

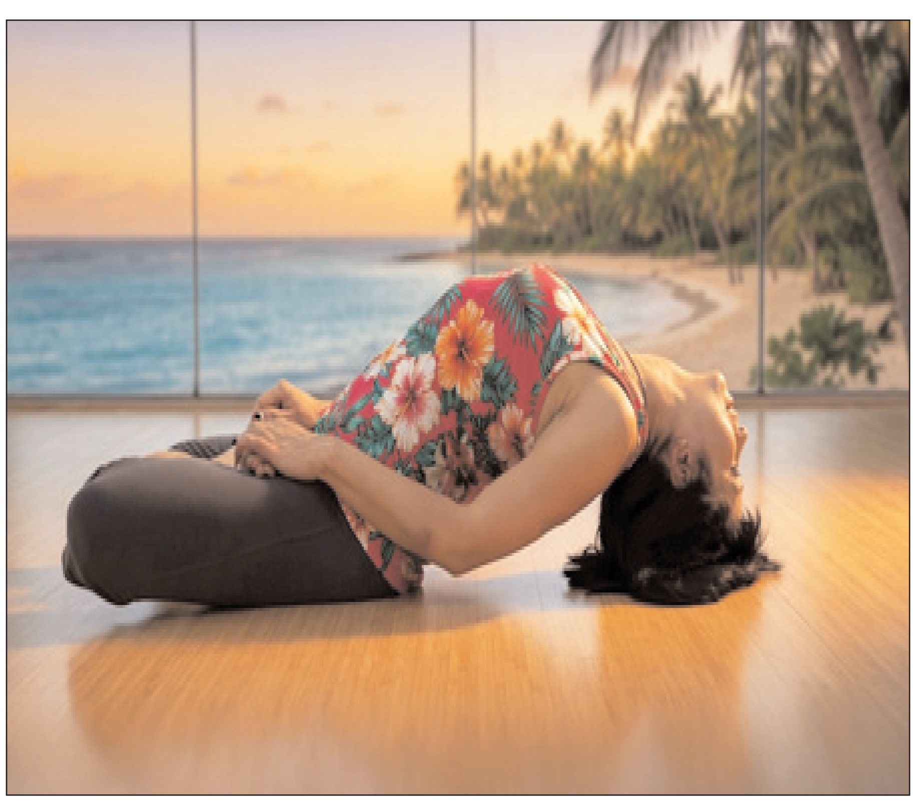

नई दिल्ली। योग सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है। इन्हीं में से एक मत्सायन एक ऐसा योगासन है, जो पेट की चर्बी कम करने और रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने में मददगार होता है।

मत्सयासन दो शब्दों से मिलकर बना है।'मत्स्य', जिसका अर्थ है 'मछली', और 'आसन', जिसका अर्थ है 'मुद्रा'। यह एक ऐसा आसन है जिसमें शरीर का आकार मछली की भांति नजर आता है, इसलिए इसे मत्स्यासन कहा जाता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी इसे महत्वपूर्ण योगासन की श्रेणी में रखा है। उनके अनुसार, यह योगासन करने से छाती, गर्दन और पेट संबंधी स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से फायदेमंद माना जाता है। यह आसन फेफड़ों की कार्यक्षमता को बढ़ाता है और रीढ़ की हड्डी में लचीलापन लाता है।

शुरुआती अभ्यासकर्ता इसे विशेषज्ञ की देखरेख पर ही करें। इसे करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं। पैर सीधे रखें और अपने हाथों को कूल्हों के नीचे रखें और हथेलियां नीचे की ओर ले जाएं। कोहनियों से सहारा लेकर सांस भरते हुए छाती और सिर को ऊपर उठाएं। सिर के पिछले हिस्से को जमीन पर टिकाएं, लेकिन वजन कोहनियों पर रखें (गर्दन पर दबाव न डालें)। अपनी क्षमता अनुसार कुछ सेकंड तक इसी मुद्रा में रहें, गहरी सांस लें। सामान्य स्थिति में लौटें। शुरुआत में 3-5 बार दोहराएं।

शुरु में इसे 10-15 सेकंड तक ही करें और धीरे-धीरे समय बढ़ाएं, जिससे शरीर को आराम मिलेगा। मत्स्यासन को सूर्य नमस्कार या अन्य आसनों के साथ मिलाकर अभ्यास करने से इसके फायदे कई गुना बढ़ जाते हैं। सुबह के समय खाली पेट इस आसन का अभ्यास सबसे अच्छा माना जाता है। यदि आप रोजाना सिर्फ 5-10 मिनट भी मत्स्यासन का अभ्यास करेंगे, तो आपका शरीर स्वस्थ, लचीला और ऊर्जावान होगा।

गर्दन या पीठ की गंभीर समस्या वाले लोग बिना डॉक्टर या योग गुरु की सलाह के यह आसन न करें। हाई ब्लड प्रेशर या हृदय रोग से पीड़ित व्यक्ति सावधानी बरतें। वहीं, गर्भावस्था में इस आसन से बचना चाहिए।

स्वस्थ लिवर है सेहतमंद जीवन की नींव, रोजाना करें ये 10 आसान योगासन

नई दिल्ली, । लिवर हमारे शरीर का 'फिल्टर' होता है जो खून को साफ करता है, पाचन में मदद करता है और कई जरूरी रसायनों का संतुलन बनाए रखता है। अगर लिवर कमजोर हो जाए तो थकान, पाचन खराब होना, त्वचा संबंधी समस्याएं और कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं। ऐसे में योग एक बहुत अच्छा सहारा बन सकता है।

स्वस्थ लिवर के लिए योगिक प्रबंधन एक बहुत ही सरल, प्राकृतिक और प्रभावी तरीका है जिससे हम अपने शरीर के इस महत्वपूर्ण अंग को लंबे समय तक स्वस्थ रख सकते हैं। सबसे पहले बात करते हैं कुंजल क्रिया की। यह एक शुद्धिकरण प्रक्रिया है जिसमें गुनगुने पानी को पीकर उल्टी के माध्यम से पेट की सफाई की जाती है। इससे पेट और लिवर पर जमा विषैले पदार्थ बाहर निकलते हैं और शरीर हल्का महसूस करता है।

इसके बाद त्रिकोणासन आता है। इस आसन में शरीर त्रिकोण की तरह बनता है। यह लिवर और पाचन तंत्र को सक्रिय करता है और पेट की चर्बी कम करने में भी मदद करता है। गोमुखासन भी बहुत उपयोगी है। इसमें शरीर की मांसपेशियों में खिंचाव आता है और यह लिवर के आसपास रक्त संचार को बेहतर करता है। इससे शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

शशकासन (खरगोश की मुद्रा वाला आसन) मन को शांत करता है और पेट के अंगों पर हल्का दबाव डालकर पाचन क्रिया को सुधारता है।

सही पोषण से रोका जा सकता है हेयर फॉल, समय पर पहचान है जरूरी

नई दिल्ली। आज के समय में बालों का झड़ना और पतला होना महिलाओं के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। कई लोग इसे प्रदूषण, हेयर प्रोडक्ट्स या तनाव से जोड़कर देखते हैं, लेकिन वैज्ञानिकों के अनुसार, बालों की सेहत सिर्फ बाहरी देखभाल पर नहीं, बल्कि शरीर के अंदर मौजूद पोषण पर भी निर्भर करती है। जब शरीर को जरूरी विटामिन और मिनरल्स नहीं मिलते, तो इसका असर सीधे बालों की जड़ों पर पड़ता है, जिससे धीरे-धीरे बाल पतले होने लगते हैं और उनका झड़ना बढ़ जाता है।

पोषण की कमी को अगर सही समय पर पहचाना जाए तो ठीक किया जा सकता है। खासतौर पर

मासिक धर्म, गर्भावस्था, अनियमित खानपान और तनाव जैसी स्थितियों में शरीर कुछ जरूरी तत्वों की कमी के प्रति ज्यादा संवेदनशील हो जाता है।

सबसे अहम पोषक तत्वों में आयरन का नाम सबसे पहले आता है। शरीर में आयरन की कमी होने पर बालों की जड़ों तक ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है। इससे बालों की ग्रोथ धीमी हो जाती है और झड़ना बढ़ जाता है। कई बार ब्लड रिपोर्ट में हीमोग्लोबिन सामान्य दिखता है, लेकिन शरीर में आयरन का स्टोर कम होता है, जिसे फेरिटिन कहा जाता है। रिसर्च बताती है कि बालों की अच्छी ग्रोथ के लिए पर्याप्त स्तर का आयरन जरूरी होता है।

इसके अलावा विटामिन डी भी बालों की सेहत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह बालों के ग्रोथ साइकिल को संतुलित रखने में मदद करता है। जो लोग धूप में कम निकलते हैं, उनमें इसकी कमी ज्यादा देखी जाती है। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार, इसकी कमी से बालों का दोबारा उगना धीमा हो सकता है और घनापन कम हो सकता है।

बिहार-यूपी की चमक से नासा हैरान, 'नाइट वर्ल्ड मैप' में जगमगा रहे दोनों राज्य

नई दिल्ली। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने सैटेलाइट इमेजरी के आधार पर एक नया ग्लोबल मैप जारी किया है। इस मैप में दिखाया गया है कि 2014 से 2022 तक पृथ्वी पर रात में लाइट्स कैसे बदली।

इस मैप में भारत के बिहार और उत्तर प्रदेश की चमक देख नासा के वैज्ञानिक भी हैरान हो गए। यह मैप बीते नौ सालों में दोनों राज्यों में हुए विकास की तस्वीर है।

नासा के वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की तस्वीर लेने के लिए नौ साल तक हर रात इकट्ठा की गई 1.6 मिलियन सैटेलाइट इमेज का विश्लेषण किया। नतीजों से पता चला कि शहरी विकास के कारण उत्तर भारत में खासकर उत्तर प्रदेश और बिहार

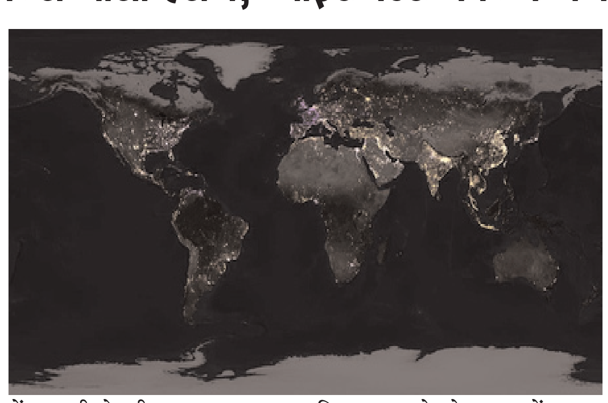

में रात की रोशनी का स्तर बढ़ गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ कनेक्टिकट में तियान ली और जे जू के नेतृत्व में, वैज्ञानिकों ने विजिबल इंफ्रारेड इमेजिंग रेडियोमीटर सुइट (वीआईआईआरएस) से ली गई तस्वीर का विश्लेषण करने के लिए एक नए एल्गोरिदम का इस्तेमाल किया। सुनहरे क्षेत्र रात में ज्यादा तेज रोशनी दिखाते हैं, जबकि बैंगनी क्षेत्र रात में ज्यादा रोशनी दिखाते हैं।

भारत, चीन, मिडिल ईस्ट और सेंट्रल अमेरिका ज्यादातर सुनहरे हैं, जबकि अमेरिका के पश्चिम में सुनहरे क्षेत्र हैं और पूर्व में ज्यादा बैंगनी और सफेद हैं। वहीं, यूरोप ज्यादातर बैंगनी था, जिससे पता चलता है कि इस दौरान इस इलाके में रोशनी कम हुई।

नासा ने इस तस्वीर को साझा कर लिखा, 'पृथ्वी सिर्फ चमकदार नहीं हो रही है, रात की रोशनी में बदलाव की वजह से कुछ जगहें चमकदार हो रही हैं और कुछ जगहें धुंधली हो रही हैं। यह नतीजा नौ साल तक हर रात ली गई 1.16 मिलियन नासा सैटेलाइट इमेज के विश्लेषण से आया है।'

जनता दल यूनाइटेड के सांसद संजय झा ने नासा के पोस्ट को रिपोस्ट कर लिखा, 'और जब आप भारत पर जूम इन करेंगे, तो आपको खुशी होगी कि बिहार कहीं और से ज्यादा साफ और ज्यादा चमक रहा है।

स्क्वैश: सूरज चंद ने जीता चेन्नई में पीएसए चैलेंजर टूर का खिताब

चेन्नई । पीएसए चैलेंजर टूर इवेंट में भारत के सूरज कुमार चंद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों का खिताब अपने नाम किया। सोमवार को सूरज ने इंडियन स्क्वैश एकेडमी में हुए मुकाबले में साउथ कोरिया के जियोंगमिन रयू को सीधे गेम में हराया।

दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने फाइनल में अपने आठवीं वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वी को 11-5, 11-9, 11-3 से मात देकर चौथा पीएसए टूर खिताब जीता। इस जीत के साथ ही उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में अपने दबदबे भरे प्रदर्शन का शानदार अंत किया। यह जीत पीएसए टूर के फाइनल में उनकी पांचवीं उपस्थिति भी थी, जो पेशेवर सर्किट पर उनकी बढ़ती निरंतरता को दर्शाती है।

महिलाओं के वर्ग में, मिस्र की रूकाया ओथमान ने मलेशिया की हार्लीन टैन को एक कड़े मुकाबले वाले फाइनल में हराकर जीत हासिल की। ??सातवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी पर 12-10, 11-7, 9-11, 11-7 से जीत दर्ज करते हुए खिताब अपने नाम किया।

एसआरएफआई के महासचिव साइरस पोंचा ने इस इवेंट की सफलता पर बात करते हुए कहा, 'हम अपने प्रायोजकों और भागीदारों, विशेष रूप से एमवाईएएस और साई को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहेंगे। किसी भारतीय खिलाड़ी का विजेता बनना इस आयोजन को और भी खास बनाता है।

पुरुषों की प्रतियोगिता में सेमीफाइनल तक पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी सूरज ही थे, जिन्होंने शुरुआती दौर से ही अपना दबदबा बनाए रखा। क्वार्टरफाइनल में, उन्होंने अपने हमवतन ओम सेमवाल को सीधे गेम में हराकर आसानी से अगले दौर में जगह बनाई। इसके बाद सेमीफाइनल में भी उन्होंने अपनी शानदार लय जारी रखी और हांगकांग के वाइलोक टो को 11-8, 11-7, 11-6 से शिकस्त देकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई।

सेमवाल ने इससे पहले भी अपने ठोस प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया था। दूसरे दौर में मिस्र के ताहा अलशाफेई पर मिली शानदार जीत उनके प्रदर्शन का एक मुख्य आकर्षण थे, हालांकि क्वार्टरफाइनल (अंतिम 8) में पहुंचकर उनका सफर समाप्त हो गया।

खराब फॉर्म से जूझ रहे मोहम्मद रिजवान को वापसी की उम्मीद, टी20 इंटरनेशल पर नजर

नई दिल्ली। खराब फॉर्म से जूझ रहे पाकिस्तानी खिलाड़ी मोहम्मद रिजवान की नजर क्रिकेट में वापसी पर है। उनका कहना है कि सभी फॉर्मेट में जगह बनाने की कोशिश है।

33 वर्षीय मोहम्मद रिजवान, पाकिस्तान के लिए टेस्ट और एकदिवसीय के अहम खिलाड़ी हैं। वर्ष 2024 के आखिर से टी20 इंटरनेशनल टीम में नहीं हैं। इस साल की शुरुआत में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप टीम से भी बाहर कर दिया गया था। पाकिस्तान सुपर लीग में भी कुछ खास नहीं कर पा रहे हैं। रावलपिंडी के लिए रिजवान सात पारियों में सिर्फ 107 रन ही बना पाए हैं, जिसमें 20 से कम के पांच स्कोर शामिल हैं।

अपनी आलोचना और खराब प्रदर्शन को लेकर आईसीसी के हवाले से मोहम्मद रिजवान ने कहा कि खिलाड़ी भी इंसान होते हैं और अपने करियर में मुश्किल दौर से गुजरते हैं, और मेरे लिए भी यह अलग नहीं है। लेकिन मुझे अभी भी सभी फॉर्मेट में क्रिकेट खेलना पसंद है, और मुझ पर हो रही आलोचना की वजह से मेरा खेल छोड़ने का कोई इरादा नहीं है।

उन्होंने कहा कि संन्यास लेने का विचार मन में नहीं है। मेरा मानना ??है कि एक खिलाड़ी को संन्यास के बारे में तभी सोचना चाहिए जब उसे पता हो कि वह दूसरों से मुकाबला करने की क्षमता खो चुका है और क्रिकेट में उसकी दिलचस्पी खत्म हो गई है। मैं अभी भी दूसरों से मुकाबला कर सकता हूं।

बता दें कि आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तहत बांग्लादेश के खिलाफ खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज के लिए मोहम्मद रिजवान ने पाकिस्तानी टीम में जगह बनाई। पाकिस्तान पांचवें स्थान पर है। इस साल के आखिर में इंग्लैंड का टेस्ट दौरा और 2027 में आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप शामिल है। ऐसे में मोहम्मद रिजवान अपनी बेहतरीन फॉर्म में आने के लिए ध्यान दे रहे हैं।

मोहम्मद रिजवान ने कहा कि मेरे लिए क्रिकेट एक जुनून है।

आईपीएल 2026: तिलक का तूफानी शतक, एमआई ने जीटी को 99 रनों से हराया

अहमदाबाद । मुंबई इंडियंस (एमआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में हार के सिलसिले को आखिरकार तोड़ दिया है। इस टीम ने सीजन के 30वें मैच में गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 99 रन से शानदार जीत दर्ज की।

इस सीजन शुरुआती दो मैच गंवाने के बाद गुजरात टाइटंस ने लगातार 3 मुकाबले अपने नाम किए थे, जिसके बाद उसे फिर से हार का सामना करना पड़ा है। यह टीम प्वाइंट्स टेबल में छठे पायदान पर है। दूसरी ओर, आईपीएल 2026 के अपने पहले मैच में जीत दर्ज करने के बाद मुंबई इंडियंस को लगातार चार मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद एमआई ने आखिरकार इस हार के सिलसिले को तोड़ दिया है। इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस प्वाइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर पहुंच गई है।टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी मुंबई इंडियंस ने 5 विकेट खोकर 199 रन बनाए। इस टीम को महज 10 के स्कोर पर डेब्यूटेंट दानिश मालेवर (2) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही। आलम ये रहा कि महज 44 के स्कोर तक एमआई अपने 3 विकेट खो चुकी थी।

इसके बाद तिलक वर्मा ने नमन धीर के साथ 40 गेंदों में 52 रन की साझेदारी करते हुए मुंबई इंडियंस को संभाला। टीम ने 96 रन बना लिए थे। इस स्कोर पर एमआई को नमन धीर के रूप में चौथा झटका लगा। नमन 32 गेंदों में 45 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

यहां से तिलक वर्मा ने कप्तान हार्दिक पांड्या के साथ 38 गेंदों में 81 रन की साझेदारी की। पांड्या के बल्ले से 15 रन आए, जबकि तिलक ने 45 गेंदों में 7 छक्कों और 8 चौकों के साथ 101 रन की नाबाद पारी खेली। विपक्षी खेमे से कगिसो रबाडा ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

इसके जवाब में जीटी 15.5 ओवरों में महज 100 रन पर सिमट गई। पारी की पहली ही गेंद पर यह टीम साई सुदर्शन (0) का विकेट गंवा चुकी थी। अगले ओवर में उसे जोस बटलर (5) के रूप में दूसरा झटका लगा।

यहां से वाशिंगटन सुंदर ने शुभमन गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए 20 गेंदों में 35 रन की साझेदारी की, लेकिन इस जोड़ी के टूटते ही टीम फिर से लड़खड़ा गई। वाशिंगटन 17 गेंदों में 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि शाहरुख खान ने 17 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। कप्तान शुभमन गिल ने 14 रन की पारी खेली।

एमआई की तरफ से 'इम्पैक्ट प्लेयर' के रूप में उतरे अश्विनी कुमार ने 24 रन देकर 4 विकेट हासिल किए, जबकि गजनफर और मिचेल सेंटनर ने 2-2 विकेट निकाले। जसप्रीत बुमराह और

खराब फॉर्म से जूझ रहे मोहम्मद रिजवान को वापसी की उम्मीद, टी20 इंटरनेशल पर नजर

नई दिल्ली । खराब फॉर्म से जूझ रहे पाकिस्तानी खिलाड़ी मोहम्मद रिजवान की नजर क्रिकेट में वापसी पर है। उनका कहना है कि सभी फॉर्मेट में जगह बनाने की कोशिश है।

33 वर्षीय मोहम्मद रिजवान, पाकिस्तान के लिए टेस्ट और एकदिवसीय के अहम खिलाड़ी हैं। वर्ष 2024 के आखिर से टी20 इंटरनेशनल टीम में नहीं हैं। इस साल की शुरुआत में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप टीम से भी बाहर कर दिया गया था। पाकिस्तान सुपर लीग में भी कुछ खास नहीं कर पा रहे हैं। रावलपिंडी के लिए रिजवान सात पारियों में सिर्फ 107 रन ही बना पाए हैं, जिसमें 20 से कम के पांच स्कोर शामिल हैं।

अपनी आलोचना और खराब प्रदर्शन को लेकर आईसीसी के हवाले से मोहम्मद रिजवान ने कहा कि खिलाड़ी भी इंसान होते हैं और अपने करियर में मुश्किल दौर से गुजरते हैं, और मेरे लिए भी यह अलग नहीं है। लेकिन मुझे अभी भी सभी फॉर्मेट में क्रिकेट खेलना पसंद है, और मुझ पर हो रही आलोचना की वजह से मेरा खेल छोड़ने का कोई इरादा नहीं है।

उन्होंने कहा कि संन्यास लेने का विचार मन में नहीं है। मेरा मानना ??है कि एक खिलाड़ी को संन्यास के बारे में तभी सोचना चाहिए जब उसे पता हो कि वह दूसरों से मुकाबला करने की क्षमता खो चुका है और क्रिकेट में उसकी दिलचस्पी खत्म हो गई है। मैं अभी भी दूसरों से मुकाबला कर सकता हूं। बता दें कि आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तहत बांग्लादेश के खिलाफ खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज के लिए मोहम्मद रिजवान ने पाकिस्तानी टीम में जगह बनाई। पाकिस्तान पांचवें स्थान पर है। इस साल के आखिर में इंग्लैंड का टेस्ट दौरा और 2027 में आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप शामिल है। ऐसे में मोहम्मद रिजवान अपनी बेहतरीन फॉर्म में आने के लिए ध्यान दे रहे हैं।

मोहम्मद रिजवान ने कहा कि मेरे लिए क्रिकेट एक जुनून है। मैं टी20, टेस्ट और वनडे खेलता हूं। मुझे क्रिकेट से प्यार है। इसलिए मैं इसे खेलता हूं। मेरी जिंदगी में क्रिकेट के अलावा कुछ और नहीं है। मेरा कोई बिजनेस नहीं है।

फुटबॉल: मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को 2-1 से हराया, एवर्टन के खिलाफ लिवरपूल ने दर्ज की जीत

लंदन । मैनचेस्टर सिटी ने रविवार को प्रीमियर लीग में टॉप पर चल रही आर्सेनल को एतिहाद स्टेडियम में रोमांचक मुकाबले में 2-1 से हराया। इस जीत के साथ ही मैनचेस्टर सिटी और आर्सेनल के बीच सिर्फ 3 अंकों का फासला बचा है। मैनचेस्टर सिटी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है।

मैच की शुरुआत में मैनचेस्टर सिटी ने आक्रामक खेल दिखाया। 16वें मिनट में रेयान चेर्की ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। चेर्की ने दो डिफेंडरों को छकाते हुए और डेविड राया के पास से दाहिने पैर से शॉट मारकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाया। हालांकि, इसके तुरंत बाद आर्सेनल ने वापसी की। मैनचेस्टर सिटी के गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा की गलती का फायदा उठाकर काई हैवर्ट्ज ने शानदार गोल दागा और स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। पहले हाफ में इसके बाद कोई और गोल नहीं हुआ और स्कोर 1-1 रहा।

दूसरे हाफ में मैनचेस्टर सिटी ने मैच पर पकड़ मजबूत कर ली। 65वें मिनट में एर्लिंग हालैंड ने सिटी के लिए मैच में दूसरा गोल किया और स्कोर को 2-1 कर दिया। इसके बाद आर्सेनल की तरफ से गोल करने के काफी प्रयास किए गए, लेकिन टीम को सफलता नहीं मिल सकी। मैनचेस्टर सिटी मुकाबले को 2-1 से अपने नाम करने में सफल रही।

दूसरी ओर, लिवरपूल ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी एवर्टन को 2-1 से हराया। अपने आखिरी मर्सीसाइड डर्बी में खेलते हुए मोहम्मद सालाह ने 29वें मिनट के बाद एवर्टन के खिलाफ अपना 9वां गोल किया और लिवरपूल को मैच में 1-0 की बढ़त दिलाई। सालाह ने एवर्टन के खिलाफ स्टीव गेरार्ड के गोल के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली। बेटो ने 54वें मिनट में एवर्टन की मुकाबले में वापसी कराई और शानदार गोल दागा। हालांकि, वैन डाइक ने लिवरपूल की तरफ से दूसरा गोल करते हुए टीम की जीत पक्की कर दी।

एस्टन विला ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए सुंदरलैंड को 4-3 से हराया। ओली वॉटकिंस ने दो और मॉर्गन रोजर्स ने एस्टन विला की तरफ से एक गोल दागा। सुंदरलैंड एक समय पर 3-1 से पीछे था, लेकिन 85वें और 86वें मिनट के बाद ट्राई ह्यूम और विल्सन इसिडोर ने गोल करते हुए स्कोर को 3-3 से बराबर कर दिया। हालांकि, टैमी अब्राहम ने मैच के 93वें मिनट में किए गए गोल की बदौलत एस्टन विला बाजी मारने में सफल रहा। वहीं, नॉटिंघम फॉरेस्ट ने बर्नले को 4-1 से हराया।

नाहिद राणा ने खोला 'पंजा', बांग्लादेश के खिलाफ 198 रन बनाकर न्यूजीलैंड टीम ऑल आउट

ढाका । बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच सोमवार को वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला ढाका के शेर-ए-बांग्ला क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की पूरी टीम 48.4 ओवर में 198 रन बनाकर ऑल आउट हुई।

दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। हेनरी निकोल्स 26 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 13 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, विल यंग भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 2 रन बनाकर नाहिद राणा का शिकार बने। कप्तान टॉम लाथम इस मुकाबले में भी फ्लॉप रहे और उन्होंने 35 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 14 रन बनाए।

हालांकि, इसके बाद चौथे विकेट के लिए मोहम्मद अब्बास और निक केली ने 56 रन जोड़े। अब्बास 34 गेंदों में 19 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, निक केली ने एक छोर संभाले रखा और उन्होंने अपना अर्धशतक पूरा किया। केली ने 102 गेंदों का सामना करते हुए 83 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 14 चौके लगाए।

डीपी वर्ल्ड प्लेयर्स चैंपियनशिप की घोषणा, 21 अप्रैल से नूह में शुरुआत

नूह । डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई) ने सोमवार को डीपी वर्ल्ड प्लेयर्स चैंपियनशिप की घोषणा की। यह टूर्नामेंट 21 से 24 अप्रैल तक हरियाणा के नूह में क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब में खेला जाएगा।

टूर्नामेंट की इनामी राशि एक करोड़ रुपए रखी गई है।

टूर्नामेंट में कुल 130 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इस इवेंट में भारत के जाने-माने पेशेवर खिलाड़ी वीर अहलावत, ओम प्रकाश चौहान, और मनु गंडास (सभी पहले डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन रह चुके हैं) के साथ-साथ सप्तक तलवार (2026 डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट लीडर), खलिन जोशी, और हनी बैसोया (दोनों इस सीजन में डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के विजेता रहे हैं), और अंगद चीमा (पिछले साल डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के दो बार के विजेता) शामिल हैं।

श्रीलंका के एन थंगाराजा (पिछले साल डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के तीन बार के विजेता) इस टूर्नामेंट में सबसे बड़े विदेशी नाम होंगे। वीर अहलावत और मनु गंडास के अलावा, गुरुग्राम और नूह के होस्ट रीजन को ध्रुव श्योराण और तपेंद्र घई (दोनों डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के विजेता) के साथ-साथ मनीष ठाकरान और शिवेंद्र सिंह सिसोदिया (दोनों डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई नेक्सजेन के विजेता) और कुशल सिंह, मानव बैस और सौरव राठी जैसे जाने-माने नाम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे।

इससे पहले, शुभंकर शर्मा ने हैदराबाद के बोल्डर हिल्स गोल्फ एंड कंट्री क्लब में खेले गए पहले 1 करोड़ के बोल्डर्स क्लासिक में फाइव-अंडर 67 का कार्ड बनाकर अपना सातवां डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई टाइटल जीता।

चंडीगढ़ के 29 साल के इस गोल्फ खिलाड़ी ने इस हफ्ते शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे टूर्नामेंट पर अपना दबदबा बना लिया। उन्होंने कुल 25-अंडर 263 का स्कोर बनाया (66-66-64-67), जो बाकी सभी खिलाड़ियों से 8 शॉट बेहतर था।

पावरप्ले के बाद बल्ले से योगदान देना खास रहा: प्रियांश आर्या

न्यू चंडीगढ़। आईपीएल 2026 के 29वें मुकाबले में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 54 रनों से हराया। इस मुकाबले में पीबीकेएस के बल्लेबाज प्रियांश आर्या का प्रदर्शन शानदार रहा और उन्होंने 37 गेंदों में 93 रनों की धमाकेदार पारी खेली।

पंजाब किंग्स को मिली जीत के बाद प्रियांश आर्या ने कहा कि पावरप्ले के बाद बल्ले से योगदान देकर उन्हें काफी अच्छा लगा। उन्होंने कहा, 'पावरप्ले के बाद इस मुकाबले में मैंने टीम के लिए योगदान दिया और यह मेरे लिए बहुत खास था। मैं छक्के मारने की प्रैक्टिस नहीं करता, बल्कि मैं गेंद को सही समय पर हिट करने की कोशिश करता हूं। आनंद सर और बिरला सर, जो हमारे ट्रेनर हैं, हमें शेड्यूल भेजते हैं और मैं उसे फॉलो करता हूं। इससे मुझे फिट रहने में मदद मिलती है। मैं मैदान के बीच में बहुत ज्यादा सोच-विचार नहीं करता, क्योंकि इससे मेरा दिमाग शांत रहता है। मैंने पॉइंट के ऊपर से एक शॉट खेला; यह मेरा पसंदीदा शॉट है।'

प्रियांश आर्या ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अपनी 93 रनों की पारी में 4 चौके और 9 छक्के लगाए। उन्होंने कूपर कोनोली के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 80 गेंदों में 182 रनों की शानदार साझेदारी निभाई। भले ही प्रियांश अपने शतक से चूक गए, लेकिन उनकी शानदार बल्लेबाजी के बूते पंजाब किंग्स इस सीजन का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा करने में सफल रही। टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 254 रन लगाए। कोनोली भी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने46 गेंदों में 87 रनों की दमदार पारी खेली।

255 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए एलएसजी की टीम 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 200 रन ही बना सकी। ऋषभ पंत ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 23 गेंदों में 43 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि एडेन मार्करम ने 22 गेंदों में 42 रन बनाए। हालांकि, पंत और मार्करम अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415